अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का मासिक पत्र

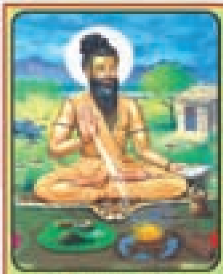

जांगिड ब्राह्मण

JANGID BRAHMAN

वर्ष: 115, अंक: 10, अक्टूबर-2022 ई., तारीख 22-27 प्रतिमाह

श्री विश्वकर्मणे नमः

POSTED UNDER LICENCE NO. U(DN) 39/2021 OF POST WITHOUT PREPAYMENT OF POSTAGE

प्रधान- श्री रामपाल शर्मा

सम्पादक- श्री रामभगत शर्मा

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रथम प्रेरक

पं. बाबू गोरधनदास जी शर्मा, मथुरा

डॉ. इन्द्रमणि जी शर्मा, लखनऊ

पं. पालाराम जी शर्मा, रायपुरवल-पंजाब

पत्र के जन्मदाता

पं. डालचन्द जी शर्मा, जहाँगीराबाद-उ.प्र.

समाज के महापुरूष

गुरुदेव पं. जयकृष्णजी मणीठिया, दिल्ली

स्व. श्रीमती सुन्दरदेवी, दिल्ली

महासभा भवनदानकर्ता, दिल्ली

नासिक में 2 अक्टूबर 2022 को हुई महासभा की कार्यकारिणी की द्वितीय बैठक की चित्रावली

नासिक में 2 अक्टूबर 2022 को हुई महासभा की कार्यकारिणी की द्वितीय बैठक की चित्रावली

Amit Sharma
Jagmohan Sharma
Deepak Sharma
Rampal Sharma
Director
कार्यकुशलता का सम्मान
Krishna Devi
President
Vishwakarma
Education Trust, Delhi
INTERIO CRAFT
KRISHNA INTERIORS
INTERIOCRAFT PVT. LTD.
Web.:www.interiocraft.com
Email :rampal@interiocraft.com
KRISHNA INTERIORS
Web.: www.krishnainteriorsindia.com
E-mail: rampalsharma@krishnainteriorsindia.com
No. 13 & 14, Royal Chambers, 3rd Floor, Dodda Banswadi,
Outer Ring Road Near Vijaya Bank Colony
Bangalore-560043, Tel.: 080 25426161, 25427191 Mob.: 98440 26161

"जांगिड ब्राह्मण महासभा पत्रिका" के नियम एवं उद्देश्य

1. समाज के सभी वर्ग के व्यक्तियों के सर्वागीण विकास के लिए नवाचार करना।
2. साहित्य सृजन, आध्यत्मिक चेतना एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहन देना।
3. सामाजिक गतिविधियों के अन्तर्गत केन्द्रीय, प्रादेशिक, क्षेत्रीय एवं स्थानीय समाचारों को प्रकाशित करना।
4. सामाजिक शिक्षा, वैज्ञानिक तकनीकी एवं शिल्पोन्नति संबंधी निबंध तथा लेखों आदि को प्रकाशित करना।
5. समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करना तथा उन्मुलन हेतु विकास की ओर उन्मुख होने का संचरण करना।
6. पत्र प्रत्येक अंग्रेजी मास की 22-27 तारीख को प्रकाशित होता है।
7. लेखों व अन्य प्रकाशनार्थ भेजी सामग्री को छापने, न छापने तथा घटाने-बढ़ाने का पूर्ण अधिकार सम्पादक के पास सुरक्षित है।
8. व्यक्तिगत तथा विवादास्पद लेख पत्र में प्रकाशित नहीं किए जाएंगे।
9. लेखन सामग्री भेजने वाले स्वयं उसके लिए उत्तरदायी होंगे।
10. नमूने का अंक उपलब्ध होने पर ही भेजा जा सकता है।

स्वामित्व एवं सर्वाधिकार सुरक्षित

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा

प्रधान कार्यालय

440, हवेली हैदर कुली, चांदनी चौक, दिल्ली-110006
दूरभाषः- 011-42420443, 011-42470443
Website: www.abjbmahasabha.com
E-mail: jangid.mahasabha@gmail.com

सम्पर्क सूत्र

प्रधान-पं.रामपाल शर्मा "जांगिड" - 09844026161
महामंत्री-पं.सांवरमल "जांगिड" - 09414003411
सम्पादक-प.रामभगत शर्मा "जांगिड" - 09814681741

'जांगिड ब्राह्मण' महासभा की सदस्यता दर

(01-10-2018 से)

सदस्यता	रुपये
प्लैटिनम सदस्य	- 1,00,000/-
स्वर्ण सदस्य	- 51,000/-
रजत सदस्य	- 25,000/-
विशेष सम्पोषक	- 21,000/-
सम्पोषक सदस्य	- 11,000/-
संरक्षक (पत्रिका सहित)	- 2,100/-
संरक्षक (पत्रिका रहित)	- 500/-
वार्षिक पत्रिका शुल्क	- 240/-
मासिक पत्रिका शुल्क	- 20/-

विज्ञापन शुल्क की दरें

टाईटल का अंतिम पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 10000/-,वार्षिक 100000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 6000/-,वार्षिक 61000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 4000/-, वार्षिक 41000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 3000/-, वार्षिक 31000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 1500/-, वार्षिक 17000/-

अन्दर का चौथाई पृष्ठ (साधारण)
मासिक 750/-,वार्षिक 8500/-

वैवाहिक विज्ञापन
मासिक 201/-

महासभा बैंक खाता

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता नं. 61012926182 **(IFSC Code: SBIN0030139)** में किसी भी स्थान से बैंक (शाखा-एसबीआई, एसएमई टाउन हॉल, चांदनी चौक, दिल्ली-06) में 25000/- रू. प्रतिदिन नकद जमा करवाए जा सकते हैं। जमाकर्त्ता से अनुरोध है कि जमापर्ची की काउण्टर फाईल मय सम्पूर्ण विवरण (पाने वाले का नाम "अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा" अवश्य लिखें) सहित महासभा को आवश्यक रूप से प्रेषित करें। तथा प्रत्येक लेन-देन पर 60/- रूपये बैंक चार्जेज के रूप में अतिरिक्त जमा करायें, अन्यथा महासभा उस कार्य को करने में असमर्थ रहेगी। क्योंकि बैंक चार्जेज का आर्थिक बोझ महासभा पर पड़ता है।महासभा को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80-G के तहत छूट के लिए मान्य है।दानदाता अपनी आयकर विवरणी में दान पर आयकर छूट के लिए दावा कर सकते है।

गजेन्द्र जांगिड "जांगिड"
सह-कोषाध्यक्ष महासभा, 9811482174

सत्यनारायण "जांगिड"
कोषाध्यक्ष महासभा, मो. 9810075654

अनुक्रमणिका

07. सम्पादकीय.....

09. प्रधान की कलम से ....

11. नासिक महाराष्ट्र में 2 अक्टूबर........

20. चुनाव अधिसूचना, हरियाणा............

24. विश्वकर्मा ट्रस्ट आर्थिक.................

28. प्रदेशसभा राजस्थान त्रैमासिक..........

31. जिला सभा दौसा ....

33. ओम प्रकाश खोखा दिल्ली प्रदेश......

34. महर्षि वाल्मीकि की ....

35. योग जीवन ....

36. 17 सितम्बर देबलिया ....

37. कैलाश चन्द्र गुजरात....................

38. आज पुश्तेनी काम ....

39. कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष................

40. जांगिड विकास समिति द्वारा..........

41. रोहतक के पृथ्वी जांगिड.............

42. मिश्रिख-नैमिषारण्य आदि...............

43. एक सास द्वारा...(कविता) ....

44. शरद पूर्णिमा की ....

45. आत्म विश्वास......................

46. होनहार

48. वाल विवाह ....

50. विवाह विज्ञापन

51. हरिशंकर जांगिड राजस्थान ....

52. अदिती आर्य..........................

53. दान दाताओं की सूची ....

प्रचार सामग्री (विज्ञापन)

कृष्णा इंटीरियर

भारत व्हील

शर्मा एण्ड कम्पनी

ओमकारा

भागीरथ मोटर्स

न्यायिक क्षेत्र

सभी न्यायिक मामलों में महासभा के किसी भी पदाधिकारी के विरूद्ध महासभा सम्बन्धी मामले में कानूनी कार्यवाही के लिये न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

विनम्र निवेदन

(1) 'जांगिड ब्राह्मण' पत्रिका हर मास की 22 से 27 तिथि तक नियमित रूप से भेज दी जाती है, जो आपको 3-7 दिन में मिल जानी चाहिए।

(2) जिन आदरणीय सदस्यों को पत्रिका नहीं मिल पा रही हैं वे कृपया अपने सम्बन्धित डाक घर में लिखित शिकायत करें और इसकी एक प्रति महासभा कार्यालय में भी भेजें ताकि महासभा कार्यालय भी अपने स्तर पर मुख्य डाकपाल अधिकारी को यह शिकायत आप की फोटो प्रतियों के साथ भेज सके।

हमारे पास बहुत सारी पत्रिकाएं डाक कर्मचारी की इस टिप्पणी के साथ वापिस आ रही हैं, कि 'पते में पिता का नाम नहीं', 'इस पते पर नहीं रहता', 'पता अधूरा है', 'पिन कोड' बिना भी पत्रिका वापिस आ रही हैं। यदि आपके पते में उपरोक्त अशुद्धियाँ हैं तो लिखित रूप में महासभा कार्यालय में भेजें ताकि शुद्ध किया जा सके। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि प्रत्येक सदस्य को कार्यालय से प्रतिमाह 22 से 27 तिथि को पत्रिकाएं भेज दी जाती हैं।

(3) समाज के प्रबुद्ध लेखकों, विद्वानों से निवेदन है कि रचनाओं की छाया प्रति न भेजें, वास्तविक प्रति ही सुस्पष्ट, सुन्दर लेख में लिखकर या टाइप कराकर भेजें। वैवाहिक विज्ञापन एवं इसका शुल्क, अन्य लेख व प्रकाशन सम्बन्धी सभी प्रकार की सामग्री हर माह की 10 तारीख तक महासभा कार्यालय में अवश्य पहुंच जानी चाहिए।

कृपया ध्यान दें- बार बार निवेदन करने पर भी लेखक अपनी रचनाएँ अस्पष्ट हस्तलिखित तथा छोटे से कागज पर भेज रहे हैं। जिससे हमेशा पढ़ने में असुविधा हो रही है। ऐसे लेख प्रकाशित नहीं हो पाएंगे

(4) आपसे यह भी निवेदन है कि प्रत्येक रचना के अन्त में यह घोषणा अवश्य करें कि यह रचना मेरी मौलिक रचना है और अभी तक कहीं प्रकाशित या प्रसारित नहीं हुई है। यदि किसी अन्य स्रोत से ली गई है तो उसका संदर्भ अवश्य दें। तथा लेख के अन्त में अपना नाम, पता, फोन नम्बर हस्ताक्षर सहित अवश्य लिखें।

(5) पत्रिका के विषय में प्रबुद्ध लेखकों के सुझाव सादर आमंत्रित है।

(6)अस्वीकरण-पत्रिका में प्रकाशित लेखों में लेखकों के व्यक्तिगत विचार होते हैं। महासभा का उनसे सहमत होना आवश्यक नही है।

-सम्पादक

इस पत्रिका में अभिव्यक्त विचारों से सम्पादक अथवा महासभा का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इसमें प्रकाशित सभी रचनाओं में अभिव्यक्त विचारों, तथ्यों आदि की शुद्धता तथा मौलिकता का पूर्ण दायित्व स्वयं लेखकों का है।

आधुनिक युग में बेटियां बोझ नहीं अपितु माता पिता की शान और वरदान है

प्रत्येक वर्ष सितंबर के चौथे इतवार को बेटी दिवस मनाया जाता है और पिछले महीने 25 सितंबर को बेटी दिवस मनाया गया। जिस प्रकार से हम दादा दादी, पिता और मां दिवस मनाते हैं उसी प्रकार बेटी दिवस मनाने की परम्परा कई देशों में है और भारत देश भी इससे अछूता नहीं है और हमारे देश मे भी इस परम्परा का निर्वहन करते हुए बेटी दिवस मनाया गया। बेटियां को समर्पित यह दिवस एक बेटी के विभिन्न रुपों की करुणामयी गाथा को चित्रित करता है। एक बेटी, एक मां और एक पत्नी के रूप में किस प्रकार से वह अपने दायित्व का जिस सहनशीलता विनम्रता और शालीनता तथा उदारता के साथ करते हुए अपने बहूमूल्य जीवन का निर्वहन करती हैं। उससे नि:संदेह रूप से एक नारी की महानता परिलक्षित होती है।

यह बेटी दिवस विभिन्न देशों में मनाया जाता है लेकिन देश में बेटी दिवस को मनाने का उद्देश्य समाज में परिव्याप्त रुढ़िवादी अवधारणाओं को समाप्त करके उनको पुरुष के बराबरी पर लाकर खड़ा करना है। इसके साथ ही लोगों के मन में बेटी को एक बोझ समझने की गलत अवधारणा को समाप्त करके उसके साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर आगे बढ़ने की लालसा को सजीव और जीवन्त बनाए रखने के लिए सभी को मिलकर सार्थक प्रयास करने की महत्ती आवश्यकता है। मुझे यह कहने में लेशमात्र भी संकोच नहीं है कि आज की नारी के प्रगतिशील विचारों की अवधारणा ने लड़की एक बोझ है इस अवधारणा को ही बदल कर रख दिया है और यह सब संभव हो पाया है शिक्षा के आधुनिकीकरण के साथ-साथ समाज में एक विशेष जागृति के कारण।

लेकिन यह भी सच है कि देश के कई हिस्सों में आज भी बेटियों की अनदेखी की जाती है । जिसके कारण उनकी उचित तरीके से पढाई नहीं हो पाती है और अपने सपनों को तिलांजलि देनी पड़ती है और इसी दकियानूसी विचारधारा को समाप्त करने और लड़का लड़की में भेदभाव की मानसिकता को समाप्त करने के लिए ही बेटी दिवस मनाने की परम्परा की शुरुआत की गई है ताकि लड़कियों के साथ हो रहे भेदभाव की कुंठित मानसिकता का परित्याग करके लड़कियों के साथ हो रहे भेदभाव को समाप्त किया जा सके और इस संकुचित मानसिकता के खिलाफ एक आवाज बुलंद की जा सके।

लड़का लड़की की मानसिकता आज भी अधिकतर अनपढ़ लोगों में घर कर गई है । बेटी दिवस मनाने का उद्देश्य यही है कि उनके खिलाफ हो रही मानसिकता का परित्याग करके समाज में जागरूकता पैदा करके भेद भाव की दीवार को ध्वस्त किया जा सके और इस देश में लिंग के विरूद्ध समानता को बढ़ावा मिले आज इस दिशा की और सरकार के साथ-साथ अपनी मानसिकता को परिवर्तित करते हुए कदम बढ़ाने की महत्ती आवश्यकता है। हमारे प्राचीन ग्रंथों वेदों और शास्त्रों में नारी की महानता और उसके महत्व को उजागर किया गया है। जहां पर नारी की पूजा अर्चना होती है वहां पर देवताओं का वास होता है। यत्र नार्यस्तु पूज्यंते, रमंते तत्र देवता:। एक बेटी का कोमल स्वभाव और उसका अपने भाई बहन के असीम प्रेम और आत्मीयता तथा प्यार उन्हें वह स्थान प्रदान करता है जिसकी अपेक्षा एक बेटे से नहीं की जा सकती है।

एक बेटी का कोमल मन गंगा के समान उज्जवल और निश्छल प्रेम की जीवन्त प्रतिमूर्ति हैं जो खुद दुख सहन करके दूसरो को परमानन्द देने में ही अपने जीवन की सार्थकता समझती है। आज हम देख रहे हैं

कि बेटियों ने अपनी प्रतिभा और दक्षता के बल पर उनके समक्ष लड़कों को प्रत्येक क्षेत्र में पछाड़ दिया है आज हवाई जहाज के पायलट से लेकर कुश्ती, क्रिकेट और देश की सेनाओं में आफिसर कमांडिंग बन कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहीं हैं। मुझे हैरानी है कि आज के लड़कियों में कितना एक्सपोजर है। मैं एक 10 साल की लड़की को जानता हूं जिसके माता पिता इतने पढ़े लिखे नहीं है लेकिन धनाढ्य जरुर हैं और उस बेटी ने नीट के माध्यम से लन्दन में अपने लिए अपने आप ही स्कूल ढूंढा और उसमें दाखिला भी ले लिया। इससे सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि आज का बच्चे किस दिशा में जा रहें हैं।

मेरा मानना है कि बेटी तो हमारे घर की शान और घर की आन है । वह अपने पिता की एक अनुपम और अनूठी पहचान है। लेकिन कई अभिभावक भूलवश या जानबूझ कर अपनी बेटी को बोझ समझने लगते हैं ।उससे बड़ा दुर्भाग्यशाली पुरुष इस संसार में कोई नहीं हो सकता है। बेटियां तो आंगन की शोभा और श्रृंगार हैं रस छंद और अंलकार हैं और हर देहरी की वह रौनक हैं तथा इसके साथ ही वह दो परिवारों को तारने वाली है। इसी लिए कहा जाता है कि नसीब वालों के घर में ही बेटियां पैदा होती हैं और वह माता पिता को बदहवासी में शकुन देती हैं ।प्राचीन मान्यताओं के अनुसार बेटी के कन्यादान का सौभाग्य केवल भाग्यशाली माता पिता को ही मिलता है। इसी लिए कहा गया है कि बेटियां तो ईश्वर का साक्षात वरदान हैं। आज बेटियां भी बेटों की तरह ही सफलता के नए आयाम, सौपान और कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। जिन पर हमें गर्व है।

मेरा मानना है कि आज देश और समाज में जो चेतना जागृत हुई है उसमें पाश्चात्य सभ्यता और संस्कृति का भी दुष्प्रभाव बच्चों के कोमल मन पर अवश्य ही पड़ा और आज परिस्थितियां धीरे धीरे बदल रही है। कई राज्यों में लड़की और लड़के के अनुपात में लड़कियों का अनुपात बहुत ही कम है और इस असमानता को दूर करने और लिंग भेद को समाप्त करने की दिशा में राज्य सरकारों द्वारा ठोस कदम उठाए जा रहे हैं और उनके परिणाम भी बड़े ही सकारात्मक रहें हैं। आज बेटियों को आत्मनिर्भर बनने के लिए उनमें आत्मविश्वास जगाने और प्रतिबद्धता के साथ अपने सहयोगियों से कन्धे से कन्धा मिलाकर साथ चलने की जरूरत है तभी देश का सर्वांगीण विकास सम्भव है और तभी प्रत्येक क्षेत्र मे आशातीत सफलता और प्रगति हासिल की जा सकती है।

एक बेटी आगे चलकर बड़ी होकर एक मां एक पत्नी और एक मार्ग दर्शक का रोल भी अदा करती है। इसी लिए कहा गया है कि नारी शक्ति एक मातृ शक्ति भी है और जिसने यह सिद्ध करके दिखला दिया है कि वह किसी भी क्षेत्र में पुरूषों से कम नहीं है अपितु कई क्षेत्रों में पुरुषों से आगे ही हैं।

आज विश्व में आधी आबादी महिलाओं की है और इनमें आई राजनैतिक चेतना और जागृति का ही परिणाम है कि आज महिलाओं की भागीदारी पंचायत स्तर तक पहुंच गई है। आधुनिक युग में महिला और पुरुष को एक साथ मिलकर एक गाड़ी के दोनों पहियों की तरह सन्तुलन बनाए रखना होगा तभी निर्धारित लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है और बेटी दिवस मनाने का लक्ष्य भी तभी सार्थक होगा जब मनुष्य अपनी दकियानूसी सोच का परित्याग करके बेटियों को पेट में गर्भपात करवाने की अपेक्षा अपने विचारों में सकारात्मक बदलाव को आत्मसात करेगें।

आईए, इस बेटी दिवस पर हम सभी मिलकर यह संकल्प लें कि बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ के नारे को चरितार्थ करते हुए जहां पर भी बेटियों के साथ अन्याय हो रहा हो उनका साथ दे क्योंकि एक बेटी दूर्गा, आदिशक्ति मां जगदम्बा और कल्याणमयी लक्ष्मी देवी के विभिन्न रुपों में अपने कोमल हृदय से संसार का सदैव ही कल्याण करती रहती हैं। ''''''

प्रधान की कलम से -------

रामपाल शर्मा

रामपाल शर्मा

आप सभी को विदित है कि इस महीने के प्रारंभ में 2 अक्टूबर को नवरात्र के दौरान नासिक की पावन धरा, जो अपने आप में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम और भगवान शिव शंकर की सांस्कृतिक धरोहर और वैभव को अपने में समाहित किए हुए है। जहां भगवान श्री राम की चरण रज से यह धरा पवित्र हुई हो और अपने कण कण में उन मधुर स्मृतियों को अपने गर्भ में समाहित किए हुए हो और जहां भगवान शिव ने जनकल्याण के उद्देश्य से त्रैंबकेश्वर महादेव ज्योतिर्लिंग की स्थापना की हो । पावनता का उदघोष करने वाले कुम्भ की स्थली नासिक में महासभा की कार्यकारिणी की द्वितीय त्रैमासिक बैठक का आयोजन 2 अक्टूबर को करके समाज में एकता और आपसी भाईचारे का जो शंखनाद किया गया उसकी मैं भूरी-भूरी प्रशंसा करता हूं।। इस द्वितीय त्रैमासिक बैठक का समाज के बीच एक सकारात्मक संदेश गया है और यह बैठक कई मायनों में अपनी अमिट छाप छोड़ने में सफल रही है।

इस बैठक में मुझे पहली बार एहसास हुआ है कि हमारे समाज के पुरोधाओं ने इस महासभा की स्थापना करते समय 115 बर्ष पहले जो सपने संजोए थे उनको पूरा करने की दिशा की और यह समाज आज अग्रसर है। पहली बार महिलाओं ने पुरुषों की बराबरी और समानता की आवाज बुलंद की और मैं ऐसी सकारात्मक सोच की पहल का हृदय के अन्त:करण से अभिनंदन और स्वागत करता हूं। समाज की महिलाओं में जागृति की प्रेरणा एक शुभ संकेत है । मैं बधाई देना चाहता हूं हमारी महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती मधु शर्मा को,जिन्होंने महिलाओं में जागृति का शंखनाद किया है और यही कारण है कि महिलाएं आज प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा अपने कौशल और अपनी क्षमताओं का भरपूर इस्तेमाल करके आगे आ रही है।

मैं महिलाओं को बराबरी और समानता के अधिकार देने का सदैव ही प्रबल समर्थक रहा हूं और मैं महिलाओं को विश्वास दिलाना चाहता हूं कि महिला सशक्तिकरण और बराबरी के लिए जो भी कदम संभव होगा और वह सभी सार्थक प्रयास किए जाएंगे क्योंकि मातृशक्ति के बिना मनुष्य अधूरा है और हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की यही विशेषता है। पुरुष और प्रकृति एक दूसरे के पूरक हैं। इस लिए जब तक दोनों में आपसी तारतम्य और एक दूसरे को समझ कर आगे बढ़ने की उत्कृट अभिलाषा और लालसा पैदा नहीं होगी तब तक इस समाज के सर्वांगीण विकास की परिकल्पना कभी भी साकार नहीं हो सकती है।

मैं समझता हूं कि महिलाओं में यह जागृति पहले ही आ जानी चाहिए थी ताकि दोनों मिलकर इस महायज्ञ में अपनी बराबर की आहुति डाल सकें। हमारी महाराष्ट्र प्रदेश की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती रेशमा, महेश जांगिड ने महासभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने की मंच से मांग की गई और इसका मैंने उसका पुरजोर समर्थन भी किया । महासभा के संविधान के अन्तर्गत महासभा की कार्य कारिणी मे महिलाओं का प्रतिनिधित्व न्यूनतम 10 प्रतिशत निर्धारित किया गया है और मैं समझता हूं इसे बढ़ाकर 20 प्रतिशत किया जाना चाहिए ताकि भविष्य में महिलाओं में अपने अधिकारों के प्रति जितनी जागरूकता आयेगी तो उतना ही महिलाओं का महासभा में वर्चस्व बढ़ता रहेगा।

महिलाओं की तरफ से एक और महत्वपूर्ण सुझाव और आया है और वह था, विवाह योग्य युवक-युवतियों का परिचय सम्मेलन आयोजित किया जाना चाहिए और महासभा द्वारा मैट्रीमोनियल के लिए एक अलग से वैवसाइट का संचालन किया जाए। जहां तक इस सुझाव का प्रश्न है इस बारे में महासभा की जांगिड पत्रिका में वैवाहिक विज्ञापन देने का प्रावधान पहले से ही किया हुआ है। मेरा सुझाव है कि आप इस

पत्रिका में अधिक से अधिक वैवाहिक विज्ञापन देकर इसका लाभ उठा सकते हैं। यह पत्रिका सारे देश में ही नहीं अपितु विदेशों में रहने वाले समाज के लोगों के पास भी जाती है क्योंकि आजकल सूचना क्रांति के इस युग में यह संसार सिमट कर छोटा हो गया है। आप विडियो कांफ्रेंस और विडियो कालिंग तथा मोबाइल के माध्यम से एक मिनट में विदेशों में रह रहे अपने बच्चों और रिश्तेदारों से सम्पर्क कर सकते हैं।

त्रैमासिक बैठक में खेलों से संबंधित एक ओर सुझाव महासभा के अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमरा राम चोयल द्वारा दिया गया था। आजकल खेल से किसी भी देश की प्रतिष्ठा जुड़ी हुई है और इस ज्वलंत मुद्दे पर और ध्यान केंद्रित करने के लिए महासभा के द्वारा एक खेल प्रकोष्ठ की स्थापना की जाए। इस विषय पर भी बड़ी गंभीरता से विचार विमर्श किया जायेगा और इसके सकारात्मक परिणाम शीघ्र ही समाज के सामने आयेंगे। आजकल जिस प्रकार से लड़के और लड़कियां खेलों में आगे आ रहें हैं उनको प्रोत्साहित करने के लिए एक खेल प्रकोष्ठ की स्थापना करना जरूरी है और इस बारे में शीघ्र ही निर्णय लिया जायेगा।

आपने पढ़ा होगा कि पिछले महीने सितम्बर की जांगिड पत्रिका में प्रकाशित हुआ है कि भिवानी जिले के एक छोटे से गांव झोझू कलां की रहने वाली एक 14 साल की बेटी रजनीता पर जांगिड ने 3 अगस्त को बेहरीन अरब देश में हुए एशियन कुश्ती चौंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है। इसके पिता अपनी बेटी की जरूरतों को पूरा करने के लिए गांव में एक छोटी सी किरयाने की दुकान चलाते हैं । ऐसे बच्चों को वित्तीय सहायता की सख्त जरूरत है ताकि वह प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ सकें।

इस बैठक के आयोजकों का भी मैं आभार व्यक्त करना नहीं भूल सकता हूं। जिन्होंने बैठक के सुचारू संचालन के लिए विदेशों जैसी व्यापक और सुन्दर तथा मनमोहक व्यवस्था की हुई थी। इसके लिए महासभा के पूर्व महामंत्री और महाराष्ट्र में प्रदेश सभा के संस्थापक अध्यक्ष मोहन लाल दायमा और महाराष्ट्र के प्रदेशाध्यक्ष रोहिताश जांगिड और जिला अध्यक्ष विनोद कुमार जांगिड और महाराष्ट्र प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती रेशमा महेश जांगिड के साथ साथ युवा प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी का भी आभार प्रकट करता हूं और उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करता हूं, इसके साथ ही मुझे त्रैंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करने का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ और भगवान शिव का आशीर्वाद मिला जो भविष्य में सकारात्मक बदलाव लेकर आने में मेरी ताकत बनकर बनेगा हम सभी मिलकर एक नए समाज का निर्माण करेंगे।

इसके साथ ही मैं असत्य पर सत्य की विजय और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक के साथ साथ कुत्सित मानसिकता पर भी विजय हासिल करने का प्रतीक दशहरा की बधाई देता हूं और हम इस अवसर पर अंहकार और प्रतिशोध जैसी भावनाओं का दमन करके ही जीवन में सफलता हासिल कर सकते हैं। इसी प्रकार 25 अक्टूबर को मनाई जाने वाली इसी प्रकार 24 और 25 अक्टूबर को मनाई जाने वाली दीपावली और गौवर्धन पूजा और कुछ प्रदेशों में 26 अक्तूबर को मनाया जाने वाला भगवान विश्वकर्मा नमन दिवस के अवसर पर भी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

मैं आशा ही नहीं अपितु उम्मीद रखता हूं कि आपका असीम प्रेम और आत्मीयता भरा सहयोग और आशीर्वाद भविष्य में भी इसी प्रकार से मिलता रहेगा। इसी लिए कहा गया है कि एक और एक मिलकर 11 होते हैं और फिर उनकी ताकत का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है और तभी हम अपने पूर्वजों के सपनों को साकार कर सकेंगे। इसके साथ ही मेरा सभी प्रदेशाध्यक्षों से अनुरोध है कि 27 दिसंबर को महासभा का स्थापना दिवस है और इसे गरिमापूर्ण तरीके से मनाने के लिए अभी से एक रुप रेखा तैयार करें ताकि महासभा के प्रति लोगों का आकर्षक और बढ़े।

धन्यवाद

नासिक महाराष्ट्र में 2 अक्टूबर को हुई महासभा की दूसरी बैठक समाज में एकता का शंखनाद करने में सफल रही

नासिक की पावन भूमि पर श्री स्वामीनारायण मंदिर के विशाल प्रांगण में अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली की कार्यकारिणी की द्वितीय त्रैमासिक ऐतिहासिक मीटिंग का शानदार आयोजन श्री जांगिड ब्राह्मण समाज सेवा समिति नाशिक की मेजबानी में 2 अक्टूबर 2022 को बड़े हर्षोल्लास और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। सर्वप्रथम मंदिर के विशाल प्रांगण में झंडारोहण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा एवं समाज के अन्य गणमान्य अतिथियों के कर कमलों से संपन्न हुआ।

तदोपरांत स्थानीय मेजबान श्री जांगिड ब्राह्मण समाज सेवा समिति नाशिक द्वारा सर्व समाज कल्याण के लिए एक नई एंबुलेंस नाशिक के एक चौरिटेबल संस्थान को भेंट की गई जिसका विधिवत रूप से फित्ता काटकर उसकी चाबी प्रधान रामपाल शर्मा द्वारा संबंधित संस्थान को समाज कल्याण के लिए सौंप दी गई। इसके बाद आयोजन समिति के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं द्वारा सभी अतिथियों का समारोह स्थल के बैंकट हॉल में प्रवेश द्वार पर हिंदू संस्कृति के अनुसार तिलकार्चन व गुलाब का पुष्प भेंट कर तथा दुपट्टा पहना कर हार्दिक स्वागत किया गया। लगभग 1000 अतिथियों के बैठने की क्षमता वाले शानदार हॉल में उपस्थिति शत प्रतिशत थी जिससे समारोह की भव्यता में चार चांद लग गए।

समारोह में सर्वप्रथम सम्माननीय विशिष्ट अतिथियों को मंचासीन कराया गया जिनमें मुख्यत: समारोह के अध्यक्ष प्रधान रामपाल शर्मा, पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला, अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमराराम जांगिड , महासभा के मुख्य सलाहकार श्रीगोपाल चोयल, कार्यकारी प्रधान लादूराम जांगिड, महासभा के महामंत्री सांवर मल जांगिड, मुख्य चुनाव अधिकारी देवमणि शर्मा, युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राहुल शर्मा, सह कोषाध्यक्ष गजेन्द्र जांगिड, महाराष्ट्र प्रदेश प्रभारी किशन लाल जांगिड तथा उपस्थित प्रदेशाध्यक्ष प्रभूदयाल बरनेला- मध्य प्रदेश, संजय हर्षवाल, राजस्थान, सुशील शर्मा पश्चिम बंगाल, रोहिताशजांगिड, महाराष्ट्र, सतीश जांगिड, - छतीसगढ़, मोहन लाल जांगिड गुजरात, महासचिव हरियाणा सभा वीरेन्द्र जांगिड सहित महासभा में उच्च स्तरीय कमेटी व कोर कमेटी के सभी सम्माननीय सदस्य साहिबान, महाराष्ट्र महिला प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती रेशमा महेश जांगिड एवं आयोजन समिति के अध्यक्ष मोहनलाल दायमा तथा सहित अनेक पदाधिकारियों ने मंच की शोभा बढ़ाई। अतिथियों को मंचासीन कराने के पश्चात मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा भगवान श्री विश्वकर्मा के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर सामूहिक संगीतमय आरती की गई जिसकी छटा बड़ी ही मनोहारी और देखने योग्य थी। समारोह की विधिवत शुरुआत होने के पश्चात सनातन संस्कृति के अनुसार मंचासीन सभी सम्माननीय अतिथियों का नासिक जिलाध्यक्ष श्री विनोद जी जांगिड व जिला सभा तथा स्थानीय समिति के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा माल्यार्पण कर हार्दिक अभिनंदन किया गया तथा देश भर से पधारे हुए सभी अतिथियों का भी उनके स्थान पर ही स्थानीय समिति के कार्यकर्ताओं विशेष कर युवा कार्यकर्ताओं द्वारा विश्वकर्मा जी का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया।

स्थानीय समाज के छोटे -छोटे बच्चों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। उसके बाद अपने स्वागत भाषण

में आयोजन समिति के मुखिया मोहन लाल दायमा द्वारा नाशिक पधारे हुए सभी सम्मानीय अतिथियों एवं महासभा कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों एवं स्थानीय समाज बंधुओं सहित उपस्थित मातृशक्ति एवं युवाओं का हार्दिक स्वागत अभिनंदन किया गया। अपना उद्‌बोधन देते हुए दायमा ने कहा कि नाशिक की पावन पुण्य धरती पर आज महासभा की मीटिंग का आयोजन होना हमारे लिए बहुत गौरव की बात है और हम चाहते हैं कि भगवान श्री राम की तपोस्थली नाशिक में आज महासभा की कार्यकारिणी द्वारा लिए गए समाज कल्याण के निर्णयों को उपस्थित सभी पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में जाकर प्रचारित कर समाज व महासभा के निरंतर विकास की कड़ी में महत्वपूर्ण सकारात्मक रोल अदा करें।

सर्वप्रथम महासभा महामंत्री सांवरमल जांगिड द्वारा कार्यकारिणी की मीटिंग की औपचारिक शुरुआत करते हुए मीटिंग में पधारे सभी महासभा पदाधिकारियों व समाज बन्धुओं का स्वागत किया उसके उपरांत पिछले 9 महीनों के दौरान महासभा द्वारा प्राप्त व खर्च किये गये आय एवं व्यय का विवरण सदन में प्रस्तुत कर उपस्थित सदन से अनुमोदन करवाया । इसके बाद उन्होंने आज की मीटिंग के आगे का एजेंडा भी उपस्थित कार्यकारिणी पदाधिकारियों के समक्ष रखा और सभी से अपने अपने विचार भी आमंत्रित करते हुए कहा कि हम सबको मिलजुल कर सामूहिक प्रयास से समाज कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों में महासभा का सहयोग करना है और अपने सुझावों से एक नई राह समाज के लिए चुनने में महत्वपूर्ण रोल भी अदा करना है।

1. मीटिंग के प्रथम बिंदु के तहत 26 जून को मेरठ में संपन्न हुई प्रथम त्रैमासिक मीटिंग के मिनिट्स व महासभा की कोर कमेटी द्वारा दिनांक 28/07/2022 तथा 10/09/2022 को लिए गये निर्णयों का वाचन कर सदन को अवगत करवाया गया और सदन द्वारा तालियां बजाकर उस त्रैमासिक मीटिंग में लिए गए निर्णयों का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया।

2. <u>महासभा भवन एवं सती मठ छात्रावास का संपूर्ण कार्य करवाए जाने के लिए कांट्रेक्टर या कोई एजेंसी फाइनल करना:-</u>

इस बिंदु पर चर्चा शुरू करते हुए कार्यवाहक प्रधान व मुंडका भवन निर्माण कमेटी के अध्यक्ष लादूराम जांगिड ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है कि मुण्डका में निर्माणाधीन भवन शीघ्रातिशीघ्र तैयार हो ताकि इसका लाभ देश के कोने-कोने से आने वाले विधार्थियों को मिल सके क्योंकि महासभा भवन का सिविल वर्क ऑलमोस्ट पूरा हो गया है और अब फिनिशिग का कार्य ही बाकी है साथ ही उन्होंने कहा कि इस बात के हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं कि सतीमठ में छात्रावास का निर्माण जल्दी से जल्दी पूरा करके इस वर्ष के अन्त तक इसे शुरू कर दिया जायेगा ताकि इसका लाभ देश के कोने कोने से आने वाले प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले प्रतिभावान युवाओं को इसका भरपूर लाभ मिलना शुरू हो जायेगा। इन दोनों भवनों के शेष कार्यो के लिए हम चाहते हैं कि कोई अच्छी एजेंसी या कांट्रेक्टर आप सबकी सहमति और जानकारी में रखकर फाइनल किया जाए ताकि इस भवन में आगे का कार्य करवाया जा सके। जिससे महासभा भवन एवं सतीमठ छात्रावास दोनों को इस वर्ष के अंत तक समाज को समर्पित करने के अपने वायदे पर खरा उतर सकें। उन्होंने कहा कि इस बारे में कोई भी बंधु अपने सुझाव दे सकता है जिस पर उपस्थित सदन ने सर्व सम्मति से प्रधान जी की सहमती से निर्माण कमेटी को ही नया कॉन्ट्रैक्टर नियुक्त करने के लिए अधिकृत किया गया।

3. <u>अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल बांकनेर को क्रमोन्नत करवाना :-</u>

इस विषय पर चर्चा की शुरुआत करते हुए महामंत्री ने बताया कि बांकनेर में महासभा का अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल काफी वर्षो से कार्य कर रहा है और अभी मिडिल स्तर तक ही वहां पर शैक्षणिक कार्य चलता है और आगे बच्चों को फिर दूसरी जगह जाना पड़ता है ।इस वजह से अभिभावक भी अपने स्कूल से जुड़ने में सकुचाते हैं। अत: अब हमें समय के अनुसार इसको माध्यमिक स्तर या वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल तक क्रमोन्नत भी करवाना चाहिए और नई नई टेक्नोलॉजी के अनुसार विद्यालय को भी आगे बढ़ाना चाहिए। जिससे ज्यादा से ज्यादा संख्या में बच्चे यहां पर शिक्षा ग्रहण कर सकें। इसके लिए एक कमेटी का गठन कर इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। उपस्थित सदन ने सर्व सम्मति से प्रधान जी की अध्यक्षता में गठित कमेटी को स्कूल के विकास व इसका दर्ज़ा बढ़ाने का कार्य करवाने के अधिकृत करते हुए भगवान श्री विश्वकर्मा जी के जयघोष के साथ अनुमोदित किया गया।

4. <u>प्रदेश सभा हरियाणा, गोवा, तेलंगाना, तमिलनाडू व पंजाब के प्रदेश अध्यक्ष पद के निर्वाचन की अधिसूचना जारी करना :-</u>

महामंत्री सांवरमल जांगिड ने इस बिंदु पर प्रकाश डालते हुए सदन को अवगत करवाया कि उपरोक्त सभी प्रदेशों में प्रदेश अध्यक्षों का कार्यकाल पूरा हो चुका है और अब सभी प्रदेशों में नए प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव करवाना अनिवार्य है जिसके लिए प्रत्येक प्रदेश का मुख्य चुनाव प्रभारी नियुक्त करना व उनकी अधिसूचना जारी करना एवं चुनाव प्रणाली को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने के लिए प्रधान रामपाल शर्मा की अध्यक्षता में एक तीन सदस्यीय चुनाव मण्डल गठन करने का सुझाव दिया गया जिसके लिए आप सबकी सहमति अपेक्षित है। जिसे सदन में उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने हाथ उठाकर करतल ध्वनी के साथ अपनी सहमति व्यक्त की।

5. <u>महासभा के प्रधान एवं महामंत्री के वित्तीय अधिकारों में वृद्धि करना:-</u>

इस बिंदु पर महामंत्री ने बोलते हुए कहा कि महासभा के संविधान में महासभा के प्रधान एवं महामंत्री के वित्तीय अधिकारों का उल्लेख है। लेकिन आज के परिप्रेक्ष्य में वह काफी कम व पर्याप्त नही हैं जिससे महासभा को कई तरह के कार्य करने में समय-समय पर काफी असुविधाओं का सामना करना पड़ता हैं। आज इस कार्यकारिणी मीटिंग में प्रधान जी के वित्तीय अधिकार क्षेत्र की राशि एवं महामंत्री के वित्तीय अधिकारों में एक उपयुक्त राशि की वृद्धि करने के लिए यह प्रस्ताव पेश करना चाहता हूं इसमें आप लोगों के विचार, आप की सहमति एवं आप लोगों की राय अति महत्वपूर्ण रहेगी, जिससे महासभा के रोजमर्रा के कार्यो का निष्पादन व सफल संचालन किया जा सके ।

इस पर चर्चा में भाग लेते हुए महाराष्ट्र के प्रदेशाध्यक्ष रोहिताश जांगिड द्वारा एक सुझाव सदन के सामने पेश किया गया कि महासभा के कार्यो के सफल निष्पादन के लिए आज के समय के अनुसार प्रधान जी के अधिकार क्षेत्र में एक लाख रुपए की राशि और महामंत्री के अधिकार क्षेत्र में 50 हजार रुपए की राशि होनी चाहिए। जिससे कार्य सुचारू रूप से संभव हो पाएगा इसी तरह प्रदेश अध्यक्ष को भी 50 हजार रुपए और प्रदेश महामंत्री को 25 हजार रुपए की राशि के लिए अनुमोदन करना चाहिए। जिसकी उपस्थित पदाधिकारियों और सभी मंचस्थ अतिथियों ने भी सहमति प्रदान करते हुए अपना अनुमोदन किया ।

6. <u>नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्षों का परिचय, स्वागत तथा प्रदेश अध्यक्षों की त्रैमासिक प्रगति रिपोर्ट प्राप्त करना:-</u>

1. इस विषय पर बोलते हुए महामंत्री ने कहा कि सदन में छतीसगढ़ प्रदेश के नवनिर्वाचित प्रदेश

अध्यक्ष सतीश कुमार जांगिड का स्वागत करते हुए उपस्थित सदन से उनका परिचय करवाया तथा उन्होंने अपने उदबोधन में कहा कि उन्होंने दो लक्ष्य निर्धारित किए हैं और इसके अनुसार जो अल्पायु में विधवा हो गई हैं उनका पुनर्विवाह करना और दूसरा बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए एक कोष की स्थापना करना है।

2. राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष संजय हर्ष वाल ने अपने राज्य की प्रगति रिपोर्ट पेश करते हुए प्रदेश सभा राजस्थान द्वारा चलाए जा रहे समाज कल्याण के विभिन्न अभियानों के बारे में बताया और कहा कि प्रदेश सभा राजस्थान निरंतर समाज कल्याण के कार्यों को आगे बढ़ा रही है और समाज से उन्होंने तन मन धन के सहयोग की अपील करते हुए कहा कि हम आपके सहयोग से ही इन कार्यो को अच्छी तरह से निष्पादित कर सकेंगे अत: आपका सहयोग सदैव हमें मिलता रहे उन्होंने कहा कि प्रदेश सभा ने एक महत्वाकांक्षी योजना लागू की है और इसमें 15 अगस्त को क्यू आर कोड जारी किया गया था और इस योजना के अन्तर्गत अब तक 66 हजार रुपए की राशि जमा हो चुकी है। इसमें 10 रुपए से लेकर कितनी भी राशि जमा करवा सकते हैं । इसके अतिरिक्त 37 विधवाओं को 1000 रुपए प्रति महीने की दर से पैंशन दी जा रही है। इतना ही नहीं स्कूल और कॉलेज की 100 प्रतिशत फीस अदायगी के अन्तर्गत 30 सितंबर 2022 तक 1 लाख 90 हजार रुपए की फीस की अदायगी सभा द्वारा की गई है।

उन्होंने कहा कि समाज के 92 साल के वरिष्ठ नागरिक और 90 वर्ष की समाज की महिला को श्रवण बन कर तीर्थ यात्रा करवाई गई जिस पर 3 लाख 84 हजार रुपए खर्च किए गए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जयपुर के सामाजिक कार्यक्रम में एक लाख लोगों को इक्कठा करके यह दिखा देंगे कि अब समाज जाग गया है और इस तरह से कांग्रेस और भाजपा पाटएँ से 6-6 सीटों की दावेदारी की जायेगी।

3. महाराष्ट्र के प्रदेश अध्यक्ष रोहिताश जांगिड ने कहा कि प्रदेश में समाज के युवाओं को शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से एक शिक्षण समिति का गठन किया गया है और इसका रजिस्ट्रेशन कराया जा रहा है और इसके माध्यम से छात्रावास और जांगिड समाज के प्रदेश भवन का नागपुर में निर्माण करवाया जायेगा। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में 18 जिलों के चुनाव सर्वसम्मति से और निर्विरोध हुए हैं।

4. मध्य प्रदेश के प्रदेशाध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला ने कहा कि मध्यप्रदेश में सभी जिला अध्यक्षों के चुनाव सर्वसम्मति से करवाए गए हैं और जांगिड समाज को मध्य प्रदेश में पिछड़ा वर्ग में शामिल करवाने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं, और जल्द ही हमें सफलता मिलेगी क्योंकि उन्होंने कहा कि इस बारे में एक प्रतिनिधिमंडल ने विगत दिनों महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सामाजिक एवं अधिकारिता विभाग के शासन सचिव को एक ज्ञापन सौंपा था और इसके अलावा पिछड़े वर्ग आयोग के सदस्य से भी मुलाकात करके इस मामले की ठोस पैरवी की थी। साथ ही उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में भी प्रदेश सभा के द्वारा किए जा रहे रचनात्मक प्रयासों के बारे में सदन को अवगत कराया।

5. हरियाणा के प्रदेश सभा महामंत्री वीरेंद्र जांगिड ने हरियाणा के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि प्रदेश सभा हरियाणा निरंतर समाज कल्याण कार्यो को आगे बढ़ा रही है और महासभा द्वारा जारी सभी नीतियों को समाज में लागू करने में रचनात्मक पहल के साथ आगे बढ़ रही है । उन्होंने कहा कि अगर हम सब यदि मिल जुल कर एक दूसरे का सहयोग कर समाज कल्याण कार्यो को आगे बढ़ाएंगे तो निश्चित रूप से महासभा के बैनर के नीचे हम समाज को असीम ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं उन्होंने कहा कि प्रधान रामपाल शर्मा की सोच बड़ी है और मिशन डेढ़ लाख को पूरा करने में हरियाणा पूरा योगदान देगा।

6. महाराष्ट्र प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती रेशमा महेश जांगिड ने महासभा में महिलाओं की

भागीदारी बढ़ाने के साथ साथ। लड़कियों की शादी के लिए महासभा द्वारा मैट्रीमोनियल साइट बनाने की मांग के साथ साथ अधिक से अधिक परिचय सम्मेलन आयोजित करवाने की मांग की गई और इस अवसर पर घुंघट और पर्दा प्रथा के खिलाफ एक लघु नाटिका का मंचन भी किया गया। जिसकी सभी ने भूरि भूरि प्रशंसा की।

7. <u>महासभा के समस्त पदाधिकारियों के लक्ष्य निर्धारित कर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करना:-</u>

महामंत्री ने इस विषय को आगे बढ़ाते हुए कहा कि आज की मीटिंग में, मैं समझता हूं कि यह एक बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है महासभा की अपनी विशालकाय कार्यकारिणी में लगभग 1100 से ज्यादा समाज के प्रबुद्ध जन पदाधिकारी हैं और महासभा के लिए यह बहुत सुनहरा मौका है यदि आप सभी लोग मिलकर एक निश्चित दिशा में सामूहिक रूप से कार्य करें तो महासभा समाज हित के कई कार्यों में बहुत अच्छे तरीके से आगे बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि प्रधान जी के निर्देशानुसार सभी पदाधिकारी अपने अपने क्षेत्र में महासभा के सर्वांगीण विकास व समाज हित के कल्याणकारी कार्यों को आगे बढ़ाने में यथासंभव कोशिश करें ।

महामंत्री ने आगे बताया कि महासभा द्वारा प्रत्येक पदाधिकारी के लिए एक कार्य क्षेत्र, उनके उत्तरदायित्व एवं उनकी जिम्मेदारी तय कर दी गई है जिसे समायाभाव के कारण आज वाचन या विस्तार से बताया जाना सम्भव नहीं हो सकेगा अत: पत्रिका के अगले अंक में प्रत्येक पदाधिकारी का कार्य क्षेत्र, उनके उत्तरदायित्व एवं उनकी जिम्मेदारी प्रकाशित कर दी जायेंगी। महासभा की सभी पदाधिकारियों से अपेक्षा रहेगी कि वह अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूर्ण लग्न एवं कर्तव्यनिष्ठा से कर महासभा व समाज के विकास में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान करेंगें।

8. <u>जांगिड ब्राह्मण समाज को अन्य पिछड़ा वर्ग की अनुसूची में शामिल करवाना:-</u>

इस बिंदु पर शुरुआत करते हुए महामंत्री ने कहा कि जैसा कि आप जानते हैं कि कई राज्यों जैसे राजस्थान, हरियाणा एवं दिल्ली में जांगिड ब्राह्मण समाज को अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल किया गया है और बाकि कई राज्यों में अभी तक भी यह मामला विचाराधीन है । इसके लिए सभी सम्बन्धित प्रदेश अध्यक्ष अपने अपने स्तर से स्थानीय मंत्रियों, राजनैतिक पार्टियों के नेताओं व प्रशासनिक सेवाओं के अधिकारियों से सहायता लेकर अविलम्ब कार्रवाई को अंजाम देने का प्रयास करें तथा महासभा से भी किसी भी तरह की सहायता की आवश्यकता हो तो लेकर इस कार्य को जल्दी से जल्दी अंजाम देना चाहिए। जिससे समाज के युवाओं को सरकारी नौकरियों एवं अन्य सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा फायदा समाज को मिल सके। इसके लिए सरकारी क्षेत्र से सेवानिवृत्त समाज के अधिकारी या कर्मचारी अपना भरपूर सहयोग करेंगे तो बहुत अच्छा परिणाम दे सकते हैं।

9. <u>अंतर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ, महिला एवं युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्षों के कार्य क्षेत्र तथा अधिकार सुनिश्चित करना:-</u>

आज इस मीटिंग में महासभा के तीन प्रकोष्ठो के अध्यक्षों के कार्य क्षेत्र एवं अधिकार के बारे में भी चर्चा हुई।

1. <u>पहला अंतर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ :-</u> इस बिंदु पर चर्चा में शुरुआत करते हुए प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमराराम जांगिड ने अपने उद्‌बोधन में प्रत्येक पहलु को छूते हुए विस्तार से समझाया कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महासभा को कैसे विस्तारित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा की सदस्यता बढ़ाते हुए महासभा द्वारा जारी समाज कल्याण कार्यों के बारे में विदेशों में रहने

वाले सभी समाज बंधुओं तक सुव्यवस्थित तरीके से महासभा को पहुंचाएं और विदेश में रहने वाले सभी समाज बंधुओं को किसी भी तरह की विपत्ति में सहयोग कर महासभा को जनप्रिय बनाएं। जहां पर ज्यादा संख्या में समाज बंधु रहते हैं उस देश में भी महासभा की अंतर्राष्ट्रीय शाखा का गठन किया जाए तो समाज के लिए बहुत फायदेमंद हो सकता है। इस दिशा में दुबई में उनके द्वारा किए जा रहे समाज हित के कार्यों की सभी ने मुक्त कंठ से प्रशंसा भी की।

अमराराम जांगिड ने कहा कि खेल के क्षेत्र में भी युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन की जरूरत है और महासभा की प्रत्येक इकाई को इस पर गौर करना चाहिए। उन्होंने घोषणा की कि यदि समाज की टीमें क्रिकेट की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता आयोजित करे तो फाइनल मैच को दुबई का जांगिड समाज स्पॉन्सर करेगा और युवाओं को उत्साहवर्धन करने में सहयोग करेगा। जिसकी पूरे सदन ने करतल ध्वनि से प्रशंसा की।

2. <u>दूसरा महिला प्रकोष्ठ :-</u> महामंत्री ने महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष से भी अपेक्षा जाहिर की कि महिला शक्ति को सामाजिक संगठन में भागीदारी बढ़ाने की नितांत आवश्यकता है। जिसके बगैर कोई भी समाज आगे नहीं बढ़ सकता है और जहां तक हम समझते हैं कि यह एक बहुत बड़ी कमी इस समाज में है । मैं चाहूंगा कि महिला प्रदेश अध्यक्ष और जिला स्तर पर महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाते हुए आगे तक महिलाओं को समाज संगठन से जोड़ने की धरातल पर कोशिश करें और प्रत्येक त्रैमासिक रिपोर्ट में पूरे भारतवर्ष में कितनी महिलाओं को पदाधिकारी बनाकर उनकी उपस्थिति सुनिश्चित की गई है इसके बारे में एक रिपोर्ट पेश करें तो शायद बहुत अच्छा रिजल्ट महासभा के प्रयासों का आ सकता है।

इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ जिला सभा नासिक द्वारा एक लघु नाटिका द्वारा महिलाओं के प्रति समाज में व्याप्त अनेक पाबंदियों पर कड़ा प्रहार कर महिलाओं को समानता के अधिकारों की पैरवी शानदार ढंग से कर इस लघु नाटिका ने सबका दिल जीत लिया।

3. <u>तीसरा युवा प्रकोष्ठ :-</u> महामंत्री ने कहा कि युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष से भी महासभा उम्मीद करती है कि वह महासभा की प्रत्येक इकाई में युवाओं को ज्यादा से ज्यादा भागीदारी के लिए प्रेरित करें और जिस समय भी समाज को आवश्यकता हो तो ऐसी प्रेरणा मिले कि युवा उन सभी कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लें और अपनी उर्जा को समाज सेवा में समर्पित करते हुए महासभा के संगठन को बहुत तेजी से आगे बढ़ाएं। आज के नासिक समारोह में युवाओं की सक्रियता देखकर उपस्थित समस्त सदन व सम्मानित मंच ने उनकी प्रशंसा करते हुए कहा कि पूरे देश में युवाओं को इनकी टीम से प्रेरणा लेनी चाहिए जिससे समाज आगे बढ़ सकता है।

10. <u>महासभा वेबसाइट को अपडेट करवानाः-</u>

महामंत्री सांवरमल जांगिड ने इस बिंदु पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बंधुओं आज डिजिटलाइजेशन का जमाना है और अपनी महासभा भी डिजिटली हम सबसे जुड़ी हुई है और समाज को बेहतर सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। परंतु पिछले कुछ अनुभव बताते हैं कि इसकी कार्यप्रणाली उस सक्षम एवं उत्तम तरीके से नहीं हो पा रही है जैसी कि इतने बड़े संगठन के होनी चाहिए अतः इस पर भी अपने को पुनर्विचार करने की आवश्यकता है कि कोई ऐसी एर्जेसी जो इस कार्य को सुचारू रूप से कर सके और पूर्णतया सक्षम हो उसके बारे में चर्चा करके दोबारा सोचे तो समाज हित में यह महत्वपूर्ण फैसला होगा। इस पर सदन द्वारा सर्वसम्मति से महामंत्री को ही उपयुक्त कदम उठाने के लिए अधिंत किया गया।

11. <u>प्रतिवर्ष 27 दिसंबर को महासभा स्थापना दिवस मनानाः-</u>

<u>इस बिंदु पर महासभा महामंत्री ने अपने विचार रखते हुए कहा कि अपनी मातृ संस्था अखिल</u>

भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का गठन 27 दिसंबर को फाइनल हुआ था और यह क्षण अपने समाज के लिए बहुत महत्वपूर्ण क्षण हैं। हम चाहते हैं कि प्रत्येक समाज बंधु इस दिन को एक उत्सव के रूप में मनाए हम सब अपने अपने संस्थानों में महासभा स्थापना दिवस मिलजुल कर और कई तरह के सामाजिक व सांसेंतिक प्रोग्राम करके यदि मनायेंगे तो समाज में बहुत अच्छा संदेश जाएगा और महासभा को आगे बढ़ने में भी बहुत बड़ा फायदा होगा। अपनी आने वाली पीढ़ियों को भी महासभा के प्रति लगाव पैदा होगा। अपने को इस विषय पर सोच विचार करके जैसे विश्वकर्मा जयंती और विश्वकर्मा पूजा दिवस धूमधाम से मनाते हैं उसी तरह महासभा स्थापना दिवस भी प्रत्येक साल 27 दिसंबर को मना कर महासभा को आगे बढ़ाने का हर संभव कार्य करना चाहिए।

महासभा स्थापना दिवस मनाने के सम्बन्ध में महासभा के मुख्य सलाहकार श्रीगोपाल चोयल ने कहा कि 27 दिसंबर को महासभा का स्थापना दिवस है। इस स्थापना दिवस को एक उत्सव के रूप में मनाएं क्योंकि यह हमारी महासभा रुपी मां का जन्म दिवस यानी स्थापना दिवस है। महासभा 115 वर्ष पुरानी है और यह अपने आप में एक गौरवशाली इतिहास समाहित किए हुए है। यह महासभा देश की गिनी चुनी पुरानी महासभाओं में शामिल है और यह हमारे समाज की उन महान विभूतियों की सार्थक सोच का परिणाम है कि जिसे आज यह महासभा आगे बढ़ाने का काम कर रही है। उन्होंने सभी उपस्थित महानुभावों से अनुरोध किया कि महासभा का स्थापना दिवस समारोह मनाने के बारे में एक कार्ययोजना तैयार करें और फिर उसे अमली जामा पहनाने के लिए उस पर अभी से कार्य करना शुरू करें और समाज के लोगों के साथ मिलकर सेवा का एक कार्य अवश्य ही करना है चाहे वह विधवा पेंशन देने की बात हो,चाहे गरीब बच्चों को शिक्षित करने और छात्रवृत्ति देने या समाज के गरीब परिवार की सहायता करने की बात हो सब मिलकर यह कार्य करने का संकल्प लें। उन्होंने याद दिलाया कि महासभा की सारे देश में 160 जिला इकाइयां और लगभग 860 तहसील और शाखा इकाइयां हैं और इस तरह से इस दिन प्रत्येक इकाई कम से कम समाज हित में एक भी कार्य करती है तभी हमारा स्थापना दिवस मनाना सार्थक होगा।

कार्यकारिणी की बैठक को सम्बोधित करते हुए महासभा के अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमरा राम जांगिड ने कहा कि आज समाज में जागृति अवश्य आई है लेकिन जब तक यह समाज आपस में कदम से कदम मिलाकर नहीं चलेगा तब तक वांछित लक्ष्य हासिल होना दुष्कर कार्य है और आज जागने का समय आ गया है। समाज की प्रगति के लिए राजनैतिक ताकत के जरूरी है इसी लिए आज समाज के अधिकारी खुलकर आगे आने से गुरेज करते हैं क्योंकि उनके सिर पर किसी सांसद, विधायक या मंत्री का हाथ नहीं है । राजनैतिक ताकत के अभाव में समाज के लोगों पर जो अत्याचार हो रहे हैं और समाज की बहु- बेटियों को जिस हेय दृष्टि से देखा जाता है उसका भी हम भली भांति जबाब दे पायेंगे। उन्होंने खेलों को बढ़ावा देने के लिए एक खेल प्रकोष्ठ बनाने का भी सुझाव दिया ताकि उदीयमान खिलाड़ियों को प्रोत्साहन दिया जा सके और इस प्रार्थना को प्रधान रामपाल शर्मा ने सहर्ष स्वीकार कर लिया। इसके अतिरिक्त इस भारत माता की मिट्टी में खेला हुआ चाहे वह मंत्री हो सांसद हो, विधायक हो, अधिकारी हो, अभिनेता हो या खिलाड़ी या समाज का आम आदमी उनकी आवाभगत दुबई में आने पर उन्मुक्त भाव से पलक पांवड़े बिछाकर की जाती है।

महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला ने महिलाओं के अधिकारों की जोरदार वकालत करते हुए कहा कि कहा कि महिलाओं को अपने अधिकार इतनी आसानी से और प्यार से नहीं मिलेंगे । इसके लिए महिलाओं को लड़ना होगा और संघर्ष करना होगा और कोई भी चीज संघर्ष के पश्चात् ही मिलती है और

संघर्ष के उपरांत जो भी चीज मिलती है उसका आनंद अदभूत होता है। उन्होंने आह्वान किया कि अगर आप सिद्धान्तों के लिए संघर्ष करेंगी तो वह सदैव उनके साथ खड़े रहेंगे। उन्होंने मुण्डका भवन, जो उनकी दूरगामी सोच का परिणाम है कि उसको शीघ्रातिशीघ्र पूरा करने का मंत्र देते हुए कहा कि प्रधान रामपाल शर्मा ने प्रदेश अध्यक्षों सहित सभी अध्यक्षों को निर्देश दिए हैं कि वह महासभा के कम से कम 50 ही क्यों वह उससे भी अधिक 100 सदस्य बनाए ताकि अगली त्रैमासिक बैठक तक महासभा के लगभग 10 हजार सदस्य बनाए जा सकें और इससे न केवल भवन बनाने का रास्ता प्रशस्त होगा अपितु महासभा की वित्तीय स्थिति भी सुदृढ़ होगी उन्होंने महाराष्ट्र के भीष्म पितामह मोहन लाल दायमा का शाल और पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया और उनकी दीर्घायु की मनोकामना भी की।

अंत में नासिक की पुण्य धरा पर अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा की कार्यकारिणी की द्वितीय बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कुछ महत्वपूर्ण विषयों पर अपने उद्‌गार निम्न तरह से व्यक्त किए:-

1. उन्होंने कहा कि समाज के प्रति समर्पित और समर्पण की भावना को नमन करते हुए महाराष्ट्र प्रदेश सभा के संस्थापक अध्यक्ष और महासभा के पूर्व महामंत्री मोहन लाल दायमा की सन् 1978 से महाराष्ट्र में उनकी समाज के प्रति निस्वार्थ सेवा को देखते हुए उन्हें महासभा द्वारा आगामी मीटिंग में जांगिड रत्न से सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है। जिससे समाज के अन्य कार्यकर्ताओं का हौसला भी बढ़ेगा।

2. समाज में महिलाओं की भागेदारी बढ़ाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में महासभा के संविधान के अनुसार महासभा कार्यकारिणी में महिलाओं और युवाओं की भागेदारी न्यूनतम 10 प्रतिशत निर्धारित है और जिस प्रकार से महिलाएं आज प्रत्येक क्षेत्र में आगे आ रही हैं उसको ध्यान में रखते हुए ही अधिक प्रतिनिधित्व देने के उद्देश्य से उनकी सहभागिता को बढ़ाकर न्यूनतम 20 प्रतिशत तक किया जायेगा। उन्होंने महाराष्ट्र प्रदेश की महिलाओं की बड़ी संख्या में भागेदारी और विशेषकर महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती रेशमा महेश जांगिड की मुक्त कंठ से प्रशंसा भी की।

3. महासभा के प्रदेशाध्यक्ष और जिला सभाओं तहसील और शाखा सभाओं के चुनाव निर्विरोध सम्पन्न करवाने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि निर्विरोध चुनाव करवाने से निश्चित रूप से समाज में एकता बढ़ती है और इससे समाज में आपसी भाईचारा सौहार्द और सहयोग की भावना प्रबल होगी। उन्होंने चुनाव अधिकारी देवमणि शर्मा के इस सुझाव का समर्थन तो किया कि निर्विरोध चुनाव होने से महासभा को 10-15 हजार सदस्य बनने का नुक़सान तो अवश्य ही होगा, लेकिन इसके साथ ही निर्विरोध चुनाव करवाने से समय और धन की भी बचत होगी और आपसी गुटबाजी से छुटकारा मिलने के साथ ही आपसी सौहार्द भी बना रहेगा। उन्होंने अपने जिले अलवर का उदाहरण देते हुए कहा कि अलवर के चुनाव में इतनी अधिक आपसी कटुता होती थी और वहां का चुनाव राष्ट्रीय प्रधान और प्रदेशाध्यक्ष से भी दुष्कर होता था और अब की बार उसका समाधान निकाल कर अबकी बार जिला अध्यक्ष का चुनाव निर्विरोध सम्पन्न करवाकर आधे घंटे में इस समस्या का निराकरण कर दिया गया । उन्होंने सभी जिला अध्यक्षों के निर्विरोध चुनाव करवाने के लिए मध्यप्रदेश के प्रदेशाध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला और राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष संजय हर्षवाल को भी अधिकतर जिलों में निर्विरोध चुनाव करवाने के लिए बधाई भी दी।

4. अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के साथ साथ उन्हें उत्तम संस्कार देने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए देश की युवा पीढ़ी आजकल के बच्चों के उज्जवल भविष्य के बारे में अपनी चिंता व्यक्त करते हुए प्रधान रामपाल शर्मा ने अभिभावकों से अपील की कि वह अपने बच्चों को जहां तक संभव हो सके उन्हें

मोबाईल से दूर रखे ताकि वह रास्ता न भटकें और मोबाइल की बच्चों को बुरी आदत ना पड़ने पाए इसलिए इस प्रवृत्ति को रोकने के लिए ही उन्हें मोबाईल और टी वी से दूर ही रखें।

5. उन्होंने कहा कि मुण्डका में महासभा का जो भवन बन रहा है उसको शीघ्रातिशीघ्र तैयार करने के हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं ताकि वहां पर देश के समाज के प्रतिभावान और गरीब छात्रों को उच्च शिक्षा और आई ए एस और इससे सम्बंधित प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी करवा कर उन्हें जीवन में आगे बढ़ने का अवसर प्रदान किया जा सके। महासभा द्वारा प्रकाशित की जा रही जांगिड पत्रिका के सम्यक तरीके से संचालन के लिए मुण्डका में महासभा के भवन के दो फ्लोर किराए पर देने के बारे कार्यकारिणी द्वारा पहले ही स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है और इससे पत्रिका के प्रकाशन में भारी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि समाज का प्रतिबिंब और आईना जांगिड पत्रिका को अधिक से अधिक सदस्यों तक पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं और पत्रिका न मिलने पर आप मुझे सीधे फोन करने के अतिरिक्त महामंत्री सांवरमल जांगिड से भी सम्पर्क कर सकते हैं।

6. महासभा की सदस्य संख्या बढ़ाने के मिशन 1.50 लाख तक पहुंचाने के उद्देश्य का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस महायज्ञ में सभी ने अपनी यथा संभव आहूति डालनी है और जो सदस्य संख्या निर्धारित की गई है उसको पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी से पूरा करें। उन्होंने प्लेटिनम सदस्यों से विनम्र आग्रह किया कि वह अपने साथ एक और सदस्य को भी प्लेटिनम सदस्य बनाए। इस समय सभा में 75 प्लेटिनम सदस्य हैं। उच्च स्तरीय कमेटी के एक सदस्य को एक - एक गोल्ड सदस्य और कोर कमेटी के सदस्य को भी एक एक सदस्य बनाना चाहिए और इसी प्रकार उप प्रधान द्वारा 50, संगठन मंत्री और प्रचार मंत्री द्वारा भी महासभा के 35-25 सदस्य बनाने का आग्रह किया।

7. रामपाल शर्मा ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और देश के पूर्व प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री को उनके जन्मदिन के अवसर पर अपने भावभीने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया। उन्होंने महाराष्ट्र के 75 वर्ष की आयु के अधिक वरिष्ठ नागरिकों को देश की आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव के अवसर पर सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र की पुण्य धरा नासिक में बड़ा ही गरिमापूर्ण तरीके से कार्यकारिणी की बैठक के आयोजन के लिए महाराष्ट्र प्रदेश के पूर्व प्रधान और भीष्म पितामह मोहन लाल दायमा और जिला प्रधान विनोद जांगिड के साथ-साथ युवा प्रकोष्ठ के सदस्यों के साथ साथ तमिलनाडु के पूर्व पुलिस महानिदेशक सांगाराम जांगिड को भी सम्मानित किया।

आखिर में महामंत्री सांवरमल जांगिड ने इस बैठक में देश के कौने कौने से आए प्रदेशाध्यक्षों और विशिष्ट अतिथियों व कार्यकारिणी के सभी सदस्यों का इस महत्वपूर्ण बैठक में भाग लेने के लिए का महासभा की और से हार्दिक आभार, स्वागत और अभिनन्दन करते हुए कहा कि आज प्रतिस्पर्धा के इस युग में समाज द्वारा धर्मशाला और समाज के भवन तो बनाए हुए हैं और अब समाज के गरीब और प्रतिभावान छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए छात्रावास निर्माण करने के साथ साथ गरीब बच्चों को छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत लाभान्वित करने के लिए कदम उठाए जाने की महत्ती आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने कहा कि यह बैठक समाज में एकता का साकारात्मक संदेश देने में सफल रही है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से नाशिक जिला सभा ने बेहतरीन इंतजाम करके सभी का दिल जीत लिया है । उसके लिए जिला अध्यक्ष विनोद जांगिड, महाराष्ट्र समाज के भीष्म पितामह मोहन लाल दायमा, महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती रेशमा महेश जांगिड और स्थानीय समिति के सभी पदाधिकारी गण व नासिक की सम्पूर्ण युवा टीम के सदस्य विशेष तौर से बधाई के पात्र हैं।

महामंत्री, सांवरमल जांगिड

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली के अंतर्गत प्रदेशसभा हरियाणा, पंजाब, गोवा, तेलगांना एवं तमिलनाडु के प्रदेशाध्यक्ष पद के चुनाव हेतु -

चुनाव - अधिसूचना

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली की 02 अक्टुबर 2022 को नासिक में सम्पन्न हुयी कार्यकारिणी की मीटिंग में पारित प्रस्ताव के अनुसार हरियाणा, पंजाब, गोवा, तेलंगाना एवं तमिलनाडु प्रदेशसभा के ''प्रदेशाध्यक्ष''पद के चुनाव हेतु ''चुनाव अधिसूचना'' जारी करता हू एवं आगामी 3 वर्ष कार्यकाल (2023-2026) के लिये 15 जनवरी 2023 रविवार को चुनाव कराने की घोषणा करता हूं। चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न कराने हेतु चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति कर निम्नानुसार चुनाव कार्यक्रम जारी करता हूं।

महासभा संविधान एवं कार्यकारिणी की मीटिंगो में पारित नियमों के अनुसार प्रत्याशी होने का अधिकार उन्ही सम्माननीय सदस्यों को होगा जो सदस्यता की अंतिम दिनांक 15 नवम्बर 2022 मंगलवार को सांय 5 बजे तक महासभा के प्लेटिनम, स्वर्ण, रजत, विशेष सम्पोषक, सम्पोषक एवं पत्रिका सहित संरक्षक सदस्य होंगे। पत्रिका रहित सदस्यों को प्रत्याशी होने का अधिकार नहीं होगा। परन्तु उन्हें मत देने का अधिकार होगा।

::::चुनाव कार्यक्रम::::

प्रमुख दिनांक

- चुनाव दिनांक - 15 जनवरी 2023, रविवार
- सदस्यता की अंतिम दिनांक - 15 नवम्बर 2022, मंगलवार, सांय 5 बजे तक
- सदस्यता सूची का प्रकाशन दिनांक - 22 नवम्बर 2022,मंगलवार , सांय 5 बजे तक
- सदस्यता सूची में संशोधन की अंतिम दिनांक - 30 नवम्बर 2022, बुधवार, सांय 5 बजे तक
- संशोधित सूची के प्रकाशन की दिनांक - 08 दिसम्बर 2022, गुरूवार, सांय 5 बजे तक
- नामांकन प्रस्तुती दिनांक - 18 दिसम्बर 2022, रविवार

नामांकन प्रक्रिया

सभी राज्यों हेतु नामांकन प्रस्तुती दिनांक 18 दिसम्बर 2022, रविवार

- नामांकन प्रस्तुती – प्रातः 9 बजे से दोप. 1.30 बजे तक
- नामांकन पत्रों की जांच – दोप. 1.30 से 2.00 बजे तक
- प्रत्याशीयों की सूची का प्रकाशन – दोप. 2 से 2.30 बजे तक
- नाम वापसी – दोप. 2.30 से शाम 4.30 बजे तक
- प्रत्याशीयों की सूची (अंतिम सूची) – सांय 5 बजे
- मतदान (यदि आवश्यक हो) – दिनांक 15 जनवरी 2023, रविवार

नामांकन स्थल

क्र.	राज्य	नामांकन प्रस्तुती स्थल	नाम	पद	मो. नं.
1.	हरियाणा	कार्यालय अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा मुण्डका दिल्ली	श्री प्रवीण शर्मा श्री कैलाश शर्मा (साली वाले) श्री वसंत शर्मा (नेपाल)	मुख्य चुनाव प्रभारी चुनाव अधिकारी चुनाव अधिकारी	9300905141 9829062211 9680010591
2.	पंजाब	कार्यालय अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा मुण्डका दिल्ली	श्री ब्रम्हदेव शर्मा श्री महेशचन्द्र शर्मा	चुनाव अधिकारी सह. चुनाव अधिकारी	9783694225 9462006515
3.	गोवा	श्री विश्वकर्मा विठल कालिका उपासना धाम गांव पूना हाईवे कोतवाली,गोवा	श्री नरेश शर्मा श्री रवि जांगिड	चुनाव अधिकारी सह. चुनाव अधिकारी	9845092972 9845171821
4.	तेलगांना	सुचित्रा विश्वकर्मा भवन लक्ष्मी गुढ़ा, हैदराबाद	श्री मुकेश शर्मा श्री मनमोहन शर्मा	चुनाव अधिकारी सह. चुनाव अधिकारी	9845715000 9880735040
5.	तमिलनाडु	श्री जांगिड ब्राह्मण समाज विश्वकर्मा मंदिर नं. 01 गांधी नगर, मेन रोड, तिलगाडुपक्कम, चैन्नई	श्री विद्यासागर शर्मा श्री ईश्वर सिंह शर्मा	चुनाव अधिकारी सह. चुनाव अधिकारी	9910300480 9560386911

::विशेष::

उपरोक्तानुसार पांचों प्रदेशों के प्रदेशाध्यक्ष पद के चुनाव पारदर्शिता तथा निष्पक्षता से सम्पन्न कराने तथा समस्त व्यवस्थाएं पूर्ण करने हेतु महासभा महामंत्री श्री सांवरमल जांगिड एवं मुख्य चुनाव प्रभारी श्री प्रवीण शर्मा नोडल अधिकारी रहेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए

आवश्यक दिशा निर्देश, सूचना एवं नियम

1. नामांकन प्रस्तुति के समय प्रत्याशी सहित अधिकतम 7 व्यक्ति ही चुनाव अधिकारी के समक्ष उपस्थित हों ताकि नामांकन स्थल पर अमन व शान्ति बनी रहे तथा चुनाव कार्यों में कोई व्यवधान उत्पन्न न हो।
2. यदि दिनांक 18 दिसम्बर, 2022 को किसी भी प्रदेश के प्रत्याशियों के नामांकन पत्रों की जांच एवं नामांकन पत्र वापसी के पश्चात् केवल एक ही प्रत्याशी शेष रह जाता है तो उक्त प्रदेश के अध्यक्ष पद के लिए शेष रहे प्रत्याशी को निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित घोषित कर दिया जाएगा।
3. यदि आवश्यक हुआ तो चुनाव दिनांक 15 जनवरी, 2023, रविवार को प्रातः 09:00 बजे से सायं 05:00 बजे तक विभिन्न प्रदेशों के अलग अलग मतदान केन्द्रों पर अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली के संविधान की पालना करते हुए लोकतांत्रिक प्रक्रिया से गुप्त मतदान द्वारा सम्पन्न करवाए जाएंगे। मतदान केन्द्रों की सूची मतदान तिथि से 15 दिन पूर्व महासभा की वेबसाईट पर उपलब्ध करवा दी जाएगी। सूची प्रकाशन जांगिड ब्राह्मण पत्र में भी कर दिया जाएगा तथा महासभा कार्यालय में भी अवलोकनार्थ उपलब्ध रहेगी।
4. मतगणना दिनांक 15 जनवरी 2023 रविवार मतदान पश्चात् सांय 05:00 बजे उसी मतदान केन्द्र पर नियुक्त मतदान अधिकारियों द्वारा मतदान केन्द्र प्रभारी एवं मतदान एजेंटों की उपस्थिति में सम्पन्न करवाई जाएगी। मतदान अधिकारी को मतगणना परिणाम निश्चित प्रपत्र में भरकर महासभा कार्यालय में ईमेल / व्हाटसअप पर प्रेषित करना होगा।
5. प्राप्त मतों का संकलन कर चुनाव अधिकारी द्वारा दिनांक 15 जनवरी 2023 रात्रि को परिणाम घोषित किया जाएगा। यदि तकनीकी अथवा अन्य कारणों से चुनाव परिणाम प्राप्त करने में विलम्ब होता है तो निर्वाचित प्रत्याशी की घोषणा अगले दिन की जाएगी।
6. निर्वाचित प्रत्याशी को चुनाव अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र निर्वाचन घोषणा के समय शपथ ग्रहण करवा कर जारी कर दिया जाएगा। निर्वाचन प्रमाण पत्र के आधार पर निर्वाचित प्रत्याशी एक माह के अन्दर महासभा कार्यालय में पंजीकरण शुल्क जमा करवाने के पश्चात् महासभा से मान्यता प्राप्त कर सकेंगे।
7. महासभा से पंजीकृत प्रदेश, जिला, तहसील, ब्लॉक तथा शाखा सभा व महासभा से मान्यता प्राप्त किसी भी संस्था को एक मत देने का नियमानुसार अधिकार प्राप्त होगा।
8. महासभा संविधान के नियम 12 उपनियम 05 के अनुसार प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए प्रत्याशी को महासमिति का न्यूनतम पत्रिका सहित सदस्य होना अनिवार्य है। उसके प्रस्तावक एवं अनुमोदक को महासमिति का सदस्य होना अनिवार्य है।
9. महासभा संविधान के नियम 12 उपनियम 05 के अनुसार प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए प्रत्याशी की आयु कम से कम 40 वर्ष होनी अनिवार्य है। आयु की गणना चुनाव अधिसूचना जारी तिथि 21 अक्टूबर 2022 के अनुसार होगी।
10. सभी प्रत्याशी संविधान के नियम 12 उपनियम 07 एवं 10 का भी अवलोकन कर लेवें। नियम 12 उपनियम 08 के अनुसार किसी भी न्यायालय से दण्डित तथा अपराधी व्यक्ति व भयंकर रोगी प्रदेश अध्यक्ष पद का प्रत्याशी नहीं हो सकेगा।
11. संविधान के नियम 14 उपनियम 09 के अनुसार प्रदेश अध्यक्ष पद हेतु : 11000/- राशि (चुनाव खर्च) नामांकन पत्र के साथ जमा करानी होगी। राशि केवल अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली के नाम बैंक डिमांड ड्राफ्ट (Demand Draft) के रूप में ही स्वीकार्य होगी।

किसी भी दशा में उक्त राशि नकद / चेक / आर टी जी एस / पेटीएम या अन्य किसी भी इलैक्ट्रानिक माध्यम से स्वीकार नहीं होगी।

12. प्रत्याशी द्वारा चुनाव खर्च के रूप में नामांकन पत्र के साथ जमा की गई राशि उसके नामांकन पत्र वापिस लेने/नामांकन निरस्त होने / चुनाव लड़ने अथवा अन्य किसी भी दशा में वापिस नहीं होगी।

13. प्रत्याशी यदि अ.भा.जा.ब्रा. महासभा एवं इससे सम्बधिंत प्रदेश सभा, जिला सभा, तहसील सभा, ब्लॉक सभा अथवा शाखा सभा में पदाधिकारी है तो चुनाव मंडल को अवगत करवाना होगा एवं उक्त पद का त्यागपत्र संलग्न करना अनिवार्य है।

14. यदि प्रत्याशी महासभा या इससे संबन्धित किसी भी संस्था में पदाधिकारी नहीं है तो उसे सादे कागज पर यह घोषित करना होगा कि - मैं महासभा से संबन्धित किसी भी संस्था में पदाधिकारी नहीं हूँ यह घोषणा पत्र नामांकन पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।

15. संविधान के नियम 14 उपनियम 10 के अनुसार प्रत्याशी को महासभा प्रधान/ महामन्त्री से हस्ताक्षरित No Dues प्रमाण पत्र नामांकन से एक सप्ताह पूर्व प्राप्त कर नामांकन पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा। अत: प्रत्याशी समय पूर्व कार्यवाही कर निर्धारित दिनांक से पूर्व ही उक्त प्रमाण पत्र प्राप्त कर लेवें।

16. प्रत्याशी द्वारा स्वयं हस्ताक्षरित 100रू के स्टाम्प पेपर पर शपथ पत्र नोटरी से सत्यापित करवा कर अनिवार्य रूप से संलग्न करना होगा। जिसमें यह उल्लेख होगा कि "यदि वह प्रदेश अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होता है तो, अपने स्वयं के 3 वर्षीय कार्यकाल उपरान्त आने वाली नवीन कार्यकारिणी को एक माह के अन्दर कार्य प्रभार (चार्ज) सौंप देगा। संविधान के नियम 12 उपनियम 20 के अनुसार चुनाव पश्चात् नवीन कार्यकारिणी को 15 दिन में चार्ज नही देने पर उसके विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करने का महासभा को अधिकार होगा।''

17. प्रत्याशी द्वारा मतदान केन्द्र पर नियुक्त किए जाने वाले अभिकर्ता का उसी मतदान केन्द्र के अर्न्तगत मतदाता होना अनिवार्य है। अभिकर्ता का नाम उसी मतदाता केन्द्र की मतदाता सूची में अंकित होना चाहिए।

18. प्रदेश अध्यक्ष पद हेतु नामांकन पत्र का शुल्क 500 / - निश्चित है।

19. संविधान के नियम 14 उपनियम 06 के अनुसार विदेश में रहने वाले महासभा के सदस्य अपने मत का उपयोग चुनाव अधिकारी को ई-मेल के द्वारा कर सकेंगे।

20. महासभा के सभी प्रकार के सम्माननीय सदस्यों को मतदाता सूची में त्रुटि सुधार एवं संशय निराकरण का पर्याप्त समय दिया गया है, अत: मतदान करने का अधिकार केवल उन्ही सम्मानित सदस्यों को प्राप्त होगा जिनका नाम मतदाता सूची में प्रकाशित होगा।

21. चुनाव संबन्धित किसी भी प्रकार के संशय का निराकरण मुख्य चुनाव प्रभारी/चुनाव अधिकारी से संपर्क कर किया जा सकता है। सभी प्रत्याशियों एवं मतदाताओं से विनम्र अनुरोध है कि शांतिपूर्ण एवं सामाजिक प्रतिष्ठा को बनाए रखते हुए चुनाव कार्यक्रम के सभी चरणों में भाग लेवें तथा किसी भी प्रकार से समाज के गौरवमयी इतिहास को ठेस न पहुँचने दें।

दिनांक - 22.10.2022
स्थान - महासभा कार्यालय, दिल्ली

समाज सेवार्थ

रामपाल शर्मा
प्रधान
अ.भा.जा.ब्रा.महासभा
दिल्ली

विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट आर्थिक रूप से कमजोर और प्रतिभावान विद्यार्थियों के लिए वरदान

श्रीमती कृष्णा रामपाल शर्मा
अध्यक्ष, विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट।

विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट की प्रधान श्रीमती कृष्णा रामपाल शर्मा ने कहा कि विद्या एक विधार्थी को विनम्रता प्रदान करने के साथ साथ विनम्रता और शालीनता का भी पाठ पढ़ाती है। आज के इस बदलते हुए परिवेश में शिक्षा जगत में भी एक क्रांतिकारी बदलाव आया है और शिक्षा महंगी होने के साथ साथ एक गरीब की पहुंच से भी दूर होती जा रही है और सबसे कष्टदायी उन बच्चों के लिए है जो प्रतिभावान तो हैं और जीवन में आगे बढ़ने की उत्कृष्ट अभिलाषा भी संजोए हुए हैं, लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर हैं और गरीबी उनके रास्ते में एक बाधा बन कर खड़ी है और पैसे के अभाव में वह अपने सपने दफ़न करके रह जाते हैं और उनकी इस समस्या का समाधान करने की परिकल्पना हमारे समाज के उन महापुरुषों ने आज से 50 साल पहले की थी कि आने वाले समय में समाज का एक गरीब का बच्चा भी प्रतिभावान होने के बावजूद जीवन में आगे बढ़ने और सफलता हासिल करने में विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट की सहायता से अपने सपनों को उड़ान देने में कामयाब होगा।

श्रीमती कृष्णा रामपाल शर्मा ने कहा कि 13 नवम्बर को जयपुर में आयोजित एक समारोह में विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के माध्यम से समाज के होनहार और प्रतिभावान तथा आर्थिक रूप से कमजोर और मेधावी छात्र एवं छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान की जायेगी ताकि वह अपने सपनों को पंख लगाकर जीवन में अपनी मनोकामना पूरी कर सकें । मुझे इस ट्रस्ट का जिम्मा 13 अक्टूबर 2019 को मिला था और मेरे से पहले इस ट्रस्ट के 11 अध्यक्ष रह चुके हैं और मुझे इसका 12 अध्यक्ष बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मैं नमन करती हूं समाज के उन प्रबुद्ध व्यक्तियों को जिनकी दूर दृष्टि से परिपूर्ण सोच और विशाल दृष्टिकोण था। समाज के आर्थिक रूप से कमजोर और मेधावी बच्चों की शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने की परिकल्पना को साकार करने के लिए ही 23 मई 1978 को विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट की स्थापना की गई और इसके सबसे पहले अध्यक्ष सोनीपत के महान् समाज सेवी आधुनिक सोच के संवाहक सुमेर चन्द शर्मा थे और इस ट्रस्ट की सदस्यता फीस उस समय केवल मात्र एक हजार 1000 रुपए थी और कभी भी सोचा भी नहीं होगा की 1978 में लगाया गया यह ट्रस्ट रुपी पौधा एक वटवृक्ष का रूप धारण कर करके आर्थिक रूप से प्रतिभावान विद्यार्थियों को अपनी शकुन की छाया बनकर उन्हें जीवन में चुनौतियों का सामना करने के साथ साथ उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी प्रदान करेगा।

मैं आभार व्यक्त करना चाहती हूं सुमेर चन्द शर्मा की क्रांतिकारी सोच का जिनका जीवन में एक ही उद्देश्य था कि किस प्रकार से होनहार और आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को प्रोत्साहन दिया जाए ताकि वह अपनी मंजिल तक पहुंच सकें और ट्रस्ट की सदस्यता उस समय 1000 रुपए रखी गई थी और इस ट्रस्ट ने 44 सालों के निर्बाध सफर में गरीब और प्रतिभावान तथा आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के भाग्य को लिखने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का गुरुतर भार उठा कर हजारों बच्चों को डॅक्टर, इंजीनियर, चार्टर्ड अकाउंटेंट और अनेक प्रतिष्ठित पदों पर पहुंचाने में अपना अमूल्य योगदान दिया है।

क्या आप जानते हैं कि सन् 1978 में एक हजार रुपए की क्या कीमत होती थी। लोगों को 10-20 रुपए रोज पारिश्रमिक मिलता था, लेकिन उनकी भावना को मैं सलाम करतीं हूं कि समाज सेवा की

भावना से ओतप्रोत होकर ऐसे महानुभावों ने एक-एक पैसा इस महापुण्य के कार्य के लिए जोड़ जोड़ कर इस ट्रस्ट के सदस्य बने ताकि समाज के बच्चों को अपने सपनों को साकार और मूर्त रूप देने का अवसर प्राप्त हो सके। जैसा कि मैंने बताया कि इस ट्रस्ट के प्रथम अध्यक्ष सुमेर चन्द शर्मा ने अपने 6 वर्ष के कार्यकाल के दौरान 187 ट्रस्टियों को इस यज्ञ में जोड़ा और आप कल्पना कर सकते हैं आज से 44 वर्ष पहले एक हजार रुपए की क्या कीमत होती थी और फिर दान दाताओं की भावना भी देखो। यह कारवां इसी प्रकार से आगे चलता रहा और यह कारवां आज चलकर यहां तक पहुंच गया है।

आप लोगों के आशीर्वाद से मुझे वर्ष 2019 में इस ट्रस्ट का अध्यक्ष बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। शिक्षा दान महादान है और इसी भावना को लेकर मैंने इस ट्रस्ट के साथ जुड़ने का निर्णय लिया और अपने लिए तो सभी जीते हैं लेकिन जीना उसका नाम है जो जीवन दूसरों के काम आए और मुझे खुशी है कि आप लोगों के आशीर्वाद तथा दान दाताओं के सहयोग और समर्थन से हम समाज के अधिक से अधिक बच्चों को इसका लाभ मिल सके इसका भरसक प्रयास कर रहे हैं ताकि पैसे के अभाव में समाज के होनहार और प्रतिभावान गरीब विद्यार्थियों के सपनों को ग्रहण ना लगे। शिक्षा के महत्व को एक मां होने के नाते मै अच्छी प्रकार से समझती हूं कि हमने महगांई के जमाने में अपने बच्चों की जरूरतों को किस प्रकार से पूरा किया है ।

आपने जो दायित्व मुझे सौंपा है इस पद की गरिमा को बनाए रखते हुए ही इस ट्रस्ट के साथ अधिक से अधिक सदस्यों को जोड़ने का पुनीत कार्य शुरू किया हुआ है और इस ट्रस्ट द्वारा मेरे कार्यकाल के दौरान पिछले दो वर्षो के दौरान 19 लाख 10 हजार रुपए की छात्रवृत्ति आर्थिक रूप से कमजोर वर्गो के बच्चों को प्रदान की जा चुकी है। आज इस ट्रस्ट के खाते में जितने भी पैसे जमा हैं वह सब आप लोगों की सम्पत्ति है। मैं तो केवल इसकी चौकीदार हूं। मैं समाज के संभ्रांत लोगों से मेरी विनम्र अपील है कि आप इस महायज्ञ में यथा संभव आहूति डालकर महापुण्य के भागी बने। आपका प्रदान किया हुआ एक एक पैसा शिक्षा के पुनीत कार्य में लगेगा इतना मैं आपको विश्वास दिलाती हूं।

हमने एक फार्म तैयार किया है और जो भी समाज के आर्थिक रूप से कमजोर बच्चें जिनको अपनी 12 वीं के पश्चात् पढाई आगे जारी रखने में दिक्कत आ रही है और जो बच्चे इस ट्रस्ट से आर्थिक सहायता लेना चाहते हैं उसके लिए यह परमावश्यक है कि उस बच्चे ने 12वीं कक्षा पास करने के उपरांत किसी भी डिप्लोमा या डिग्री कोर्स में दाखिला लिया है और इसके लिए पहली शर्त यह है कि प्रार्थी के पिछले वर्ष की परीक्षा में 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक होने चाहिए अर्थात आवेदन पत्र के साथ पिछले वर्ष की अटेस्टेड मार्कशीट लगाना भी आवश्यक है और इसका लाभ उठाने के लिए प्रार्थी किसी भी कॉलेज या संस्थान का नियमित छात्र भी होना चाहिए अर्थात जिस कालेज या संस्थान में छात्र या छात्रा अध्ययन कर रहा है । उस कालेज या संस्थान के पहचान पत्र की छायाप्रति फार्म के साथ मे संलग्न होनी चाहिये और इसके साथ ही यह आवेदन पत्र ट्रस्ट के दो ट्रस्टियो द्वारा अनुमोदित होना चाहिए । जिससे कि आर्थिक रूप से कमजोर छात्र छात्राओं की पूर्ण रूप से जाँच कर के ही आवेदन पत्र पर साइन कर सके और यह फार्म 30 अक्टूबर 2022 तक ट्रस्ट के पास पहुंच जाना चाहिए। उसके बाद किसी भी फार्म पर विचार नहीं किया जायेगा। कोई भी परेशानी आने पर ट्रस्ट के महासचिव अनिल शर्मा जिनका मोबाइल नंबर 9810988553 है पर सम्पर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष प्रेम चंद जांगिड से भी सम्पर्क कर सकते हैं जिनका मोबाइल नंबर 9810072969 है। आप अपना फार्म ईमेल से भेज सकते हैं जो फार्म पर लिखा हुआ है।

श्रीमती कृष्णा रामपाल शर्मा ने कहा कि इस ट्रस्ट में दान देने वाले दान - दाताओं के लिए एक उपयोगी सूचना है और इसके अनुसार इस ट्रस्ट में दान देने वाले दान दाताओं को आयकर विभाग की धारा 80 सी के अन्तर्गत दान में ट्रस्ट को दी गई दान राशि पर छूट मिलेगी यह सुविधा इस ट्रस्ट में लागू हो गई है। उन्होंने कहा कि बड़े अथक प्रयास के साथ ही यह सुविधा उपलब्ध हो पाई है और मेरे कार्यकाल के दौरान ही 80 जी लागू हुई है और यह सुविधा मेरे कार्यकाल से पहले नहीं थी। इसके साथ ही एक और सबसे बड़ी उपलब्धि इस कार्यकाल की यह है इस ट्रस्ट का रजिस्ट्रेशन रिन्यू नहीं करवाया गया था उसको बड़े प्रयास और भाग दौड़ करके मेरे इसी कार्यकाल के दौरान इसे रिन्यूअल करवाया गया है।

22 मई को श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज दिल्ली मे विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई थी, जिसमें सभी विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के प्रदेश प्रभारियों को रसीदबुक आवंटित की गई थी और उनको निर्देश दिए गए कि वो अपने अपने प्रदेशों में जिला प्रभारी, तहसील प्रभारी और ब्लॉक प्रभारियों की जल्द से जल्द नियुक्ति करे और उनको रसीदबुक आवंटित करके निर्देशित करे की इस ट्रस्ट के अधिक से अधिक सदस्यों को जोड़ कर इस महायज्ञ में अपनी आहुति डालें क्योंकि श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के ज्यादा से ज्यादा मैम्बर्स होने से अधिक से अधिक बच्चों की सहायता की जा सकती है। उन्होंने दान दाताओं से अपील की है कि इस महापुण्य के कार्य में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें और दान के रूप में उन आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के अभिभावकों का आशीर्वाद भी प्राप्त करें जो प्रतिभावान छात्रों को अपनी लाचारी और बेबसी की वजह से उच्च शिक्षा दिलवाने में असमर्थ हैं। ट्रस्ट की सहायता से मेघावी बच्चों को सहायता समय पर मिल सकेगी और इसके साथ ही समाज के बच्चे अच्छी और उच्च शिक्षा भी ग्रहण पाने में सक्षम हो सकेंगें।

गरीब और प्रतिभावान विद्यार्थियों के लिए वरदान विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट की अध्यक्षा श्रीमती कृष्णा रामपाल शर्मा ने कहा कि शिक्षा विद्यार्थियों को ज्ञान प्राप्त करने के साथ-साथ विनम्रता और शालीनता ता का पाठक पढ़ाती है मुझे इसका 12 वां अध्यक्ष बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ और विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट भविष्य में उन मेघावी छात्रों पर भी विशेष ध्यान देगी जो उच्च शिक्षा ग्रहण करने में सक्षम हैं और आगे चलकर राजस्थान प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा और भारतीय प्रशासनिक सेवा जैसे उच्च अधिकारी बन सकें और समाज के विकास और उत्थान में अपना अमूल्य योगदान देने के साथ साथ अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें।

उन्होंने कहा कि देश एक समाज एक की अवधारणा को मूर्त रूप देते हुए इस ट्रस्ट का दायरा बढ़ाया गया है ताकि इसका लाभ समाज के अधिक से अधिक प्रदेशों के बच्चों को मिल सके। उन्होंने कहा कि पहले एजुकेशन ट्रस्ट का दायरा सिर्फ दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश तक ही सीमित था और अब इसका दायरा बढ़ाकर महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश कर्नाटक और दूसरे कई प्रदेशों तक कर दिया गया है और यह इस ट्रस्ट की कामयाबी का सर्वोत्तम उदाहरण है। इतना ही नहीं इस ट्रस्ट के माध्यम से हमने कोरोना के समय में भी समाज के बच्चों को ऑनलाइन छात्रवृत्ति आवंटित की जिसमे समाज के लगभग 256 बच्चे लाभांवित हुए । उन्होंने कहा कि इसी प्रकार 22 सितंबर को आया नगर नई दिल्ली में विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट की जो मीटिंग हुई थी उसमें निर्णय लिया गया था कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी 13 नवम्बर 2022 को रामेश्वरम मैरिज गार्डन जयपुर में छात्रवृत्ति वितरण समारोह तथा आम सभा का आयोजन किया जायेगा। अत: मेरा आप सबसे पुन: आग्रह है कि आप भी श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के सदस्य बन कर बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बनाने के अभियान से जुड़िए ताकि बच्चों के भविष्य के साथ साथ समाज का भी विकास हो सके। ''''''

विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट (रजि.)

प्रधान कार्यालय : जी - 251, फेस-6, आया नगर, नई दिल्ली - 110047

13 नवंबर 2022 रविवार

आदरणीय,

सदस्यगण,

विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट (रजि.)

आप सभी को सादर सूचित किया जाता है कि 13 नवंबर 2022 वार - रविवार को छात्रवृति वितरण समारोह व आम सभा का आयोजन रामेश्वरम मैरिज गार्डन मैन सीकर रोड अपोजिट रोड नंबर 12, वीकेआई एरिया जयपुर 302013 में किया जा रहा है।

अत: आपसे निवेदन है कि आप अपनी जानकारी अनुसार समाज के आर्थिक रूप से कमजोर एवं मेधावी छात्र - छात्राओं के छात्रवृति हेतु अनुमोदित कर प्रोत्साहित करें आवेदन में निम्न जानकारी आवश्यक है।

1. छात्र/ छात्राओं का नाम ....
2. पिता का नाम ....
3. स्थाई पता ....
4. मोबाईल नम्बर ....
5. परिवार की आय ....
6. नियमित अध्यनरत् कोर्स/कक्षा/वर्ष ....
7. कॉलेज/इंस्टीटयूट को बोनाफाईट सर्टिफिकेट संलग्न करना है ....
8. पिछले वर्ष की परीक्षा की सत्यापित मार्कशीट संलग्न करनी है ....
9. **बैंक खाता संख्या** ....
10. IFSC कोड नम्बर ....
11. बैंक का नाम व स्थान ....

फोटो

मैं शपथ पूर्वक घोषणा करता / करती / हूँ कि मेरे द्वारा दी गई उपरोक्त समस्त जानकारियाँ सही है। मुझे छात्रवृति मिले ,मैं हर हाल में पूरी मेहनत के साथ पढूंगी/ पढूंगा और विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के प्रति सदैव निष्टावान रहूँगी/ रहूँगा । समय आने पर ट्रस्ट की सदस्यता भी ग्रहण करूंगी / करूंगा ।

प्रार्थी के हस्ताक्षर

अनुमोदन:- प्रमाणित किया जाता है कि इस छात्र/छात्रा की आर्थिक स्थिति कमजोर है लेकिन मार्कशीट के अनुसार प्रतिभाशाली है। अत: इसे छात्रवृति प्रदान कर अनुग्रहीत करें ।

1. ट्रस्टी का नाम .... सदस्यता संख्या.............. फोन नं.................. हस्ताक्षर..................
2. ट्रस्टी का नाम .... सदस्यता संख्या.............. फोन नं.................. हस्ताक्षर..................

आवश्यक सूचना

1. प्रार्थी 12वीं कक्षा से ऊपर किसी भी डिप्लोमा या डिग्री में अध्ययन होना चाहिए ।
2. प्रार्थी के पिछले वर्ष की परीक्षा में प्राप्तांक 80 प्रतिशत में कम नही होने चाहिए।
3. प्रार्थी किसी भी कॉलेज या संस्थान का नियमित छात्र होना चाहिए।
4. आवेदन पत्र ट्रस्ट के दो ट्रस्टियों द्वारा अनुमोदित होना चाहिए।
5. छात्र छात्राओं को आन लाईन फार्म जमा करना होगा जिसकी Email: vishvakarmaeducationtrust@gmail.com
6. 30 अक्तूबर 2022 तक आन लाईन फार्म जमा कराने होगें ।
7. छात्र व छात्राओं जिसका फार्म सलेक्ट होगा उनको सूचित कर दिया जायेगा व आन लाईन छात्रवृति दी जायेगी ।
8. किसी भी रूप में गलत जानकारी देने पर निरस्त ही समझी जायेगी । अपने फोन नं. सही होने चाहियें।

निवेदक : विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट

अध्यक्ष	कोषाध्यक्ष	महासचिव
श्रीमती कृष्णा रामपाल शर्मा (जांगिड़)	प्रेमचन्द चालड़ियाँ	अनिल कुमार जांगिड़
बंगलौर: 9844026161	मो. 9810072969	मो. 9810988553

नोट - आगामी प्रधान के चुनाव इसी प्रोग्राम में किये जायेंगे।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा प्रदेश सभा, राजस्थान की कार्यकारिणी की 7वीं त्रैमासिक बैठक 9 अक्टूबर को सम्पन्न हुई

(कार्यवाही विवरण)

राजस्थान प्रदेश सभा की बैठक प्रदेशाध्यक्ष संजय शर्मा हर्षवाल की अध्यक्षता सम्पन्न हुई जिसमें सर्वप्रथम प्रातः 10.00 बजे से 11.00 बजे तक समस्त जिलाध्यक्षों के साथ चर्चा की गई। जिसमें अजमेर, अलवर, बांसवाडा, भीलवाडा, बीकानेर, बूंदी, चित्तौडगढ, दौसा, डूंगरपुर, जयपुर, जालोर, करोली, नागौर, पाली, राजसमन्द, सवाईमाधोपुर, सीकर एवं उदयपुर जिलो से पधारे जिलाध्यक्ष अथवा उनके प्रतिनिधियों एवं प्रदेश सभा के समस्त प्रकोष्ठों के अध्यक्षगणों ने भाग लिया एवं सभी ने अपना परिचय देते हुए जिले की प्रगति रिपोर्ट / योजनाओं के बारे में तथा जिले की तहसीलों / शाखा सभाओं की संख्या एवं उनमें हुए / हो रहे चुनावों के सम्बन्ध में वस्तुस्थिति से अवगत करवाया ।

बैठक का श्रीगणेश भगवान श्री विश्वकर्माजी की आरती से किया गया गई और कार्यकारिणी की मीटिंग को प्रारम्भ करते हुए महामंत्री ने मीटिंग में भाग लेने वाले सभी महानुभावों एवं मातृशक्ति का हार्दिक अभिनन्दन करते हुए मीटिंग के निम्नलिखित ऐजेण्डे पर कार्यवाही प्रारम्भ की:- सबसे पहले 5 जून को आयोजित पूर्व मीटिंग में लिए गए फैसलों के बारे में सभी को अवगत कराया गया और महामंत्री ने इस कार्यवाही विवरण, कोर कमेटी के निर्णय एवं प्रगति रिपोर्ट पढकर सुनाई जिसमें प्रदेश सभा द्वारा किए गए कार्यो एवं भविष्य में किए जाने वाले कार्य योजनाओं के बारे में विस्तृत रूप से प्रकाश डाला गया जिसका सभी ने हाथ उठाकर अनुमोदन किया। इसके उपरान्त कोषाध्यक्ष श्री बृजकिशोर शर्मा ने प्रदेश सभा का गत तीन माह की अवधि का आय-व्यय विवरण पढकर सुनाया जिसका सभी ने हाथ उठाकर अनुमोदन किया।

मुख्य अतिथि श्री अमराराम जी जांगिड़, अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष, महासभा द्वारा अपने उद्बोधन में विदेशों में रह रहे जांगिड़ समाज के उद्यमियों द्वारा भरपूर सहयोग देने का वादा किया और हर संभव राजस्थान प्रदेश को सहायता करने का आश्वासन दिया एवं प्रदेश कार्यकारिणी आज की मीटिंग की कार्रवाई, व्यवस्था एवं संचालन की भूरि-भूरि प्रशंसा की तथा राजस्थान प्रदेश के समाज बन्धुओं को संगठित होकर राजनीतिक पकड बनाने का आह्वान किया।

महासभा के युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल शर्मा एवं प्रदेश सभा के युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष नवीन कुमार शर्मा, सुनील कुमार शर्मा, कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष, युवा प्रकोष्ठ ने भी युवा प्रकोष्ठ को आगे आकर समाज हित में सहयोग करने एवं सशक्त करने का आह्वान किया।

विधि सलाहकार, प्रदेश सभा बी. सी. रावत द्वारा विधि प्रकोष्ठ की डायरेक्टरी बनाये जाने की सूचना दी एवं सभी जिलाध्यक्षों उनके जिले में रहने वाले अधिवक्ताओं की सूची उपलब्ध करवाई ताकि समाज बन्धु आवश्यकता पडने अधिवक्ता से सम्पर्क कर लाभान्वित हो सके।

उमेश चन्द शर्मा, वरिष्ठ मंत्री, प्रदेश सभा ने सभी जिलाध्यक्षों को उनके क्षेत्र के सभी कर्मचारियों एवं अधिकारियों की सूची मोबाइल नंबर सहित उपलब्ध करवाने का आग्रह किया। सचिदानन्द शर्मा, प्रदेश मंत्री द्वारा सभी जिलाध्यक्षों से अपने अपने क्षेत्र से खिलाडियों को प्रोत्साहित करने एवं कौशल विकास पर जोर दिया। श्रीमती स्मिता जांगिड, प्रदेशाध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ ने महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए मनोनीत जिलाध्यक्षों को मनोनयन पत्र प्रदान किये।

संजय हर्षवाल ने प्रदेश कार्यकारिणी एवं समाज को संबोधित करते हुए समाज हित के सभी कार्यो में रचनात्मक सहयोग प्रदान कर उनको पूर्ण करवाने का अपना संकल्प दोहराया तथा क्यू आर कोड के बारे में

विस्तृत जानकारी दी जिसमें प्रत्येक व्यक्ति समाज को आर्थिक सहयोग देकर समाज विकास में भागीदार बन सकता है और प्रदेश सभा के द्वारा विभिन्न प्रकार की योजनाएं यथा शिक्षा के क्षेत्र में जरूरतमंद बच्चों को आर्थिक सहायता के रूप में छात्रवृत्ति, मेघावी छात्र एवं छात्राओं को प्रदान करने, विधवाओं (कोविड महामारी के कारण) को सामाजिक पेंशन, आर्थिक रूप से कमजोर वरिष्ठ नागरिकों को श्रवण कुमार योजना के अंतर्गत नि:शुल्क धार्मिक तीर्थ यात्रा जिसमें समाज के आर्थिकरूप से सक्षम समाज बन्धुओं को सशुल्क यात्रा करने, महासभा की सदस्यता में अधिक से अधिक वृद्धि करने और लोगों को समाज से जोड़ने के लिए आग्रह किया । उपस्थित सभी जिलाध्यक्ष एवं कार्यकारिणी के सदस्यों व समाज बंधुओं के विभिन्न प्रकार के प्रश्नों, मार्गदर्शन एवं समस्याओं का तत्काल निर्णय लेकर समाधान किया। प्रदेश के जांगिड़ समाज का आर्थिक रूप से कमजोर परिवार का कोई भी बच्चा पढ़ाई से वंचित नहीं हो, समाज का कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं सोये साथ ही युवाओं को रोजगार के लिए उन्होंने समाज के उद्योगपतियों से आग्रह किया कि उनके संस्थानों में समाज के बेरोजगार युवाओं को प्राथमिकता से रोजगार प्रदान कर अनुगृहित करें।

संजय हर्षवाल ने कहा कि इस बैठक में निम्नलिखित निर्णय लिए गए हैं ----

1. चार जिलों सिरोही, जोधपुर, जैसलमेर एवं जालोर में जिलाध्यक्ष पद के चुनाव शीघ्रातिशीघ्र करवाए जायेंगे।

2. आगामी विधान सभा चुनाव के मद्देनजर राजनीति में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए आगामी तीन माह में एक सम्मेलन जयपुर में आयोजित करवाया जायेगा जिसके लिए सभी जिलाध्यक्ष अपने जिले के राजनीति से जुड़े हुए सभी समाज बन्धुओं की सूची आगामी 15 दिनों तक प्रदेश सभा को भिजवाना सुनिश्चित करेंगे । इसमें राजनीति से जुड़े नेताओं का राजनीति में प्राप्त अनुभव का विवरण भी अंकित होना चाहिए ।

3. महासभा की पूर्व में जारी की गई रसीद बुकों से समाज बन्धुओं से धनराशि प्राप्त कर महासभा में जमा नहीं करवाने वालों की शिकायत मिलने पर दोषियों के विरूद्ध एफ.आई.आर. दर्ज करवाई जायेगी,

4. प्रदेश सभा से पूर्व में प्राप्त रसीद बुकें जो अभी तक बकाया चल रही है यदि आगामी 30 दिनों यानी नवम्बर, 2022 के अन्त तक नहीं लौटाई गई तो उनके विरूद्ध भी समुचित कार्यवाही की जायेगी।

5. सभी जिलाध्यक्षों द्वारा अभियान चलाकर कैम्पों के माध्यम से महासभा के नये सदस्य बनाये जायेंगे जिनकी प्रतिमाह प्रगति रिपोर्ट प्रदेश सभा को भिजवाई जानी परमावश्यक है।

6. सभी जिलाध्यक्षों द्वारा त्रैमासिक मीटिंग्स में पिछले तीन माह की प्रगति एवं आय-व्यय विवरण तथा आगामी तीन माह की योजनाओं की रिपोर्ट त्रैमासिक मीटिंग के 10 दिवस पूर्व भिजवाना अनिवार्य अनिवार्य कर दिया गया है।

7. सभी जिलाध्यक्षों को महासभा की त्रैमासिक मीटिंग के अनुसार साधारण सदस्यों का री-वेरीफिकेशन मय फोटो के तहसील सभा के चुनावों से पूर्व करना जरूरी होगा और सभी जिलाध्यक्ष इस पर कार्यवाही कर अगली त्रैमासिक मीटिंग में इसका विवरण प्रस्तुत करेंगे और इसके साथ ही साधारण सदस्यों के रिकोर्ड भी प्रदान करने का निर्णय लिया गया है।

8. सभी जिलाध्यक्ष ब्लॉक ,तहसील एवं शाखा सभा अध्यक्ष के चुनाव संविधान के नियम 14 के अनुरूप करवाना सुनिश्चित करेंगे,

9. संविधान के नियम - 4 के अन्तर्गत सभी जिलाध्यक्ष, ब्लॉक, तहसील एवं शाखा सभा अध्यक्ष चुनाव के उपरान्त एक माह में महासभा से पंजीकरण करवाना सुनिश्चित करेंगे अन्यथा 90 दिन के पश्चात्

उनके चुनाव की मान्यता निरस्त की जा सकेगी। इसी प्रकार जिन जिलाध्यक्षों, ब्लॉक, तहसील एवं शाखा सभा अध्यक्षों का निर्वाचन हुए तीन माह से अधिक का समय व्यतीत हो चुका है एवं अभी तक अपना पंजीकरण नहीं करवाया है । वह अपना पंजीकरण विलम्ब शुल्क सहित 31 अक्टूबर, 2022 तक करवाना सुनिश्चित करें अन्यथा उनके चुनाव की मान्यता निरस्त की जा सकेगी।

10. समय पर नए अध्यक्ष को चार्ज न देने पर होगी संविधान के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

11. विजय नगर के धर्मबीर जांगिड को प्रदेश सभा का उपाध्यक्ष, मनोनीत किया गया है

12. समाज की राजनैतिक क्षेत्र में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए राजनीति से जुड़े महानुभावों का सम्मेलन जयपुर में करवाने का निर्णय एवं सभी जिलाध्यक्षों को निर्देशित किया कि आगामी 15 दिनों में उनके क्षेत्र में राजनीति से जुडे हुए समाज बन्धुओं की सूची उनके राजनीति के अनुभव के विवरण सहित प्रदेश सभा को भिजवाना सुनिश्चित करेंगे,

13. सभी जिलाध्यक्ष, प्रदेश सभा के प्रकोष्ठ मासिक रिपोर्ट प्रदेश सभा को भिजवाना सुनिश्चित करेंगे,

14. प्रदेश सभा की आगामी त्रैमासिक मीटिंग माह दिसम्बर, 2022 में जिला राजसमन्द में जिलाध्यक्ष, राजसमन्द एवं इसके उपरान्त आगामी त्रैमासिक बैठक क्रमशः बीकानेर, चित्तौडगढ़ एवं सीकर जिलों में भी वहां के जिलाध्यक्षों के सानिध्य में आयोजित की जायेगी जिनकी तिथियां समय पर अलग से घोषित कर दी जायेगी।

15. सभी जिलाध्यक्ष अपने जिले से क्रिकेट के खिलाडियों के चयन के सोशल मीडिया, पत्र, पम्फलेट तहसीलों के माध्यम से श्रेष्ठ खिलाडियों की टीम बनाकर 30 दिनों में प्रदेश सभा को सूचित करेंगे तथा अन्तर जिला क्रिकेट प्रतियोगिताएँ आयोजित और इनकी अन्तर्जिला प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी।अन्त में फाईनल मंच प्रदेश सभा के निर्देशन में उचित स्थान पर आयोजित करवाया जावेगा ।

इसी बीच 95 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले 16 छात्र छात्राओं को राशि 2,500 रुपए प्रति छात्र एवं छात्रा को एक चैक, प्रशस्ति पत्र, मोमेन्टो एवं दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया गया तत्पश्चात सभी पधारे हुए जिलाध्यक्षों एवं प्रकोष्ठों के अध्यक्षों को मोमेन्टों एवं दुपट्टे से सम्मान किया गया।

इस मीटिंग में चुनाव अधिकारी श्री ब्रह्म देव, फिल्म अभिनेता श्री राज जांगिड़, पूर्व जिला अध्यक्ष नवल किशोर शर्मा, उपाध्यक्ष श्री नाथू लाल जांगिड़ कुंडल भी उपस्थित रहे। उप प्रधान श्री सुधीर डेरोलिया, प्रदेश सभा के मंत्री श्री विष्णु दत्त शर्मा एवं श्री सच्चिदानंद शर्मा (श्री सचिन हर्षवाल) श्री हर्ष जिठावा, प्रदेश संगठन मंत्री, विधि सलाहकार श्री बी सी रावत, शर्मा, महिला प्रकोष्ठ की वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती मंजू शर्मा, उपाध्यक्ष श्रीमती हेमलता शर्मा, श्री मोहन मोरीवाल, आदि अनेकों गणमान्य नागरिकों के साथ कार्यकारिणी के अधिकांश पदाधिकारी, समितियों के अध्यक्षगणों द्वारा विशेष योगदान दिया गया। दीप विश्वकर्मा के संपादक श्री हरिराम जी जांगिड़ ने कार्यक्रम उपस्थित रहकर कवरेज किया।

अन्त में महामंत्री ने मीटिंग में भाग लेने वाले सभी महानुभावों एवं मीटिंग को सफल बनाने के लिए जिन महानुभावों ने प्रत्यक्ष अथवा परोक्षरूप से सहयोग दिया है उन सभी का आभार व्यक्त किया। मीटिंग का संचालन प्रदेश प्रवक्ता श्री महेश शर्मा द्वारा किया गया।

रमेशचन्द्र शर्मा(जांगिड)
महामंत्री

जांगिड़ ब्राह्मण महासभा जिला सभा दौसा का शपथ ग्रहण समारोह 16 अक्टूबर को सम्पन्न। छात्रावास के लिए मंत्री मुरारी लाल ने 10 लाख व सीसी रोड की घोषणा की

समाज के विकास में सभी का सहयोग जरूरी, बालिका शिक्षा पर दिया जोर

अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमरा राम जांगिड समारोह को संबोधित करते हुए । दौसा 16अक्टूबर, 2022.

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा जिला व तहसील सभा का शपथ ग्रहण समारोह 16 अक्टूबर को को गणेशपुरा स्थित छात्रावास में आयोजित हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि कृषि विपणन राज्य मंत्री मुरारी लाल मीणा ने छात्रावास के विकास के लिए 10लाख रुपए व सीसी रोड बनाने की घोषणा की।

कार्यक्रम को मुख्य अतिथि कृषि विपणन राज्य मंत्री मुरारी लाल मीणा, नगर परिषद उप सभापति कल्पना जैमन, समाज के दुबई से अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमराराम जांगिड, वरिष्ठ उप प्रधान महासभा दिल्ली डॉ. अशोक जागिड, प्रदेश अध्यक्ष संजय हर्षवाल, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष स्मिता जाँगिड, उप प्रधान महासभा दिल्ली राज बिहारी पिलवाल, महासभा की उच्च स्तरीय कमेटी के सदस्य गजानंद शर्मा, महासभा की उच्च स्तरीय कमेटी के सदस्य घनश्याम पंवार,

अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमरा राम जांगिड, राज्य मंत्री मुरारी लाल मीणा को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते हुए। अक्टूबर 16, 2022.

डॉ. मुकेश समलेटी उप प्रधान महासभा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष काँति प्रसाद टाइगर, प्रदेश अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ नवीन जांगिड की उपस्थिति ने समारोह की शोभा को द्विगुणित किया।

समारोह को संबोधित करते हुए कृषि विपणन राज्य मंत्री ने कहा कि जांगिड समाज किसी भी तरह कमजोर नहीं है और यह समाज बड़ा ही सामर्थ्यवान और विवेकशील समाज है। इसे अपनी वास्तविक ताकत को पहचानने की जरूरत है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जहां तक संभव हो सकेगा मैं इस समाज की मदद करने के लिए हर समय तत्पर रहूंगा।

महासभा के अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमराराम जांगिड ने कहा कि किसी भी समाज की उन्नति के लिए शिक्षा ही एक मात्र ऐसा माध्यम है जिससे किसी भी समाज की उन्नति और प्रगति संभव है। उन्होंने समाज के बेटियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि एक बेटी के शिक्षित करने से दो परिवारों का कल्याण संभव है। विवाह से पूर्व एक महिला अपने भाई - बहनों को शिक्षित करती है और शादी के उपरांत वह अपने बच्चों को शिक्षित करती है। इस लिए जहां तक संभव हो

सके आज के युग में खुद अभाव में रहकर लड़कियों को शिक्षित करें और पुराने दकियानूसी सोच का परित्याग करके उनके सपनों को साकार करने में अपना अमूल्य योगदान दे।

जागिड ब्राह्मण समाज के शपथ ग्रहण समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथि कृषि विपणन राज्य मंत्री मुरारी लाल मीणा व समाज के पदाधिकारी अमराराम जांगिड़ अंतर्राष्ट्रीय प्रधान वरिष्ठ उपप्रधान डॉ. अशोक जांगिड राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष संजय हर्षवाल आदि समाज बंधुओ ने भगवान विश्वकर्मा के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

डॉ. अशोक जांगिड ने समाज के लोगो को महासभा से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि आप सबका यह सर्वोच्च दायित्व है कि महासभा के अधिक से अधिक संरक्षक सदस्य बना कर इस महायज्ञ में अपना योगदान दे और महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा के मिशन 1.50 लाख सदस्य बनाने में भरपूर सहयोग करें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा समाज कल्याण की जो योजनाएं चलाई जा रही है उन योजनाओ के बारे में समाज के लोगों को जानकारी दे ताकि समाज के लोग इन योजनाओं का लाभ उठा कर लाभान्वित हो सकें।

संजय हर्षवाल ने समाज के भामाशाहों से अपील की कि वह जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए आगे आए और समाज के गरीब लोगों की यथासंभव सहायता करके पुण्य का भागी होने का सौभाग्य प्राप्त करें। इस अवसर पर अतिथियों ने समाज के नवनिर्वाचित जिला व तहसील पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण करवाकर समाज के विकास में सहयोग का भरोसा दिलाया।

कार्यक्रम में सेवा निवृत्त आरएएस अधिकारी ओमप्रकाश जांगिड, जिलाध्यक्ष कैलाश ठेकेदार, प्रचार मंत्री गिर्राज प्रसाद जांगिड़, तहसील अध्यक्ष दिनेश कुमार रावत, रामकिशोर मूर्ति वाले, पूर्व जिला अध्यक्ष भगवान सहाय जांगिड़, करौली जिला अध्यक्ष जगदीश, धर्मराज मंडावरा, जिला मंत्री हरिराम जांगिड़, कैलाश चंद वैदिक, महेंद्र भांकरी, गोपाल लाल भांडारेज, कोषाध्यक्ष भारत भूषण शर्मा, तहसील कोषाध्यक्ष सतीश सागर, विष्णु भंडारी सहित जिले के तहसील व जिला के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद थे।

जांगिड समाज के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान कृषि विपणन राज्य मंत्री मुरारी लाल मीणा ने समाज के पदाधिकारियों की मांग पर छात्रावास के विकास के लिए 10 लाख रुपए की घोषणा की साथ ही छात्रावास को मुख्य सड़क से जोड़ने के लिए सीसी सड़क का निर्माण कराने की भी घोषणा की। जांगिड ब्राह्मण छात्रावास में प्रदेश अध्यक्ष संजय हर्षवाल के नेतृत्व में पौधरोपण किया गया। इस दौरान उन्होंने पर्यावरण संतुलन के लिए छात्रावास कमेटी को छात्रावास परिसर को हराभरा बनाने के लिए कहा। प्रचार मंत्री गिरीज प्रसाद जांगिड़ ने बताया कि सभी सदस्यों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने का संकल्प लिया है।

हरिराम जांगिड, महामंत्री, जिला सभा दौसा

श्रद्धा सुमन अर्पित

महानायक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी

2 अक्टूबर को सत्य और अहिंसा के पुजारी राष्ट्र के महानायक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और जय जवान और जय किसान के नारे के प्रणेता पूर्व प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जन्म दिवस पर उनको भावभीने श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं।

प्रधान रामपाल शर्मा

पूर्व प्रधान मंत्री लाल बहादुर शास्त्री

स्वच्छता ही सेवा है, स्वच्छता ही जीवन है स्वस्थ भारत है

ओम प्रकाश खोखा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित हुए

ओमप्रकाश जांगिड

दिल्ली के प्रदेशाध्यक्ष पद पर ओमप्रकाश खोखा निर्विरोध रुप से निर्वाचित होने पर उन्हें जांगिड समाज की और से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं । जैसा कि आप सबको विदित है कि दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव के लिए नोटिफिकेशन जारी किया जा चुका था और दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव 9 अक्टूबर को होना निर्धारित हुआ था।

लेकिन इस चुनाव में खड़े दो अन्य प्रत्याशियों देवीसिंह ठेकेदार और दिनेश जांगिड ने 8 अक्टूबर को अपना बड़ा दिल दिखाते हुए अपना नाम वापिस ले लिया और इस त्याग के लिए उनकी सर्वत्र प्रशंसा हो रही है और उन दोनों द्वारा नाम वापिस लेने से ओम प्रकाश खोखा निर्विरोध रुप से निर्वाचित घोषित किए गए। इस मुहिम को हकीकत मे बदलने का श्रेय जिन महानुभावों को जाता है उसमे सबसे अग्रणीय भूमिका निभाई है महासभा के कार्यकारी प्रधान लादूराम जांगिड, यादराम शर्मा, कृष्ण आसोदा, छगनलाल जांगिड, एजुकेशन ट्रस्ट के पूर्व प्रधान कैलाश शर्मा और महामंत्री अनिल शर्मा, एजुकेशन ट्रस्ट के सदस्य जगदीश शर्मा, पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष दिल्ली प्रदेश, मदनलाल जांगिड,पूर्व जिला अध्यक्ष अलवर और कोषाध्यक्ष एजुकेशन ट्रस्ट प्रेम पालडियासभी बधाई के पात्र हैं।

इन महानुभावों ने समाजहित को सर्वोपरि रखते हुए अपना जो योगदान दिया है उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए वह कम है और इस निर्णय से समाज में गुटबाजी को विराम तो लगेगा और इसके साथ ही साथ समाज को एक सूत्र में पिरोने मे बहुत बड़ी कामयाबी मिलेगी। यह निर्णय समाज के लिए एक शुभ संकेत है और यह समाज के लिए एक साथ मिलकर काम करने की प्रेरणा देगा।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा और महामंत्री सांवरमल जांगिड, बाबू लाल शर्मा, जगता राम शर्मा, कैलाश चंद्र शर्मा, ने ओमप्रकाश खोखा को उनके निर्विरोध निर्वाचित होने पर बधाई देते हुए कहा है कि इस अनुकरणीय कार्य के लिए दिल्ली के सभी मतदाता बधाई के पात्र हैं और आशा व्यक्त की है कि ओमप्रकाश खोखा लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास करेंगे।

महासभा के कार्यकारी प्रधान लादूराम जांगिड

मैं आपको और आपके परिवार पर दीपावली के पावन अवसर पर अपनी और से तथा महासभा की और से हृदय के अन्तःकरण से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

भगवान श्रीराम लंका पर विजय हासिल करके अयोध्या लौटे थे और इस खुशी में लोगों ने दीप जलाकर अपने भावों को अभिव्यक्त करने के लिए दीपमाला करके भगवान श्री राम का हृदय से अभिनंदन किया था। इसके साथ ही दीपावली के इस महान पर्व पर मां लक्ष्मी की अनुकम्पा आपके समस्त परिवार और प्रियजनों पर निरन्तर बनी रहे और कुबेर देवता आपके धन के भण्डार सदैव ही भरे रखे।

मां लक्ष्मी की कृपा से धन-वैभव के रूप में आपको सदैव ही प्रसाद मिलता रहे। आपके परिवार में मां लक्ष्मी की सदकृपा से सुख, समृद्धि, यश और मंगल कीर्ति निर्बाध रूप से बनी रहे। ऐसी मेरी मनस्कामना है।

इसके साथ ही मैं आपको, गोवर्धन पूजा और भैया दूज की भी असीम मंगल शुभ कामनाएं देता हूं। इस पुनीत अवसर पर आपको असीमित खुशियां प्राप्त हों।

प्रधान रामपाल शर्मा

महर्षि वाल्मीकि की जयंती हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

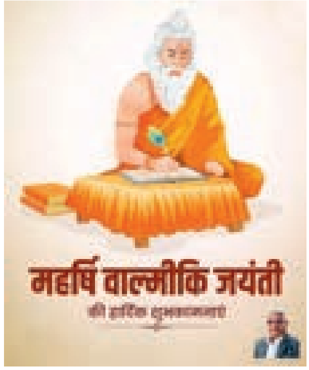

युग पुरुष और उदात्त मूल्यों की प्रतिमूर्ति और महान ग्रंथ रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि की 9 अक्टूबर को उनकी जयंती पर मैं आप सबको हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। भगवान श्री राम के दिव्य और अलौकिक स्वरूप और नैतिक मूल्यों का जिस प्रकार से रामायण में चित्रित किया गया है उनका अनुशरण करने से एक मनुष्य का जीवन सार्थक और धन्य हो जाता है।

रामायण में निहित महान् मूल्यों में माता पिता की आज्ञा का पालन, गुरु के आदेश शिरोधार्य करना, भ्रातृप्रेम और सीता और राम के वैभव का परित्याग और भगवान श्री राम का शबरी और निषाद जैसे लोगों को गले लगाना और विश्व के प्रख्यात इंजीनियर नील और नील की सहायता से समुद्र लांघना जैसी उदात्त घटनाएं इस बात की और संकेत करतीं हैं कि भगवान श्री राम सब प्राणियों को समान समझते थे और उनमें कोई भी भेदभाव नहीं करते थे और यही रामायण की महानता का प्रमुख कारण है।

आओ हम सब मिलकर भगवान श्री राम के आदर्शो को आत्मसात करें तभी हमारा जीवन सार्थक और सफल होगा और महर्षि वाल्मीकि की जयंती मनाने की परिकल्पना भी तभी वास्तविक रूप में तभी साकार हो सकेगी।

प्रधान रामपाल शर्मा।

चुनाव अधिसूचना

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली अंतर्गत प्रदेश सभा महाराष्ट्र के कुल 3 जिलों के जिला अध्यक्ष का कार्यकाल पूर्ण हो रहा है । महासभा संविधान के अनुसार चुनाव करवाना अपेक्षित है।

अत: परभणी, यवतमाल व नंदुरबार के जिले के जिला अध्यक्ष के चुनाव हेतु अधिसूचना जारी की है। जिसका चुनावी कार्यक्रम निम्नानुसार रहेगा।

क्र सं	जिले का नाम	अधिसूचना कि तिथी	सदस्यता कि अंतिम तिथि	नामांकन तिथी	मतदान तिथी
1	परभणी	12/10/ 2022	13/11 /2022	20/11 /2022	04/12/2022
2	नंदुरबार	12/10 /2022	13/11/2022	20/11/2022	04/12/2022
3	यवतमाल	12/10/ 2022	13/11/2022	20/11/2022	04/12/2022

नामांकन स्थल :- लाडेकर ले आउट मानेवाडा रोड, नागपुर महाराष्ट्र

नामांकन समय :- निर्धारित तिथी को सुबह 11.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक

नामांकन पत्र की जांच :- नामांकन के दिन दोपहर 2.00 बजे से 3.00 बजे तक

नामांकन वापसी :- नामांकन के दिन दोपहर बाद 3.00 बजे से 4.00 बजे तक

प्रत्याशियों की घोषणा:- शाम 4:15 बजे

मतदान:- निर्धारित तिथी को सुबह 9.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक

मतगणना एवम् चुनाव परिणाम :- मतदान स्थल पर मतदान के पश्चात

नोट:- 1. मतदान केंद्र का निर्धारण नामांकन प्रक्रिया के बाद आवश्यकता अनुसार निर्धारित किया जायेगा।

2. निर्विरोध होने वाले जिला अध्यक्ष को उसी दिन शपथ दिलाई जायेगी।

पुरूषोत्तम लाल जांगिड, मुख्य चुनाव अधिकारी, प्रदेश सभा महाराष्ट्र

योग जीवन की आनन्दानुभूति का प्राणाधार है

आज विज्ञान ने जितनी उन्नति की है यह हमारे लिए गौरव का विषय है लेकिन इसके विपरित इस आधुनिक युग में इसका युवाओं की सेहत पर दुष्प्रभाव भी पड़ रहा है और इसका प्रमुख कारण यह है कि समय का कृत्रिम अभाव जिसके कारण आज लोग अनेक प्रकार की बीमारियों का शिकार हो रहें हैं। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि आज का युवा बहुराष्ट्रीय कंपनियों में काम करते हुए अपनी सेहत को जो नुक़सान पहुंचा रहा है उसकी भरपाई कर पाना दुष्कर कार्य है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी करने वाले युवाओं को नौकरी के साथ साथ बाहर का खाना भी खाना पड़ता है ।जो किसी भी तरह से सेहत के लिए उपयोगी नहीं है और वह अपनी नियमित दिनचर्या का पालन न करने के कारण अनेक बीमारियों की जकड़ में आ रहें हैं।

इसी लिए कहा गया है कि करो योग और रहो निरोग' और अधिकतर लोग इस धारणा को मानते हैं कि' पहला सुख निरोगी काया-दूसरा सुख धन और माया।' अगर सेहत ठीक नहीं है तो धन और माया का कोई उपयोग नहीं कर सकता है। इस लिए समय रहते हुए अगर सार्थक प्रयास नहीं किए गए तो आपके पास पछताने के सिवाय कुछ भी नहीं बचेगा। इस लिए रामबाण रुपी अमृत यानि योग को आत्मसात करो और रोगों को दूर भगाएं। इस लिए यह नियम बनाए पहले योग उसके बाद भोजन।

आज मैं आपको पेट से संबन्धित रोगो के निराकरण के लिए कुछ आसनों का वर्णन करुंगा। आज मैं उत्तानपाद आसन के बारे में उल्लेख करुंगा। जैसा कि आप जानते हैं कि पेट जो कि हमारे शरीर का एक इंजन है और अगर इंजन फेल हो गया तो गाड़ी वहीं रुक जाएगी। पेट के ठीक होने पर ही हमारा स्वास्थ्य निर्भर करता है। जिसमें आमाश्य, येंत प्लीहा,पिताशय अग्नाशय आंते इन सबका समूह है। आजकल पेट की बीमारियां बहुत अधिक लोगों को हो रही हैं। जैसे गैस का बनना, कब्ज ,अपच तथा वायु गोला एक मुख्य समस्या है इसके अतिरिक्त नाभि का सन्तुलन बिगड़ना भी पेट की बीमारी को निमंत्रण देता है।

उत्तानपादासन आसन--- उत्तानपादासन आसन करना पेट की बीमारी में रामबाण का कार्य करता है और यह आसन करने की विधि इस प्रकार से है।

1- सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं और हथेलियों को भूमि की और रखे तथा दोनों पंजे मिले हुए होने चाहिए।

2- अब श्वास भरकर पैरों को धीरे-धीरे 30 डिग्री तक ऊपर उठाएं और कुछ समय लगभग 15-20 सकैण्ड तक और उसके पश्चात फिर श्वास खाली करते हुए पैरों को धीरे धीरे नीचे की और ले आएं और यह प्रक्रिया कम से कम 6-7 बार दोहराएं ।

सावधानियां -जिनको कमर में दर्द है उस व्यक्ति को यह आसन एक-एक पैर से करना चाहिए।

लाभ- इस आसन के करने से नाभि का सन्तुलन बना रहता है। जो मोटा व्यक्ति होता है उनके द्वारा यह आसन के करने से उसका मोटापा कम होना शुरू हो जाता है। इसके अतिरिक्त यह आंतों को भी सक्रिय करता है और इसके साथ ही गैस और कब्ज को दूर करने में सहायक है। जठराग्नि को प्रदीप्त करता है। पेट के विकारों को दूर करने में यह आसन भरपूर रुप से सहायक है।

योगाचार्य बजरंग जांगिड

17 सितंबर देवलिया कला तहसील भिनायशाखा सभा के पदाधिकारियों शपथ दिलाई गई

भगवान विश्वकर्मा की जयंती के पावन अवसर पर देवलिया कला तहसील भिनाय शाखा सभा महिला शाखा सभा तथा युवा प्रकोष्ठ का शपथ ग्रहण समारोह भगवान श्री विश्वकर्मा दिवस के पुनीत अवसर पर बहुत ही हर्षोल्लास के साथ संपन्न किया हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष संजय हर्षवाल व अध्यक्षता महासभा के सलाहकार श्री गोपाल चोयल ने की। कार्यक्रम के शुरू करने से पहले भगवान विश्वकर्मा की आरती और वंदना की गई। संजय हर्षवाल और श्रीगोपाल चोयल द्वारा भिनाय महाविद्यालय की अध्यक्ष चुनी गई सुश्री रेखा जांगिड को भी सम्मानित किया गया। इसके साथ ही व्यावर के दो पत्रकारों को भी सम्मानित किया गया।

भगवान विश्वकर्मा दिवस की बधाई देते हुए संजय हर्षवाल ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा ने इस विश्व को कला और शिल्प का ज्ञान दिया जिसको आत्मसात करके आज इस समाज ने भी बहुत अधिक तरक्की की है। उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा ने इस सृष्टि का निर्माण करने के साथ साथ बड़े बड़े प्रसादों और अस्त्र शस्त्रों का भी निर्माण किया है और इस कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है जहां भगवान विश्वकर्मा के द्वारा किए गए कार्यों का प्रतिबिंब स्पष्ट रूप से परिलक्षित न होता हो। उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा ने ही शिव पुत्र गणेश के फेरे सम्पन्न करवाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था और यह इस बात का प्रतीक है कि वह एक प्रकाण्ड पंडित भी थे। उन्होंने नीट रीट और 10वीं और 12 वीं कक्षा में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले विधार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना भी की।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि बसंत गोपाल मुख्य चुनाव एंव प्रभारी राजस्थान कमल कोठारी , मोहनलाल लदोया, ब्रह्मदेव शर्मा, प्रहलाद विजयनगर कन्हैया लाल, उपप्रधान महासभा गौरीशंकर कासलीवाल, उपप्रधान महासभा नरेंद्र गोठवाल, प्रचार मंत्री महासभा लक्ष्मण श्रीधर, महासभा महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा उबाणा, युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष नवीन जांगिड जिला युवा प्रकोष्ठ अजमेर के जिला अध्यक्ष धर्मेद्र महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष श्रीमती सविता अजमेर ,महिला शाखा अध्यक्ष श्रीमती मंजू, महिला जिला मंत्री मीनू शर्मा किशनगढ़, महिला शाखा अध्यक्ष किशनगढ़ श्रीमती भंवरी देवी महिला शाखा अध्यक्ष केकड़ी महिला शाखा अध्यक्ष ब्यावर भी उपस्थित थे।

महासभा के मुख्य सलाहकार गोपाल चोयल द्वारा कार्यक्रम का प्रारंभ करते हुए शाखा सभा भिनाय शाखा के संरक्षक सदस्यों को मनोनयन पत्र प्रदान किए गए । इसके पश्चात युवा प्रकोष्ठ का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ गोपाल चोयल व धर्मेद्र जांगिड द्वारा युवा प्रकोष्ठ को पद व गोपनीयता की शपथ दिलवाई। इसके पश्चात महिला शाखा को श्रीमती सविता व श्रीमती पुष्पा द्वारा पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

जिला मंत्री धर्मवीर जांगिड़ द्वारा भिनाय तहसील के दो परिवारों की आर्थिक हालत ठीक न के कारण उनकी सहायता करने का मंच से निवेदन किया गया और सुझाव दिया कि इन परिवारों को प्रतिमाह आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई जाए ताकि वह अपना जीवन यापन कर सकें। जिला मंत्री के अनुरोध पर श्री

महादेव चोयल चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा दोनों परिवारों को 1500 रुपए प्रति परिवार प्रत्येक माह दोनों परिवारों को पेंशन के स्वरूप देने का सराहनीय कार्य गोपाल चौहान द्वारा किया गया। उल्लेखनीय है कि महादेव चोयल चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा वर्तमान में अजमेर के 18 परिवारों को नियमित रूप से 1500 रुपए प्रति माह के हिसाब से पेंशन दी जा रही है

राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष संजय हर्षवाल ने जिला मंत्री धर्मबीर जांगिड द्वारा एक और परिवार को आर्थिक सहायता दिए जाने का अनुरोध स्वीकार करते हुए उस परिवार को भी प्रदेश सभा राजस्थान द्वारा 1000 रुपए प्रति माह पेंशन उपलब्ध करवाने का वादा किया गया। संजय हर्षवाल ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश सभा द्वारा ऐसे 37 परिवारों को 1000 रुपए प्रति माह के हिसाब से पेंशन दी जा रही है।

इस कार्यक्रम में प्रतिभावान छात्र एवं छात्राओं छात्रों को भी सम्मानित किया गया जिन्होंने नीट रीट तथा 10वीं व 12वीं कक्षा में बेहतर अंक हासिल करके आशातीत सफलता प्राप्त की है।

मंच का संचालन राजेंद्र मारोठिया उपप्रधान महासभा के उप प्रधान राजेंद्र मारोठिया व जिला मंत्री धर्मवीर जांगिड द्वारा बहुत ही बेहतरीन तरीके से किया गया

संजय हर्षवाल व श्री गोपाल चोयल द्वारा शाखा सभा के अध्यक्ष रामेश्वर सीदड़, महिला अध्यक्ष श्रीमती इंदु बाला, युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष बाबूलाल हर्षवाल को इस बेहतरीन कार्यक्रम के सफल आयोजन की बधाई और शुभकामनाएं दी तथा कार्यक्रम को इतना व्यवस्थित बनाने के लिए भिनाय तहसील के समाज बंधुओं ,युवा प्रकोष्ठ की टीम, महिला प्रकोष्ठ की टीम, व शाखा सभा की पूरी टीम को भी बधाई दी। कार्यक्रम का समापन शांति पाठ वह राष्ट्रगान के साथ संपन्न हुआ।

सविता जांगिड, अजमेर।

कैलाश चन्द्र शर्मा गुजरात के प्रदेशाध्यक्ष बने

गुजरात प्रदेश अध्यक्ष के लिए 16 अक्टूबर को निष्पक्ष, लोकतांत्रिक और शान्ति पूर्वक चुनाव सम्पन्न हुए और इस चुनाव में सूरत के कैलाश चन्द्र शर्मा विजयी घोषित किए गए हैं। उनकी विजय की घोषणा मुख्य चुनाव अधिकारी प्रवीण शर्मा ने की। विनम्रता और शालीनता की प्रतिमूर्ति कैलाश शर्मा मूल रूप से राजस्थान के गांव पुजारी का बास जिला सीकर के रहने वाले हैं। इन्होंने सन् 1982 में गुजरात के सूरत को अपनी कर्मभूमि बनाया और कन्सट्रक्शन जगत में कदम रखा और अपने अथक परिश्रम और पुरुषार्थ से कई वर्षो की मेहनत के पश्चात् सूरत में श्री बाला जी सिरामिक के नाम से एक प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान स्थापित किया है जिसने अपनी एक विशेष पहचान बनाई है।इनकी धर्म पत्नी श्रीमती मुन्नी देवी धार्मिक विचारों से ओतप्रोत है। पिता महादेव प्रसाद शर्मा और मां श्रीमती मनभरी देवी जांगिड का भी इन्हें आशीर्वाद मिला जिससे सफलता हासिल हुई।

गुजरात के नवनियुक्त अध्यक्ष कैलाश चन्द्र शर्मा

कैलाश चन्द्र शर्मा ने कहा कि वह निष्पक्ष भाव से अपने दायित्व का निर्वहन करेंगे और समाज ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है उसका सत्य निष्ठा पूर्वक तरीके से पालन करेंगे। उन्होंने सभी मतदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए समाज हित में कार्य करने के लिए सभी के सहयोग की मनोकामना की है

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा और महामंत्री सांवरमल जांगिड ने कैलाश चन्द्र शर्मा को उनकी विजयश्री पर बधाई देते हुए कहा है कि वह समाज के सभी लोगों के भरसक सहयोग और समर्थन से समाज के लोगों की और विशेषकर युवा पीढ़ी का मार्ग दर्शन करते हुए समाज के लोगों की आशाओं और आ कांक्षाओं पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास करेंगे। आपके कार्यकाल की सफलता के लिए बधाई और शुभकामनाएं। संचालन महासभा प्रवक्ता प्रवीण शर्मा ने किया, श्री कैलाश चंद शर्मा गुजरात प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित घोषित हुए।

महामंत्री सांवरमल जांगिड, प्रवीण शर्मा मुख्य चुनाव अधिकारी

आज पुश्तेनी काम करने वालों पर दिखावे का कहर

जो व्यक्ति जैसा भी कार्य करता है उससे उसकी विशेष पहचान बन जाती हैं और इसी काम के कारण ही हमारी मूल पहचान होती हैं और यही कारण है कि सदियों से अपने पूर्वज नाम से पहले अपने काम की कला की वजह से ही पहचाने जाते थे और आज भी ऐसा ही हैं। लेकिन आज कुछ परिस्तिथियां परिवर्तन शील जरूर हुई हैं और आधुनिकता की इस चकाचोंद में आज का इंसान अंधा होने के कगार पर है। केवल मात्र और मात्र पैसों को महत्व देना और बिना मेहनत और कला के ज्ञान के वह एक तरह से अपने पुश्तेनी काम पर कहर बरपाने जैसा हैं।

आजकल हर बेटी के माता-पिता के मन में एक धारणा घर कर गई है कि उसे अपना दामाद किसी सरकारी नौकरी या मल्टीनेशनल कम्पनी या की बिजनेस करने वाला चाहिए। अगर कोई रिश्ता लेकर आये और पता चले कि लडका अपना पुश्तेनी कलात्मक कार्य करके अपनी मेहनत और परिश्रम से पैसा कमाता है तो लड़की वाले अपना नाक भी सिकोड़ लेते हैं। जैसे लड़का कोई अपराधी हो या उसने बहुत बड़ा घोर अपराध किया है। जब उनसे कोई पूछे कि आपका बेटा क्या करता हैं तो कहेंगे वह भी अपना पुश्तैनी काम ही करता है पर उन्हें दामाद पुश्तैनी कार्य करने वाला नहीं चाहिए। क्यों भाई क्या खराबी हैं अपने पुश्तेनी कार्य में, अपने पूर्वज भी तो अपने परिश्रम के बल पर इसी पुश्तैनी कार्य को करते हुए यहाँ तक पहुंचे हैं और अपनी कला और संस्कृति को जीवंत बनाए रखा है।

मैं समझती हूं कि जीवन में प्रगति और तरक्की करना अच्छी बात हैं लेकिन वह तरक्की किसी भी काम की नहीं है, जिसमें अपना स्वार्थ छिपा हो और केवल अपना ही भला हो और अपनी तरक्की हो। समाज का भला और उन्नति तो केवल इस बात पर निर्भर करती है कि जिसमें अपने साथ-साथ समाज का भी उद्धार करें। मेरी यह धारणा यह है कि अपने पुश्तेनी काम को चाहे कुछ भी हो उसको हीन दृष्टि से नहीं देखना चाहिए और मेहनत और परिश्रम करके कमाना यह कोई चोरी या आपराधिक कार्य नहीं है बल्कि खानदानी व कलात्मकता से परिपूर्ण बेहद सम्मानजनक कार्य हैं इसे आत्मसात करने में शर्म कैसी ? मेरा मानना है कि अपना कार्य करने में और अधिक कुशलता लाने के लिए पुरानी और नई तकनीक में आपस में सामंजस्य स्थापित करने की आवश्यकता है जिससे उसकी कलात्मक अभिव्यक्ति और अधिक जींवत और सजीव और सुंदर हो उठती है। आज जमाना बदल रहा है इस लिए पुरानी मान्यताओं को भी बदलना होगा। इसलिए आज समाज के लोगों ने अपने बच्चों को पढ़ाना शुरू कर दिया है ताकि वह अपने सपनों को साकार कर सकें।

पढ़ाई का अर्थ सिर्फ सरकारी नौकरी हासिल करना नहीं है बल्कि पढ़ाई के माध्यम से आधुनिक युग में आ रही चुनौतियों का मुकाबला करने में दक्षता हासिल करके अपने आप को सक्षम बनाना है। शिक्षा के समावेश के माध्यम से ही हम अपने कार्य में और अधिक दक्षता ला सकते हैंलेकिन ऐसे दुष्प्रचार से पुश्तेनी कार्य पर बुरा प्रभाव पड़ता हैं। जिस काम को लेकर हमारे पूर्वज गर्व की अनुभूति करते थे उसी काम को लेकर आज की युवा पीढ़ी शर्म से पानी पानी हो जाती हैं। लेकिन समाजवाद और सामुहिक आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने में पुश्तैनी कार्य की भूमिका कोई आज भी नकार नहीं सकता है। कहने को तो हम आजाद हैं लेकिन मानसिक गुलामी आज भी कायम हैं। इस गुलामी से भी आजादी जरूरी हैं और पुश्तेनी काम को चाहे वह किसी भी वर्ग या जाति से संबंधित है जब तक पूरा मान-सम्मान नहीं मिलता

तब तक हमारी साधना अधूरी हैं।

मैं यहां पर स्पष्ट रूप से कहना चाहती हूं कि इस विषय में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सामाजिक संस्था चलाने वाले लोगों के साथ हम सभी का दायित्व है कि उन्हें अपने जांगिड समाज के गौरवपूर्ण इतिहास और उसकी कला संस्कृति के बारे में युवा पीढ़ी को अवगत करवाने के साथ साथ ऐसे कार्य करने वाले लोगों को प्रोत्साहित करना चाहिए । शादी विवाह तो मात्र एक संजोग हैं जहां पर परमात्मा ने संजोग लिखा है वहीं पर पावन रिश्ता जुडेगा। लेकिन पुश्तैनी कार्य करने वाले लड़के को अपनी लड़की देकर अपने गौरव और कला को और अधिक मान सम्मान देने से प्रतिष्ठा बढ़ेगी इसके साथ ही कला का विकास भी होगा। वरना ऐसी नकारात्मक सोच के कारण आने वाली पीढ़ी अपने ही पुश्तैनी कार्य से घृणा करने लगेंगीं और जिस कार्य को छोटा समझकर छोड़ रहें हो उसे दूसरे लोग अपना कर तरक्की कर रहें हैं। इस लिए काम कोई छोटा बड़ा नहीं होता बशर्ते अपने काम को बड़ी ईमानदारी से किया जाए।

अपने काम को उचित सम्मान देना किसी क्रांति से कम नहीं है। लेकिन उसमें पुरातन और नवीनता का सामंजस्य स्थापित होना चाहिए और अपने काम से प्रेम करो और यही प्रेम सफलता की पहली सीढ़ी है। हमेशा सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए और शादी विवाह में किसी के काम को लेकर अपनी कोई प्रतिक्रिया व्यक्त न करें। आने वाले समय में रोजगार के अवसर कम हो रहें हैं और ऐसे में एक हुनरमंद इंसान अपना और अपने परिवार को पालने के लिए जी सकता है कि उसको अपने पुश्तैनी काम का सहारा फिर से लेना पड़ सकता है। इसलिए मेरा अपना सुझाव है कि अपने पुश्तेनी काम पर दिखावे के कहर मत ढाने दो और हां इसमें आधुनिकता का समावेश अवश्य ही करें तभी जमाने के साथ आगे बढ़ कर आने वाली चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। इस लिए अपना पुश्तैनी काम करने वालों को बढ़ने का अवसर अवश्य देना चाहिए ताकि वह अपनी अलग से एक नई पहचान कायम कर सकें ।

ममता शर्मा पाली

जगत राम जांगिड कर्नाटक के प्रदेशाध्यक्ष बने

कर्नाटक के नवनिर्वाचित अध्यक्ष जगत राम जांगिड ने अपने प्रतिद्विंदी श्री बाबू लाल शर्मा से 111 मतो से विजय घोषित किया गया मुख्य चूनाव प्रभारी श्री विद्या सागर गुड़गांव ने इनको पद और गोपनीयता की शपथ दिलवायी अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा इनके विजय होने पर शुभ कामनाए प्रेषित करते हुए उनके यशस्वी कार्यकाल की मंगल कामना करती है ।

कर्नाटक के नवनिर्वाचित अध्यक्ष जगत राम जांगिड का महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा द्वारा स्वागत किया गया । अक्टूबर 16 बैंगलुरू।

कर्नाटक के नवनिर्वाचित अध्यक्ष जगत राम जांगिड का प्रदेश अध्यक्ष बनने के पश्चात् फूल मालाओं से स्वागत करते हुए। अक्टूबर 16 बैंगलुरू।

जांगिड विकास समिति द्वारा 300 प्रतिभाओं का सम्मान किया गया

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि आज यहां जिन छात्र एवं छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जा रहा है उन्होंने अपने पुरुषार्थ और लगन के साथ मेहनत करके पुरस्कार हासिल किया है। उन्होंने इन सभी के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करते हुए कहा कि आप सभी अपने अपने क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धि हासिल करके अपना तथा समाज का नाम रोशन करेंगे।

रामपाल शर्मा जांगिड विकास समिति दादी का फाटक जयपुर द्वारा आयोजित 14 वें प्रतिभा सम्मान समारोह में 25 सितंबर को प्रतिभाओं को सम्मानित करने के अवसर पर उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर समाज की छात्राओं द्वारा शानदार संस्क्रतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिससे प्रसन्न होकर श्रीमती आराधना शर्मा, श्रीमती कृष्णा रामपाल श्रीमती स्मिता ने छात्राओं को माला पहनाकर और नगद पुरस्कार राशि देकर उनका मनोबल बढ़ाया।

राष्ट्रीय प्रधान रामपाल शर्मा ने अपने उद्धबोधन में कहा की उन्हें अनेक सामाजिक कार्यक्रमों में जाने का सुअवसर मिला है, लेकिन जांगिड़ विकास समिति, दादी का फाटक जयपुर द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जिस प्रकार की एकजुटता की भावना के साथ अनुशाशित तरीके से एक ड्रेस कोड, सुव्यवस्थित मंच संचालन सभी व्यवस्थाएं समिति कार्यकर्ताओं ने संभाल रखी है और समाज के पधारे महानुभाव और मातृशक्ति बड़ी संख्या में इतने लंबे समय तक पांडाल में विराजे हुए है और यह देखकर उन्हें असीम आनन्द की अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा की अगर भविष्य में भी समिति जिस समय उन्हें याद करेगी तो मैं इस कार्यक्रम में आवश्यक रूप से सम्मिलित होने का हर संभव प्रयास करुंगा। उन्होंने समारोह में पधारे सभी भामाशाहों का हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने इस कार्यक्रम में आर्थिक सहयोग देकर समाज के उत्थान का मार्ग प्रशस्त किया है।

समाज के होनहार और प्रतिभावान छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए जांगिड विकास समिति दादी का फाटक, जयपुर के सौजन्य से 25 सितंबर को 14वा प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन राष्ट्रीय प्रधान श्री रामपाल जी शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। समारोह में समाज के उधोगपति और भामाशाहों में अशोक शर्मा यूनीक पावर टैक्नालाजी के अशोक शर्मा, श्रीमती आराधना शर्मा, मारुति कास्टिंग के नंदकुमार शर्मा, आर. डी. शर्मा एण्ड एसोसिएटस के रामदयाल शर्मा, श्री दामोदर कोच क्राफ्ट लिमिटेड के गिरधारी लाल जांगिड, सागर ट्यूबवेल कंपनी के सुभाष जांगिड़ डॉ. सुरेन्द्र जांगिड़ रीषिक अस्पताल के डॉ. सुरेन्द्र जांगिड, नव इम्पीरीअल अस्पताल के डा महेश जांगिड, सैवी कॉर्पोरेशन के हजारी लाल जांगिड, विश्वकर्मा सॉ मिल्स के पूर्ण चंद जांगिड, भगवती वुड क्राफ्ट के सुभाष शर्मा जांगिड, एस. डी. मशीन टूल्स के घनेन्द्र शर्मा, श्री बालाजी आर्ट एण्ड क्राफ्ट के सभाष श्री सुभाष शर्मा (भव्य कन्स्ट्रक्शन कंपनी), श्री गिगराज जांगिड, जांगिड इंजीनियरिंग वर्क्स के गिगराज शर्मा, कन्स्ट्रक्शनस कंपनी के नवीन कुमार शर्मा ने समारोह की शोभा को द्विगुणित किया।

इसके अतिरिक्त विश्वकर्माएजुकेशन ट्रस्ट की अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा रामपाल, अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा, प्रदेशसभा राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष संजय हर्षवाल, पश्चिम बंगाल के प्रदेशाध्यक्ष सुशील शर्मा, महासभा युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल शर्मा, प्रदेशसभा राजस्थान महिला प्रकोष्ठ की प्रादेशाध्यक्ष श्रीमती स्मिता जांगिड, जिला सभा जयपुर के जिलाध्यक्ष बाबूलाल शर्मा एवं अन्य सभी सामाजिक संस्थाओं के अध्यक्ष एवं प्रतिष्ठित समाजबंधु व भामाशाहो की गरिमामयी उपस्थित रही।

इस समारोह में लगभग 300 प्रतिभाओं को माला, प्रशस्ति पत्र, उपयोगी पुस्तके, बैग एवं कक्षा 8, 10 व 12 वी के प्रथम व द्वितीय स्थान पर आने वाले छात्र छात्राओं को गोल्ड व सिल्वर मेडल देकर भामाशाहों

द्वारा सम्मानित किया गया। समारोह में पधारे भामाशाह यूनीक पावर के अशोक शर्मा द्वारा 21 साइकिले तथा आर. के. सिटीलाइट के रत्न सिंह जांगिड द्वारा 24 लैपटॉप टेबल डायरी बच्चों को प्रदान की गई जो इस कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। की प्रतिभाओं का मनोबल बढ़ाने के इस पुनीत कार्य में अपना योगदान देते है।

बड़े सुव्यवस्थित तरीके से मंच संचालन टीम के कैलाश शर्मा साली वाले, चंद्रदत्त जांगिड़ व चंद्रकांत शर्मा को साफा, माला व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। साथ ही समिति के अध्यक्ष कैलाश चंद जांगिड़ (आर.के.) को इस सफल आयोजन के लिए कार्यकारिणी के सदस्यों को धन्यवाद देते हुए कहा की इस प्रकार के आयोजनों से हम समाज को एक नई दिशा दे सकते है। उन्होंने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर भी जोर देते हुए मृत्यु भोज एवं भ्रूण हत्याओं को रोके जाने जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने के लिए आग्रह किया। अंत में समिति के अध्यक्ष कैलाश चंद जांगिड़ ने समारोह में पधारे सभी समाजबंधुओं, मातृशक्ति एवं अपनी कार्यकारिणी सहित सभी प्रतिभाओं को धन्यवाद दिया। जिन्होंने इस समारोह में पधार कर इस कार्यक्रम को सफल बनाया।

अंत में समिति के महामंत्री ने भी समारोह में पधारे सभी भामाशाह, मातृशक्ति एवं समाज बंधुओं का आभार व्यक्त किया और कहा की समिति समाज की प्रतिभाओंको मंच प्रदान कर उन्हे प्रोत्साहित करती है जिससे उनका मनोबल बढ़े व परिवार समाज व देश का नाम रोशन कर सके। समारोह में समाजसेवी शिक्षक रामेश्वर प्रसाद जांगिड़ एवं कार्यालय निकाय आयुक्त (हस्तशिल्प) वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली से सम्मानित आर्टिस्ट श्री कैलाश शर्मा (चीथवाड़ी) को समिति द्वारा सम्मानित किया गया।

सुधीर डरोलिया जयपुर।

रोहतक के पृथ्वी जांगिड ने मुक्केबाजी प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किया

गोल्ड जीतकर लौटने पर पृथ्वी का स्वागत

जयपुर में 24 से 29 सितंबर तक आयोजित की गई वेको इंडिया नेशनल द्वारा आयोजित बॉक्सिंग चौंपियनशिप में रोहतक के पृथ्वी जांगिड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इस प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किया और 1 अक्टूबर को रोहतक पहुंचने पर उसका भव्य स्वागत किया गया। इस खेल प्रतियोगिता की मेजबानी किक बॉक्सिंग एसोसिएशन ने की थी।

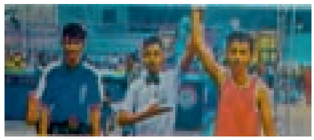
रोहतक के पृथ्वी जांगिड ने किक किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किया।

पृथ्वी जांगिड ने बताया कि जुनियर किक प्रतियोगिता के दो वर्गो में लाइट कान्टैक्ट और किक लाइट में उन्हें स्वर्ण पदक हासिल हुआ है। उनका फाइनल मुकाबला महाराष्ट्र के साहिल क्रोजिया के साथ हुआ था और उसमें उन्होंने आसानी से विजय हासिल करके जांगिड़ समाज और रोहतक जिले का नाम रोशन किया है। एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि अब उनका अगला निशाना एशियन और विश्व किक बॉक्सिंग चौंपियनशिप है और इन प्रतियोगिताओं में विजयश्री हासिल करके मैं अपने देश का नाम गौरवान्वित करना चाहता हूं।

पृथ्वी जांगिड ने बताया कि वह 10 वर्ष की आयु से ही बॉक्सिंग और किक बॉक्सिंग की तैयारी में जुटे हुए हैं और उन्होंने कोचिंग प्रमोद कटारिया से ली है और वर्तमान में वह । दीपक कोच से ट्रेनिंग ले रहे है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने पृथ्वी जांगिड की सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने बेहतरीन ढंग से खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल करके समाज का नाम गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी वह अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इसी प्रकार से अपनी खेल प्रतिभा का परिचय देते हुए देश का नाम रोशन करेगा।

जितेन्द्र जांगिड रोहतक

मिश्रिख-नैमिषारण्य आदि तीर्थ में भगवान विश्वकर्मा की महिमा

समाज बंधु गण, मिश्रिख- नैमिषारण्य तीर्थ विश्व का सबसे पुराना सतयुगीन तीर्थ है जहां इस सृष्टि के प्रथम माता पिता - मनु शतरूपा ने 33000 वर्ष तपस्या कर भगवान को प्राप्त किया। वस्तुत: इस सृष्टि का उद्‌भव नैमिषारण्य से ही हुआ है। यहां चक्रतीर्थ, ललिता देवी मंदिर, व्यास गद्दी, मनु शतरूपा समाधि, हनुमानगढ़ी, पांडव किला, देवदेवेश्वर मंदिर, रूद्रावत घाट, ब्रह्मा घाट, दशाश्वमेध घाट, हत्यारिन घाट, मिश्रिख तीर्थ, दधीचि मंदिर, सूत गद्दी, पुराण मंदिर, शक्ति धाम, अयोध्या, काशी कुंड, सीता कुंड, आदि गंगा गोमती आदि पवित्र स्थल दर्शनीय हैं। इसी स्थान पर चारों वेदों में 18 पुराणों की रचना की गई थी। इस प्रकार यह स्थान सनातन धर्म का मूल है।

मूल रूप से यह भगवान विश्वकर्मा की कर्म भूमि है जहां 88000 ऋषिओं की प्रार्थना पर भगवान विश्वकर्मा प्रकट हुए और महर्षि दधीचि की अस्थियों से अस्त्र बनाकर देवताओं को प्रदान किए, जिसमें से व्रज इंद्र को दिया।तब इंद्र ने उस व्रज से वर्तासुर राक्षस का अंत किया और स्वर्ग लोक सिंहासन पर पुन विराज सके । वैसे महर्षि दधीचि के अस्थि दान की कथा तो हम सभी को मालूम ही होगी। तदुपरांत पृथ्वी लोक व देव लोक पर देवताओं का पुन: आधिपत्य हो सका। वरना अमरत्व का वरदान पाने वाले वर्तासुर ने तो पृथ्वीलोक और देव लोक पर अपना अधिपत्य कर लिया था। इस प्रकार भगवान विश्वकर्मा की महिमा अपरंपार है.

परंतु दुख की बात है इस महान तीर्थ में भगवान विश्वकर्मा को भुला दिया गया और पंडों ने अपना आधिपत्य स्थापित कर लिया। यहां प्राचीन विश्वकर्मा मंदिर जीर्ण शीर्ण अवस्था में पड़ा हुआ था जिसको मैंने कुछ वर्ष पूर्व देखा और उसको जीर्णोद्धार करने का प्रण लिया। भगवान विश्वकर्मा एवं अंगिरा ऋषि के आशीर्वाद से उक्त संकल्प विगत 17 सितंबर 1922 को पूर्ण हुआ जब प्रथम तल तक मंदिर निर्माण कार्य पूरा होकर उसमें भगवान विश्वकर्मा की भव्य मूर्ति स्थापित हुई।

उक्त अवसर पर एक विशाल विश्वकर्मा पूजा कार्यक्रम हुआ जिसमें सभासद, पंचायत सदस्य, पंचायत अध्यक्ष, विधायक, मंत्री गण, पंडे, मठाधीश, एवं समाज बंधु आदि सम्मिलित हुए और सभी ने भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। इस प्रकार पंडों के आधिपत्य वाले इस क्षेत्र में भगवान विश्वकर्मा की पुन: प्रतिष्ठा हुई। भगवान विश्वकर्मा की महत्ता को देखते हुए यहां पर विश्वकर्मा पीठ की स्थापना की गई जिसका पीठाधीश्वर उज्जैन के अपने समाज के लोक विख्यात राम कथा व्यास श्री भगवान शरण बापू जी को बनाया गया है। इस अवसर पर शिल्प शक्ति पत्रिका के नैमिषारण्य विशेषांक का भी विमोचन मंत्री जी द्वारा किया गया। मंदिर के सामने से गुजरने वाले मार्ग का नाम भी विश्वकर्मा पीठ मार्ग किया गया। उपस्थित सभी महानुभावों ने भगवान विश्वकर्मा की महिमा का गुणगान किया जो कि हम सब विश्वकर्मा बंधुओं के लिए गौरव की बात है।

नैमिषारण्य तीर्थ में पूरे वर्ष भर भागवत कथा चलती रहती है और पूरे विश्व से यहा लोग आकर अपने पितरों के मोक्ष के लिए कथा पूजा अर्चना करते हैं। अब इस तीर्थ में अपना मंदिर और धर्मशाला बन गई है कभी भी कोई सज्जन वहां ठहर सकता है।

डॉ. सी पी शर्मा लखनऊ

एक सास द्वारा अपनी पुत्रवधू के बारे में प्रस्तुत किए गए उदगार जो आपको भाव विभोर कर देंगे

हमारे घर पुत्रवधू नहीं एक बेटी आई है।

आज मेरी खुशियों का कोई पारावार नहीं, क्योंकि मेरे घर आज एक बेटी आई है ।
माता पिता भाई बहन को छोड़ कर, इतना ही नहीं सखी सहेली छोड़ कर आई है।।
विदाई का मार्मिक दृश्य और मां की ममता और पिता का दुलार छोड़ कर आई है।
शगुन रूप में सिर के पीछे उछाले चावलों और, मां के आंचल को छोड़ कर आई है।।
शगुन के रूप में पैर के अँगूठे से चावल का भरा हुआ कलश लुढ़का कर घर आई है।
मेंहदी रची हुई दोनों पैरों में, महालक्ष्मी का रूप धरे हुए लक्ष्मी देवी मेरे घर में आई है।।
माता पिता के घर से डोली में बैठकर बहू का नाम लिए, एक बेटी मेरे घर में आई है।
माँ ने सजा धजा कर बड़े अरमानों से भेजा, दामाद साथ गठजोड़े में बंध कर आई है।।
उसी गठजोड़े में बेटे के साथ बँधी हुई, आँखो में सपनों का संसार लिये बेटी आई है।।
सजल नयन भर एक बेटी भी मेरे घर पर आई है, अपने विचारों की माला साथ लाई है।
गुड्डे गुड़ियों का संसार छोड़ कर जीवन का नया अध्याय पढ़ने बेटी सास के घर आई है।।
माँ पिता की गृहस्थी छोड़, अपना सब कुछ त्याग, पुत्रवधु से बेटी का रूप धरने आई है।
माँ के घर में उसकी बचपन की अठखेलियां और हँसी, बेटी बन कर यहां पर ले आई है।।
दीवार पर लगी तस्वीरों और एल्बम में, माँ उसका चेहरा पढ़ती होगी वह खुशियां लाई है।
जिस दिन से बेटी हमारे घर आई है, उसकी खुशी और उल्लास से भरी घड़ी यहां छाई हैं।।
हमने घर के आँगन में बेटी आने की खुशी में रंगोली सजाई है. एक बेटी. मेरे घर में आई है।
मैं जाना कि बेटी ने कभी माँ की रसोई में रोटी नहीं बनाई, यहाँ रसोई में खडी घबराई है ।।
जब से बेटी मेरे घर आई है खाना वह खुद बनाती है, प्यार से मेरे बेटे के दिल पर छाई है।
बेटी के रूप में खिलाकर, उसने सबसे प्रशंसा पाई है, एक बेटी. मेरे अपने घर में भी आई है।।
यहां देवर और ननद की चीज़ें देखकर, पुरानी स्मृतियां हृदय पटल और दिमाग पर छाई है।
अपनी सभी पुरानी बातें याद कर वह भावुक और संवेदनशील भाव विभोर होकर आई है।।
सभी बातें याद आती तो वह अपने आपको सँभालती है, बचपन की यादें ताजा हो आई हैं।
सखी सहेली और भाई बहन और बचपन को याद करके उसकी आंखें आज भर आई है।।
जैसे ही उसने अपने बचपन की अठखेलियां याद आई, बरबस ही आँखें छलछला आई हैं।
एक बेटी मेरे घर में आई है. मुझे बेटी की याद आने पर 'मै हूँ ना', कहकर खुशी दिलाई है ।।
बेटी का भाई उसे लेने आया है, लेकिन अपने घर जाने के नाम पर उसकी आंखें भर आईं है।
आज अपने माय के घर से फ़ोन आने पर आँखें चमक उठी, लेकिन तैयार होकर आई है।।
बेटी मेरे घर में भी आई है और बेटी के लिए पिता का आँगन छोड़ना बड़ा भारी बन आई है।
बेटे के. साथ अपने सपने सजाने आई है, मैं खुश हूँ, एक बेटी अपना घर बसाने यहां आई हैं।।
मैंने उसे अपनी बेटी बना कर पुत्रवधु की पहचान मिटाई है, एक बेटी आजमेरे घर पर आई है।
अपनी इच्छाओं को त्याग कर पुत्रवधु को, अपनी बेटी बनाकर सभी खुशिय ां लौट आई हैं।।

बिमला जांगिड हिसार।

शरद पूर्णिमा की सार्थकता और उसका धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व

हमारे तीज और त्यौहार अपनी सार्थकता और महत्व रखते हैं और उनके मनाने का उद्देश्य भी स्पष्ट होता है। शरद पूर्णिमा भी अपने में एक विशेषता छिपाए हुए है। शरद पूर्णिमा के बारे में यह कहा जाता है कि खुले आसमान में खीर रखकर खाने के पीछे क्या रहस्य है। जब हम इसका वैज्ञानिक कारण और धार्मिक महत्व को समझने का प्रयास करते हैं। अश्विन मास की पूर्णिमा को शरद पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है और यह शरद पूर्णिमा 9 अक्टूबर को मनाई गई और कहा जाता है कि इस दिन से शरद ऋतु का आगमन होता है।

शरद पूर्णिमा वर्षा ऋतु और शीत ऋतु के संधिकाल में पड़ती है। इसलिए इस दिन का धार्मिक के साथ चिकित्सकीय दृष्टि से भी सर्वाधिक महत्व भी है। आयुर्वेद में शरद पूर्णिमा की रात में चंद्रमा की रोशनी को अमृत के समान बताया गया है। मान्यता है इस रात चंद्र दर्शन नेत्र विकार दूर करता है और इस रात चंद्रमा की रोशनी में रखी गई खीर को खाने से रोग प्रतिरोधकता और आरोग्य में वृद्धि होती है इस शरद पूर्णिमा के पीछे के वैज्ञानिक और धार्मिक महत्व के बारे में विस्तार पूर्वक तरीके से जानने का प्रयास करते हैं।

शरद पूर्णिमा पर खीर खाने का वैज्ञानिककारण शरद पूर्णिमा की रात्रि में चंद्रमा अपनी पूर्ण कला में होता है और वर्षा ऋतु के बाद आसमान भी सबसे स्वच्छ अवस्था में होता है। इस रात में चावल और दूध से बनी खीर को चांदी ,तांबे, स्टील, मिटटी या कांच के पात्र में रख कर साफ कपड़े से बांध देना चाहिए। रात भर चंद्रमा की रोशनी में रख कर, इसे सुबह खाने से रोग प्रतिरोधकता शक्ति में अभिवृद्धि होती है। इसके पीछे वैज्ञानिक तर्क है कि दूध में लैक्टिक अम्ल होता है जो कि चंद्रमा की किरणों से रोगाणुनाशक शक्ति अर्जित करता है। चावल के स्टार्च के मिश्रण से ये प्रक्रिया और तेज हो जाती है। इस खीर को खाने से दमा, त्वचा रोग और श्वांस रोग में विशेष रूप से लाभ मिलता है। दूसरे दिन खाली पेट खीर का सेवन करना चाहिए और इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि इस खीर का सेवन सूर्योदय से पहले कर लेना चाहिए ताकि इसकी सार्थकता पूर्ण रूप से सिद्ध हो सके।

शरद पूर्णिमा पर खीर खाने का धार्मिक महत्व शरद पूर्णिमा के दिन दूध और चावल की बनी खीर विशेष रूप से प्रिय है। शरद पूर्णिमा की रात को चंद्रमा धरती के बहुत करीब होता है। जिसके कारण चंद्रमा से निकलने वाली तरंगों में मौजूद रासायनिक तत्व सीधे धरती पर आकर गिरते हैं। व्यक्ति को शरद पूर्णिमा की रात को कम से कम कुछ घंटों के लिए चन्द्रमा की शीतल चांदनी में बैठना चाहिए क्योंकि इस दिन बनने वाला वातावरण दमा के रोगियों के लिए विशेष लाभकारी माना गया है। शरद पूर्णिमा की रात किरणों को दर्पण के माध्यम से अपनी नाभि पर चांदनी की रोशनी ग्रहण करनी चाहिए ऐसी मान्यता है कि इस प्रक्रिया से पुनर्योवन शक्ति प्राप्त होती है और इसी प्रकार चांदनी रात में कम वस्त्रों में घुमने वाले व्यक्ति को चन्द्रमा की किरणों की उर्जा प्राप्त होती है जिससे स्वास्थ्य बेहतर स्वस्थ तथा बेहतर रहता है। शरद पूर्णिमा की रात्रि में चंद्रमा की तरफ एक टक निहारना या त्राटक करना या सुई में धागा पिरोने से नेत्रों की ज्योति बढ़ती है । शरद पूर्णिमा की रात को 10 से 12 बजे के बीच का समय जब चंद्रमा की रोशनी अपने चरम पर होती है इसलिए इस समय चंद्रमा के दर्शन जरुर करना चाहिए। इससे मानसिक शान्ति प्राप्त होती है।

रामजी लाल जांगिड, जयपुर

आत्म विश्वास का अभाव व सकारात्मक सोच

विश्व में कोई भी व्यक्ति तब तक सफलता प्राप्त नहीं कर सकता, जब तक उस कार्य को करने हेतु दृढ़ विश्वास न हो। जितना हम अपनी योग्यता और कार्यक्षमता पर विश्वास करेंगे, उतना ही हमारा जीवन सफल होगा, और जितना हमारी योग्यता पर अविश्वास करेंगे, उतना ही हम विजय की सफलता से दूर रहेंगे। दुनिया में जितने बड़े-बड़े आविष्कार हुए हैं अदभुत कार्य हो रहे हैं सब दृढ- विश्वास, लगन और अदम्य क्रिया शीलता का परिणाम है। आत्म-विश्वास में वह शक्ति है जो हजार विपत्तियों का सामना करके भी उन पर विजय प्राप्त की जा सकती है, यही आत्म विश्वास मनुष्य का सर्वोत्तम मित्र व सबसे बड़ी पूंजी। कार्य आरम्भ करने से पूर्व मनुष्य का यह दृढ विश्वास होना चाहिए कि मैं इस कार्य को अवश्य पूरा कर सकूंगा। जिस मनुष्य के मन में दृढ़ आत्मविश्वास और तीव्र अभिलाषा से भरा हुआ है, तब तक वह चैन से नही बैठता, और संतोष प्राप्त नहीं कर सकता। जब तक अपना उद्देश्य पूरा न कर ले चाहे कितनी भी कठिनाईया उसके मार्ग में व्यवधान डाले। हमारी मानसिक शक्तियॉ हमारे आत्मविश्वास व साहस पर निर्भर करती है कि वे हमारी दृढ इच्छा शक्ति के अधीन है दृढ आत्म विश्वास ही वह वस्तु है, जो हमें भीतर से प्रेरित करती है, यही हमारा आत्मा का बल है, यही हमारी आध्यात्मिक शक्ति है, यही हमारे मार्ग का पथ प्रदर्शक है। आत्मविश्वास मनुष्य की शक्तियों को संगठित करके उन्हें एक दिशा में लगाता है। शारीरिक मानसिक शक्यिां आत्म विश्वासी के सहारे नाचती है, जो अपनी शक्तियों का स्वामी है, नियन्त्रण कर्ता है सफलताएं स्वंय आकर उसके दरवाजे को खट खटाती है।

दुनिया में अपनी पहचान बनानी है तो आशा और उमंग का जीवन बिताना है, तो अपने आत्मविश्वास को जगाईये, उसे विकसित कीजिए। स्मरण रखिये कि आत्मविश्वासी को ही संसार स्थान देता हैं।

युवाओं में बार बार किसी भी कार्य के करने से जो आत्मविश्वास झलकता है, वही परिपक्वता का प्रतीक है, हमेशा अपनी सोच को सकारात्मक स्थिति में बनाए रखे, नकारात्मक भाव से हमेशा दूर रहें।

आप ऐसे लोगो से जरूर सम्पर्क में रहे होगें जो निरन्तर औरो की क्षमताओं के बारे में टीका टिप्पणी करते रहते है, ऐसे बेबात मीन-मेख निकालने वाले लोग आस्तीन के सांप होते है, इनके बकने की परवाह मत कीजिए, इनके भला-बुरा कहने से क्या फर्क पड़ता है, ऐसे लोग महान-पुरूष, सत सुकरात गलेलियो, स्वामी दयानन्द सारस्वती, विवेकानन्द जैसे भी शिकार हुए, लेकिन ऐसे व्यक्तियों की कभी परवाह नही की। इनकी बातों पर कभी ध्यान मत दीजिए। यदि भूल से भी विश्वास कर लेगे तो आप अपना आत्म-विश्वास खो देगे। कहा जाता है धन चला गया तो और कमाया जा सकता है, किन्तु खोया हुआ आत्म विश्वास लौट कर वापिस नहीं आता ऐसे लोगो से बचिए, अपना काम करते रहिए। दुनिया खुद नहीं बदलती बदली जाती है

अपनी क्रिया शक्तियों मे विश्वास व्यक्तित्व को फौलाद बना देती है, विश्वास मन का सेनापति है, इससे अन्य क्षमताए दुगनी तिगुनी हो जाती है, साहस हमारी सारी शक्तियों को संचालित करता है। बहुत से युवा इस लिए असफल हो जाते है, कि वे अपनी सरी क्षमताओं का उपयोग नहीं करते है, उनके मन में कहीं न कहीं चोर छुपा बैठा रहता है। असफलता-सफलता के बीच एक बहुत हल्की विभाजन रेखा है, जिन्हे अपनी क्षमता पर विश्वास होता है, वे पार कर जाते है, जिनकी शिकायत करने की आदत होती है, वे किनारे बैठे बैठे डूब जाते है।

हम हीन तभी होते है, जब अपने आप उन ऊचाईँयों से गिरा लेते है।

आपको पहले पहल यह लगे कि आप इतने योग्य नही है, जितने लोग आपको समझते है, किन्तु आप ऐसी आशंकाओं के फेर मे मत पड़िये जैसे रस्सी बार-बार आने-जाने से पत्थर पर भी निशान बन जाते है।

अपनी शक्तियों का सही मूल्यांकन कर बातावरण को अपने अनुकूल ढालने की कला का प्रथम पाठ आत्मविश्वास की पाठशाला में ही मिलता है।

मैं युवकों को एक मन्त्र देना चाहता हूँ कि अपने आप में विश्वास रखो, अपनी शक्तियों पर भरोसा करो। याद रखो कि तुम्हारे अन्दर वह शक्ति है, जो एक बार जागने पर कठोर परिश्रमी नही बल्कि आपको अपनी मंजिल पर पहुँचा देगी।

कदम ऐसा चलो कि निशान बन जाए
काम ऐसा करो कि पहचान बन जाए
यहाँ जिन्दगी तो सब जी लेते है
मगर जिन्दगी जिओ तो ऐसी
कि सबके लिए, मिशाल बन जाए।

जय हिन्द, धन्यवाद

सीता राम जांगिड, राष्ट्रीय पुरूस्कृत शिक्षक, जिला चुरू,
9460566417

होनहार

समाज के बच्चों में डॉक्टर बनने की अभिलाषा बलवती हो रही है और वह इस परीक्षा को ध्यान में रखते हुए कठोर परिश्रम भी कर रहे और इस वर्ष लगभग 30-35 बच्चों ने नीट की परीक्षा पास की है और इन सभी का डॉक्टर बनने का रास्ता प्रशस्त हुआ है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने अपनी और से तथा महासभा की तरफ से इन सभी के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करते हुए आशा व्यक्त की है कि वह अपना निर्धारित लक्ष्य हासिल करने में सफल होंगे। जिन बच्चों ने नीट की परीक्षा में सफलता हासिल की है उनका विवरण इस प्रकार से है। प्रतिभावान छात्र छात्राओ की सूची :-

1 संजय कुमार जांगिड पुत्र रिछपाल जांगिड माता श्रीमती कविता जागिड गांव बारवा तहसील नवलगढ जिला झुंझुनूं ने नीट परीक्षा मे 10216 वी रैंक हासिल करके जिला झुंझुनूं और समाज का नाम गौरवान्वित किया है।

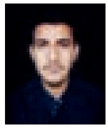
संजय कुमार जांगिड

2 युवराज जांगिड सपुत्र मनोज कुमार जांगिड एवं श्रीमती सुनिता जांगिड गांव चूरू ने नीट की परीक्षा मे 10329 वी रैंक हासिल करके समाज का नाम रोशन किया है और उसका डॉ. बनने का रास्ता प्रशस्त हुआ है।

युवराज जांगिड

3 भूपेंद्र कुमार जांगिड सपुत्र बगडा राम एवं श्रीमती गीतादेवी जालोर ने नीट की परीक्षा में 3872 वीं रैंक प्राप्त करके माता पिता तथा समाज का नाम गौरवान्वित किया है।

भूपेंद्र कुमार जांगिड

4 सुश्री ममता जांगिड सपुत्री मोतीलाल जांगिड एवं श्रीमती सुलोचना देवी जांगिड गांव सिद्धमुख नहर जिला चूरू ने नीट परीक्षा मे 10609 वी रैंक हासिल करके डॉ. बनने का सपना साकार किया है।उसको अग्रिम बधाई।

सुश्री ममता जांगिड

5 सुश्री तनु जागिड सपुत्री धर्मपाल जांगिड एंव श्रीमती मुकेश जांगिड गांव बनगोठडी जिला झुंझुनूं ने नीट परीक्षा में 6525 वी रैंक हासिल करके अपने जिला तथा जांगिड समाज का नाम विभूषित किया है।

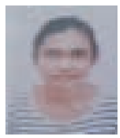
सुश्री तनु जागिड

6 सुश्री रूचिका जांगिड पुत्री सुरेश कुमार जांगिड एवं श्रीमती सुमनदेवी जांगिड गांव सोटवारा जिला झुंझुनूं ने नीट की परीक्षा में 2197 वीं रैक प्राप्त करके अपनी प्रखर प्रतिभा का परिचय देते हुए डा बनने के अपने सपने को साकार करने की दिशा में पहला सार्थक प्रयास किया है।

सुश्री रूचिका जांगिड

7. सुश्री ऋतु जांगिड सपुत्री राजेन्द्र जांगिड एंव श्रीमती विनिता जांगिड गांव सोटवारा जिला झुंझुनूं ने नीट की परीक्षा में 8722 वी रैंक हासिल करके गौरव हासिल किया है और यह उनकी अथक साधना और कठिन परिश्रम का फल है जो साकार हुआ है।

सुश्री ऋतु जांगिड

8. निखिल जांगिड सपुत्र संजय जांगिड तथा श्रीमती रचना देवी जांगिड गांव सोटवारा जिला झुंझुनूं ने नीट की परीक्षा में 1580 वीं रैंक प्राप्त करके माता पिता के सपनों को साकार करने की दिशा में एक ठोस कदम उठाया है। उसने जिला झुंझुनूं तथा समाज का नाम गौरवान्वित किया है।

निखिल जांगिड

9. सुश्री मिताली जांगिड पुत्री कृष्ण कुमार जांगिड तथा श्रीमती शकुन्तला देवी जांगिड गांव औलखा की ढाणी जिला झुझुनू ने नीट मे 1962, वी रैंक प्राप्त करके डॉक्टर बनने की दिशा में एक पहल करते हुए समाज तथा जिले का नाम गौरवान्वित किया है और अपने सपनों की उड़ान को हासिल किया है।

10. सुश्री अंशिका जांगिड पुत्री बजरंग लाल जांगिड, महासभा के उप प्रधान गांव पावटा ने नीट की परीक्षा में 10555 वी रैंक प्राप्त करके अपने सपनों को मूर्त रूप देने के साथ साथ सेवा ही धर्म का पालन करते हुए डॉ. बनने का फैसला किया है।

11. सुश्री जान्वी जांगिड पुत्री नरेश कुमार जांगिड तथा श्रीमती अंजु देवी जांगिड गांव दूजोद जिला सीकर ने नीट की परीक्षा मे 4158 वी रैंक प्राप्त करके अपने अभिभावकों के साथ साथ समाज तथा जिले का नाम रोशन करते हुए डॉ बनने की पहली-पहली सीढ़ी पार करते हुए सफलता की और कदम बढ़ाए हैं।

सुश्री जान्वी जांगिड

12. पवन कुमार जांगिड पुत्र ओम प्रकाश जांगिड गांव नवलाया (श्रीमाधोपुर) जिला सीकर ने नीट की परीक्षा में 239 वीं रैंक हासिल करके देश के किसी उत्कृष्ट मैडीकल कालेज में दाखिला मिलना सुनिश्चित किया है और इसके साथ ही मैरिट में स्थान हासिल करके अपने माता पिता की उम्मीदों पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास किया है।

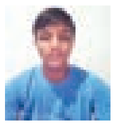
पवन कुमार जांगिड

13. कशिश जांगिड सुपुत्री पिता डॉ. राम चन्द्र जांगिड माता श्रीमती दीपिका जांगिडं गाँव शेखुपूर दड़ोली ब्लॉक भट्टू कलां जिला फतेहाबाद ने नीट की परीक्षा में 720 में से 657 अंक लेकर अपना डाक्टर बनने का सपना साकार किया है और नीट की परीक्षा में 3191 वां आल इंडिया रैंक हासिल किया।

कशिश जांगिड ने नीट की परीक्षा पास की

इन सभी भावी डाक्टरों के उज्जवल भविष्य की मंगल कामनाओं के साथ।

सांवरमल जांगिड, महामंत्री

बाल विवाह और बाल मजदूरी जैसी कुरितियों के विरुद्ध शंखनाद- पायल जांगिड

परमात्मा जिसे समाज सेवा और कुरितियों के खिलाफ आवाज बुलंद करने की ताकत देता उसके आधार पर कार्य करते हुए पायल जांगिड ने बाल विवाह के विरुद्ध शंखनाद करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी विशेष पहचान बनाई है । ऐसी सौभाग्य की धनी है गांव हींसला जिला अलवर की रहने वाली पायल जांगिड है जिन्होंने बाल विवाह और बाल मजदूरी के खिलाफ जिस समय वह छठी कक्षा में पढ़ती थी उस समय से ही इस क्षेत्र में कार्य करने का संकल्प लिया और यह संकल्प और संस्कार ही उसकी शक्ति बन गए जिसके कारण उन्हें विशेष पहचान मिली है।

इस कार्यक्रम से जुड़ने के उपरांत 15 अक्टूबर 2015 को वह स्टाक होम स्वीडन पहुंची और मुझे वहां पर स्वीडन की महारानी की और से शांति के लिए दिए जाने वाले अन्तर्राष्ट्रीय बाल पुरस्कार देने वाली ज्यूरी के सदस्य के रूप में शामिल की गई और जिनको 15 अक्टूबर को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। उनका मानना है कि बाल विवाह एक सामाजिक बुराई है जिसके कारण हजारों बच्चियों का जीवन बर्बाद हो रहा है और शिक्षा के अभाव के कारण वह बाल विवाह की वास्तविकता से कोसों दूर हैं। इस लिए इसे एक विशेष अभियान बनाने की जरूरत है।

बाल विवाह रोकने के प्रति अपनी स्मृतियों को दोहराते हुए पायल जांगिड ने बताया कि सन् 2012 में उनके गांव को बाल मित्र ग्राम के रूप में बाल सरपंच चुना गया। उस समय मैं गांव के ही स्कूल में छठी कक्षा में पढ़ती थी। नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी के बाल आश्रम से जुड़ी पायल जांगिड ने बताया कि उनके गांव में बाल आश्रम से जुड़े कार्यकर्ता आए और उन्होंने बालविवाह एवं बाल मजदूरी जैसी कुरितियों के बारे में बच्चों को अवगत करवाया और उस समय मुझे भी इस पंचायत में भाग लेने का मौका मिला और इस पंचायत में मैं सरपंच चुनी गई और हम सभी ने और हम सब ने मिलकर एक मुहिम शुरू की और गांव में जो भी बच्चा बाल मजदूरी करता है उसे

पायल जांगिड 2012 में डाल सरपंच चुनी गई

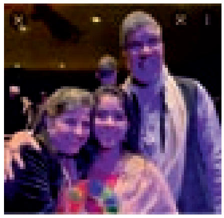

24 सितंबर 2019 को नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी और उसकी पत्नी से आशीर्वाद लेते हुए

उसको स्कूल से जोड़ा गया वह जहां पर भी बाल विवाह की सूचना मिलती वहीं पर पहुंचकर हमने लोगों को समझाने का काम किया और इसमें सबसे बड़ी समस्या यह रही कि जिस समय हम लोगों को समझाने के लिए जाते थे तो हमें डांट कर भगा दिया जाता था और इतना ही नहीं हमारे सामने दरवाजा बंद कर लिया जाता था और इतना ही नहीं वह लोग मेरे माता-पिता से निरंतर मेरी शिकायत करते रहते थे कि आपकी बेटी हमारे बच्चों को दिग्भ्रमित कर रही है ।

लेकिन परमात्मा के आशीर्वाद से और लोगों के मिल रहे सहयोग से मैंने कभी हार नहीं मानी और जहां पर भी भी बाल विवाह होता था उसके घर बार-बार जाकर उसके परिवार को समझाती थी और इतना ही नहीं बाल विवाह के खिलाफ हम निरंतर रैलियां निकालते रहते थे तथा लोगों को घर-घर जाकर समझाने का परिणाम यह हुआ कि हमारा साथ महिला मंडल और युवा मंडल ने भी देना शुरू कर दिया और लोगों को जागृत

करने के लिए इन सभी के कार्य की प्रेरणा मुझे मेरे गुरु और मार्गदर्शक श्रीमान कैलाश सत्यार्थी व श्रीमती सुमित्रा कैलाश सत्यार्थी से मिली। उन्होंने कहा कि मुझे इस कार्य के लिए प्रेरणा के साथ साथ पूर्ण सहयोग भी मिला। जिसके चलते मुझे सावधान इंडिया लाइफ ओके चैनल द्वारा जूनियर हीरो का अवार्ड गीता व काजल अग्रवाल द्वारा दिया गया। इसके साथ ही रिबॉक्स कंपनी द्वारा फिट टू फाइट अवार्ड भी मुझे अभिनेता शाहिद कपूर के द्वारा दिया गया। इतना ही नहीं सन 2019 में मुझे बिल व मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा न्यूयार्क अमेरिका में ग्लोबल गोलकीपर चैन्जमेकर अवार्ड से नवाजा गया। इसका परिणाम यह हुआ कि आज हमारे गांव व आसपास के गांव में एक भी बच्चा बाल मजदूरी नहीं करता है और न ही किसी का भी बाल विवाह होता है। मैं चाहती हूं कि जिस तरह से हमारा गांव बाल विवाह और बाल मजदूरी से मुक्त है जहां एक भी बच्चा बाल मजदूरी नहीं करता है।

उन्होंने कहा कि हमारी टीम के प्रयासों से अब तक अनेक बाल विवाह और सैकड़ों बच्चों को बाल मजदूरी से मुक्त करवाने का कार्य किया है और यद्यपि इस कार्य के करने में अनेक कठिनाइयां और मुश्किलों का सामना भी करना पड़ा है । लेकिन लोगों में धीरे-धीरे जागृति आने से उनको समझ में आने लगा है और उम्मीद है कि इन सब प्रयासों के परिणाम स्वरूप एक दिन ऐसा होगा कि न केवल हमारे गांव में अपितु राजस्थान में एक भी मामला बाल मजदूरी और बाल विवाह का सामने नहीं आयेगा।

मेरा जांगिड समाज के लोगों से भी विनम्र आग्रह है कि आप भी अपने बच्चों को बाल मजदूरी की आग में झोंकने का काम न करें। मैंने देखा है कि कई अभिभावक अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिलवाने की अपेक्षा अपने साथ काम पर लगा लेते हैं और फिर उसको लालच आ जाता है जिससे उन बच्चों का भविष्य बर्बाद हो जाता है । इस लिए इस विभिषिका से बचाने के लिए हमें समाज में जागृति पैदा करनी होगी तभी हमारे देश का भविष्य उज्जवल और शानदार होगा। आज मैंने स्नातक की पढ़ाई कर रही हूं लेकिन मेरे जीवन के उद्देश्य में आज भी कोई अन्तर नहीं आया है और मैं अपने माता पिता का आभार व्यक्त करना चाहती हूं कि माता पिता का आशीर्वाद सदैव ही मेरे सिर पर है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने पायल जांगिड को बधाई देते हुए कहा कि वह अपने परोपकार के मिशन में इसी प्रकार लगी रहेगी ताकि बच्चियों और बच्चों के भविष्य को बर्बाद होने से बचाया जा सके। मुझे उम्मीद है कि वह इस क्षेत्र में कार्य करते हुए देश और समाज का नाम रोशन करने का काम करेंगी।

सम्पादक

होनहार

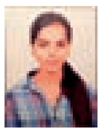
सुश्री महर्षि जांगिड पुत्री श्री रमेश कुमार जांगिड, सी.ए.फाइनल

सुश्री महर्षि जांगिड सुपुत्री रमेश कुमार जांगिड एवं श्रीमती संतोष जांगिड गांव कुशलपुरा ने अपने परिश्रम और सतत् पुरुषार्थ करते हुए कम्पनी सैक्रेटरी की फाइनल परीक्षा पास करके अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। उनके पिता रमेश कुमार जांगिड ने बताया कि उनकी बेटी की यह इच्छा थी कि वह कम्पनी सैक्रेटरी बन कर किसी प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करने के साथ-साथ समाज का भी नाम रोशन करे और उनकी यह मनोकामना भगवान ने पूरी कर दी है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने अपनी और से तथा महासभा की तरफ से महर्षि जांगिड को बधाई देते हुए कहा कि वह भविष्य में उसके सपने अवश्य ही साकार होंगे। मैं उसके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

धनतेरस दीपावली

सांवरमल जांगिड
महामंत्री

रामपाल शर्मा
प्रधान

गौवर्धन पूजा और भैया दूज

की हार्दिक शुभकामनाएं

धनतेरस, गौवर्धन पूजा और भैया दूज की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

मैं आपको और आपके परिवार को अपनी और से तथा महासभा की तरफ से भगवान धन्वंतरि जयंती, धनतेरस, गौवर्धन पूजा और भैया दूज की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। मां लक्ष्मी की कृपा दृष्टि आप पर सदैव ही बनी रहे। कुबेर आपके खजाने को धन धान्य से परिपूर्ण रखे और भगवान धन्वंतरि की असीम कृपा से आपका स्वास्थ्य उत्तम और सुखद तथा निरोग बना रहे ताकि आप समाज सेवा में अपना अमूल्य योगदान दे कर अपने सकारात्मक दृष्टिकोण से समाज को आगे बढ़ाने में निरंतर सहयोग प्रदान करते रहे ताकि वह समाज अग्रिम पंक्ति में खड़ा हो सके।

प्रधान रामपाल शर्मा।

वधू चाहिए

Wanted a suitable match for a jangid Brahmin boy, D.O.B. 21-08-1992, at 11:16 P.M.,Place of birth:- Chandi Mandir, Panchkula, Haryana. Residence:- 145, Sector 32, Ambala, Haryana. Ht- 6' 1", Education- Bachelor in Science (Computer science)Business:- Self employed Screen Printing.Shasan - Self - kaloniya Mother - lohaniya, Grandmother-Vashisht. Contact:- 7668972588 , 9457244883

हरिशंकर जांगिड राजस्थान ओबीसी वित्त एवं विकास निगम के सदस्य मनोनीत

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव हरिमोहन मीना ने हरिशंकर जांगिड़, को राजस्थान ओबीसी वित्त एवं विकास निगम का सदस्य मनोनीत किया है। उल्लेखनीय है कि हरिशंकर जांगिड समाज के उत्थान को लेकर समर्पित हैं और उन्होंने सामाजिक कुरूतियों को खत्म करने तथा समाज में शिक्षा के प्रति जागृति लाने में अहम भूमिका निभाई है।

प्रधान रामपाल शर्मा ने हरिशंकर जांगिड को उसकी नियुक्ति पर बधाई देते हुए कहा है कि वह इसी प्रकार से सत्य निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करते हुए अपने दायित्वों का भली-भाँति निर्वहन करेंगे। मैं उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूँ।

भीमराज जांगिड

हर्षित जागिड ने 10 वीं कक्षा में 92 प्रतिशत अंक हासिल किए

हर्षित जांगिड की रुचि बचपन से ही शिक्षा के क्षेत्र में श्रेष्ठता सिद्ध करने की रही है और उसने अपने इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अथक प्रयास और कठोर परिश्रम करके इस सपने को साकार करने का प्रयास भी शुरू कर दिया है। हाल ही में जो बी.एस.सी. के 10 वीं कक्षा के परिणाम घोषित हुए हैं जिसमें हर्षित ने 92 प्रतिशत अंक हासिल करके जांगिड समाज और माता पिता का नाम गौरवान्वित किया है।

हर्षित जागिड

हर्षित के पिता दिनेश कुमार जागिड भारतीय जीवन बीमा निगम में कार्यरत हैं और माता श्रीमती मीना जांगिड धार्मिक प्रवृति की है । हर्षित जांगिड, समाज के जाने माने कर्मठ समाज सेवक और समाज के गरीब लोगों की आवाज बुलंद करने वाले, मिलनसार प्रवृत्ति के धनी और मधुर भाषी सीकर निवासी सेवा निवृत्त लेखा अधिकारी और राजस्थान प्रदेश सभा के उपाध्यक्ष सांवर मल जागिड के पौत्र हैं।

उनके दादा सांवर मल जांगिड ने बताया कि हर्षित पढाई में हमेशा अव्वल दर्जे का रहा है । हर्षित ने पिपराली रोड सीकर के केन्द्रीय विद्यालय से 10 वीं की परीक्षा 92 प्रतिशत अंक हासिल करके उत्तीर्ण की है। हर्षित जांगिड ने सीकर स्थित डेफोडिल स्कूल साँवली रोड सीकर से नियमित छात्र के रूप मे यह परीक्षा दी और उसे यह सफलता हासिल हुई है।

हर्षित ने कहा कि वह बड़ा होकर भारतीय प्रशासनिक सेवा में जाना चाहता है ताकि देश की उन्नति और समाज की उन्नति में अपना अमूल्य योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि उन्होंने स्कूल के अतिरिक्त हर रोज 4 से 5 घण्टे नियमित रूप से पढाई करके यह सफलता हासिल की है और सफलता हासिल करने के लिए मेहनत ही वह रामबाण है जो सफलता का रास्ता प्रशस्त करता है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने हर्षित की सफलता पर बधाई देते हुए कहा है कि आज के बच्चे ही कल का भविष्य हैं इस लिए अपना सब कुछ दांव पर लगा कर अभिभावकों द्वारा बच्चों की शिक्षा पर विशेष बल दिया जाना चाहिए ताकि वह आधुनिक युग में चुनौतियों का सामना दक्षता पूर्वक कर सकें।

महासभा ने भी हर्षित जांगिड की दीर्घायु की मंगल कामना करते हुए कहा है कि वह भविष्य में शिक्षा के क्षेत्र में और नए कीर्तिमान स्थापित करते हुए समाज का नाम गौरवान्वित करेगा।

जिला सभा सीकर तथा श्री विश्वकर्मा कल्याण समिति सीकर ने भी हर्षित लदोया को बधाई देते हुए उसके सफल जीवन की मनस्कामना की है।

सम्पादक रामभगत शर्मा

अदिती आर्य ने 60 मीटर की दौड़ में स्वर्ण पदक हासिल किया

अदिति आर्य ने 60 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक हासिल किया।

खेलों के साथ एक प्रदेश और देश की प्रतिष्ठा जुड़ी हुई है। हरियाणा सरकार भी खेलों की तरफ विशेष ध्यान दिया जा रहा है और सरकार ने जो खिलाड़ियों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है और यह सर्वविदित है कि आज कल अनेक युवा खेलों को एक व्यवसाय के रूप में भी अपना रहें हैं और इन खेलों में भाग लेने वाले बच्चे कड़ी मेहनत और लगन तथा परिश्रम करके अपना भाग्य आजमाने के लिए कडी प्रतिस्पर्धा का मुकाबला कर रहे हैं। रोहतक के राजीव गांधी स्टेडियम में 3 अक्टूबर को सम्पन्न हुई 35 वीं हरियाणा एथैलेटिक चौम्पियनशिप में एस डी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय की 13 वर्षीय छात्रा अदिति आर्या ने जुनियर वर्ग में 60 मीटर की दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक हासिल किया है।

अदिति आर्या ने इस प्रतियोगिता को जीत कर न सिर्फ अपना और अपने परिवार का नाम रौशन किया है, बल्कि अपने स्कूल, जिला महेंद्रगढ़ का भी नाम रौशन किया है। अदिति के पिता जितेन्द्र कुमार जांगिड का कहना है कि बहुआयामी प्रतिभा की धनी अदिति पढ़ाई के साथ स्कूल की अन्य गतिविधियों में भी बचपन से ही हिस्सा ले रही है। उन्होंने यू के जी कक्षा में पड़ते हुए नृत्य प्रतियोगिता में रेवाड़ी और महेन्द्रगढ़ में भी बेहतर प्रदर्शन किया था।

उनके पिता जितेन्द्र जांगिड ने बताया कि अदिती ने 100 मीटर और 200 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में भी सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिला स्तर पर तीन बार प्रथम स्थान पर रही। इस सफलता के पीछे अदिति की मेहनत के साथ-साथ स्कूल के निदेशक जयदेव और कोच सोनु व प्रदीप की मेहनत, लगन और सहयोग का भरपूर योगदान रहा है। उसके स्कूल में सिंथेटिक मैदान नहीं होने की वजह से अदिती ने गुरु ग्राम में ताऊ देवीलाल स्टेडियम में एन आई एस के कोच नुपेश के मार्गदर्शन में अदिति ने कड़ी मेहनत की है ।

अदिति के पिता जितेन्द्र कुमार जांगिड ने आगे कहा कि देश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है बस कमी है तो केवल उचित मार्गदर्शन और समुचित साधन और उन प्रतिभाओं के निखारने की आवश्यकता है।उन्होंने हरियाणा सरकार से अपील की है कि प्रत्येक जिले के छोटे कस्बों में भी खेल स्टेडियम और सिन्थेटिक खेल के मैदान उपलब्ध करवाएं जाएं ताकि बच्चों को खेलों में आगे बढ़ने के सुनहरी अवसर उपलब्ध हो सकें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अगर प्रदेश में खेलों की बेहतरीन सुविधाऐं हों तो वो दिन दूर नहीं जब भारत पदक तालिका में चीन और अमेरिका जैसे देशों का मुकाबला करने में सक्षम हो सकेगा ।

अदिति की मां श्रीमती जांगिड ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि एक दिन अदिति देश के लिए भी दौड़ेगी ईश्वर करे अदिति हम सबके सपने को साकार करे। अदिति बेटी की कामयाबी पर पिता जितेन्द्र जांगिड और माता श्रीमती---- जांगिड ने सबका आभार व्यक्त किया है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने अदिति आर्या की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा है कि अभी उसने जुनियर वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया है और अपनी अथक साधना और कठिन परिश्रम के बल पर वह भविष्य में न केवल जांगिड समाज का अपितु देश का भी नाम गौरवान्वित करेगी। अदिति के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना।

रोशनी आर्या, गुरुग्राम

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री रामपाल शर्मा जी, (बैंगलोर)
1. कुल घोषित राशि 1.25 करोड
2. अब तक जमा राशि
   A स्वयं द्वारा 11+5=16 लाख
   B श्रीमती कृष्णा जी पत्नी 35 लाख
   C श्री दीपक जी पुत्र 10.21 लाख
   D श्री अमित जी पुत्र 10.21 लाख
   E श्री जगमोहन जी पुत्र 10.21 लाख
3. कुल जमा राशि =81.63 लाख
4. कुल देय राशि =43.37 लाख

श्री कैलाश चन्द्र बरनेला जी, (इन्दौर)
पूर्व प्रधान महासभा
91,00,000/-

श्रीमती कृष्णा देवी शर्मा जी
(पत्नी श्री रामपाल शर्मा जी)
बेंगलुरू 35,00,000/- कुल घोषित राशि 1.25 करोड का हिस्सा

श्री भंवर लाल जी कुलरिया
मुम्बई,
31,00,000/-

श्री एकलिंग जांगिड़ जी, सूरत महासभा भवन में लगने वाले सम्पूर्ण ग्रेनाइट आपकी ओर से देने की घोषणा की।

श्री मीता राम जांगिड जी,
मै.सुमित वुड वर्क्स लि.(मुम्बई)
21,00,000/-

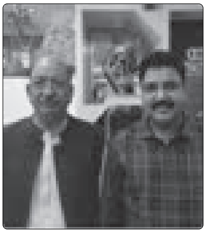

प्रमुख स्तंभ समाजसेवी
श्री रमेशचन्द शर्मा सरपंच जी एवं
श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा जी, दिल्ली
18,01,500/-

श्री रविशंकर शर्मा जी, (जयपुर),
पूर्व प्रधान महासभा
11,00,000/-

श्री ओम प्रकाश जांगिड जी
(सीकर, राजस्थान),
11,00,000/-

श्री लक्ष्मण जी जांगिड
(मुम्बई)
11,00,000/-

श्री लीलूराम शर्मा जी
चेयरमैन, जां.ब्रा.शिरोमणी सभा, दिल्ली
11,00,000/-

श्री गिरधारी लाल जांगिड जी
(मुम्बई)
11,00,000/-

श्री नवीन जी
(जयपुर)
11,00,000/-

श्री सीताराम शर्मा जी,
(बैंगलोर)
11,00,000/-

श्री दीपक शर्मा जी
(सुपुत्र श्री रामपाल शर्मा जी)
बेंगलुरू 10,21,000/- कुल घोषित राशि 1.25 करोड का हिस्सा

श्री अमित शर्मा जी
(सुपुत्र श्री रामपाल शर्मा जी)
बेंगलुरू 10,21,000/- कुल घोषित राशि 1.25 करोड का हिस्सा

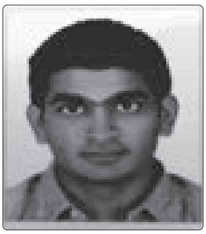

श्री जगमोहन शर्मा जी
(सुपुत्र श्री रामपाल शर्मा जी)
बेंगलुरू 10,21,000/- कुल घोषित राशि 1.25 करोड का हिस्सा

श्री अमरा राम जांगिड जी
दुबई, अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष
महासभा, 5,51,000/-

श्री भंवरलाल गुगरिया जी
(बेंगलुरू)
5,51,000/-

श्री मधुसूदन आमेरिया,
(जयपुर)
5,11,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री गिरधारी लाल जांगिड जी (बेंगलुरू)
501,000/-

श्री सुरेन्द्र शर्मा जी, (अहमदाबाद)
5,00,111/-

श्री राजेन्द्र शर्मा जी (मै.राज.कोचबिल्डर्स,धार)
5,00,000/-

श्री पूनाराम जांगिड जी, (जोधपुर)
5,00,000/-

श्री श्रीगोपाल चोयल जी एवं श्री आर.एस.चोयल जी श्री महादेव चोयल (जांगिड) चेरिटेबल ट्रस्ट, अजमेर
5,00000/-

श्री सुरेन्द्र कुमार वत्स जी (पूर्व कोषाध्यक्ष, महासभा) एवं श्री दिनेश कुमार वत्स जी, (दिल्ली)
5,00000/-

श्री कांति प्रसाद जांगिड जी (टाईगर) (दिल्ली)
5,00,000/-

श्री प्रभुदयाल शर्मा (वाराणसी)
5,00,000/-

श्री सुनील कुमार शर्मा जी, (चित्तौडगढ)
5,00,000/-

श्री प्रमोद जांगिड, श्री रकेश जांगिड, दिनेश जांगिड एवं रेखा जांगिड, सम्मिलित रूप से सूरत गुजरात
5,00,000/-

श्री सोमदत्त शर्मा जी नांगलोई पूर्व कोषाध्यक्ष महासभा, दिल्ली
2,52,151/-

श्री सीताराम शर्मा जी (पूर्व जिला प्रमुख, करौली), दिल्ली 2,51,151/-

श्री महेन्द्र कुमार जांगिड जी, (धारूहेड़ा)
2,51,000/-

श्री रामअवतार जांगिड जी, (जयपुर)
2,51,000/-

श्री बनवारी लाल शर्मा जी (सीकर)
2,51,000/-

श्री सुभाष जी (बोरवेल वाले) (जयपुर)
2,51,000/-

श्री महेन्द्र शर्मा जी, (मुम्बई),
2,51,000/-

श्री मनीलाल जांगिड जी (मुम्बई),
2,51,000/-

श्री सतीश शर्मा जी (नदबई),
2,51,000/-

श्री पूरनचन्द शर्मा, दिल्ली (प्रधान शिरोमणी सभा) 2,51,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

सुप्रसिद्ध समाजसेवी
श्री प्रकाश शर्मा, दिल्ली
2,51,000/–

श्री बाबूलाल शर्मा जी
(बेंगलुरू)
2,51,000/–

श्री इंदरचंद चांदराम
जांगिड जी, मुम्बई
2,51,000/–

श्री रवि जांगिड जी
(बेंगलुरू)
2,51,000/–

श्री नरेश चन्द्र शर्मा जी
(बेंगलुरू)
2,51,000/–

श्री अशोक जांगड
(नजफगढ़, दिल्ली)
2,51,000/–

श्री किशनलाल शर्मा जी,
(रोहिणी, दिल्ली)
2,51,000/–

श्री शंकर लाल धनेरवा
जी, (जयपुर)
2,51,000/–

श्री सुभाषचंद्र जांगिड जी
(भाइ±दर(ईस्ट),ठाणे,महाराष्ट्र)
2,51,000/–

श्री रामकरण शर्मा जी
(फरीदाबाद)
2,51,000/–

श्री टेकचन्द शर्मा,
फरीदाबाद (हरि.)
2,51,000/–

श्री प्रहलादराय जांगिड जी
(नांदेड)
2,50,000/–

श्री प्रभुदयाल शर्मा जी
देवास, (मध्य प्रदेश)
2,50,000/–

श्री संजय शर्मा जी,
(जयपुर)
2,00,000/–

श्री जगन्नाथ जांगिड,
बावल (हरि.)
1,72,000/–

श्री योगिन्द्र शर्मा जी
आई पी एक्सटेंशन-अध्यक्ष पूर्वी
दिल्ली जिलासभा 1,53,000/–

श्री शिव चन्द्र जी,
अटेली मण्डी, नारनौल,
महेन्द्रगढ
1,51,555/–

श्री देवी सिंह जी ठेकेदार
-करावल नगर-उपाध्यक्ष
अ.भा.जा.ब्रा.महासभा 1,51,111/–

श्री जवाहरलाल जांगिड
जी, उज्जैन (मध्य प्रदेश)
1,51,000/–

श्री राम पाल शर्मा जी
यमुना विहार-उपाध्यक्ष पूर्वी
दिल्ली जिलासभा 1,51,000/–

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री जीवनराम जांगिड जी (नागपुर)
1,51,000/-

श्री श्रीकृष्ण जांगडा जी,रानी खेड़ा, दिल्ली
1,51,000/-

श्री हरिराम जांगिड जी थाने, मुम्बई
1,51,000/-
(महासभा भवन में एक कमरे के लिए योगदान)

श्री जयसिंह जांगडा जी (रिटायर्ड जज)गुरूग्राम
1,51,000/-

श्री विजय प्रकाश शर्मा जी (द्वारका, दिल्ली)
1,51,000/-

स्व.चांद कौर धर्मपत्नी स्व.श्री नाहनाराम जांगडा जी की स्मृति में एक कमरे के लिए 1,51,000/- का योगदान डॉ.शेरसिंह जांगडा प्र.अ.हरियाणा एवं उनकी धर्मपत्नी डॉ.शील जांगडा द्वारा प्रदान किया गया

श्री बाबू लाल शर्मा जी, (इन्दौर, मध्य प्रदेश)
1,51,000/-

श्री किरताराम छड़िया जी बेंगलूरू
1,51,000/-

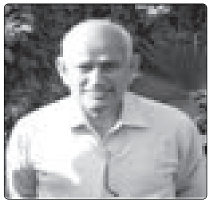

श्री वीरेन्द्र शर्मा जी (शामली)
1,51,000/-

श्री ओमप्रकाश शर्मा जी (जीओजी मार्बल जयपुर)
1,51,000/-

श्रीमती उर्मीला जांगिड पत्नी श्री लक्ष्मीनारायण जी गुरूग्राम 1,51,000/-

श्रीमती ब्रह्मो देवी धर्मपत्नी श्री नाथूराम जी शर्मा, दिल्ली 1,51,000/-

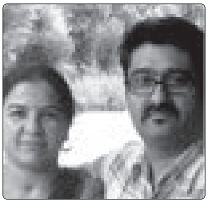

श्री कृष्ण कुमार शर्मा जी द्वारका, दिल्ली
1,51,000/-

श्री सत्यनारायण शर्मा जी पैरामाउंट इंजीनियर्स,गुरूग्राम
1,51,000/-

श्री मोहन लाल जांगिड जी प्रदेश अध्यक्ष(गुजरात)
1,51,000/-

श्री चंद्राप्रकाश जी गुरूदत्त शर्मा जी (गांधीधाम) 1,51,000/-

श्री अनिल एस.जांगिड जी (पूर्व महामंत्री महासभा)गुरूग्राम
1,51,000/-

श्री हरीराम जांगडा जी ग्राम कासन
1,51,000/-

श्री राजेन्द्र जांगिड जी पटेल नगर, गुड़गांव
1,51,000/-

श्री कृष्ण अवतार जांगिड जी ग्राम कासन
1,51,000/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

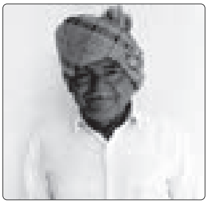

श्री पन्ना लाल जांगिड जी
ग्राम कासन
1,51,000/-

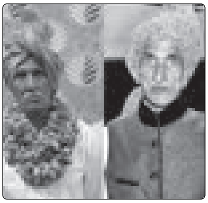

मास्टर जगदीश चंद्र जागिड,
श्री ज्ञानचंद जांगिड, ग्राम-कासन
1,51,000/-

श्री हरीश जी
नरेश जी दम्मीवाल
(जोधपुर) 1,51,000/-

श्री उमाकांत जी
धानेरा
1,51,000/-

श्री किशोर कुमार जांगडा जी
बहादुरगढ
1,51,000/-

श्री वेद प्रकाश आर्य
सवाई माधोपुर
1,51,000/-

श्री सत्यनारायण शर्मा
फूतली वाले, सागरपुर,दिल्ली
1,51,000/-

श्रीमती दयावंती धर्मपत्नी
श्री रामकिशन शर्मा,(डीसीपी)
द्वारका,दिल्ली 1,51,000/-

श्री बी.सी.शर्मा
जयपुर
1,51,000/-

डॉ. मोतीलाल जांगिड
(वैशाली, जयपुर)
1,51,000/-

श्रीमती शारदा देवी
W/o श्री महेन्द्र सिंह जांगिड,
धारूहेड़ा (हरि.)
1,51,000/-

श्रीमती गीता देवी,
W/o श्री खुशीराम जांगिड,
धारूहेड़ा (हरि.)
1,51,000/-

श्री देवेन्द्र गौतम,
नवादा उत्तम नगर
(दिल्ली) 1,51,000/-

श्री तेजस लुंजा जी
बेंगलूरू
1,50,000/-

श्री सत्यपाल वत्स जी,
(बहादुरगढ़)
1,21,251/-

श्री उम्मेद सिंह डेरोलिया
जी,(बहादुरगढ़)
1,21,251/-

श्री राजू जांगडा सुपुत्र
श्री ईश्वर सिंह ठेकेदार(नजफगढ़,
दिल्ली)-1,21,000/-

इंजि. जय इन्द्र शर्मा जी,
(कुरथल)विज्ञान लोक,दिल्ली
1,11,121/-

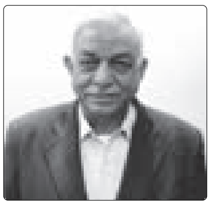

श्री लक्ष्मी नारायण जी,
(गुड़गांव)
1,11,111/-

डॉ. शेरसिंह जी जांगिड
गुड़गांव,(प्र.अ.हरि.)
1,11,111/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्री रमेश कुमार जी,
(सोनीपत, हरि.)
1,11,111/-

श्री वीरेन्द्र आर्य जी
(रोहतक)
1,11,111/-

श्री संजीव कुमार जी,
(रोहतक)
1,11,111/-

श्री फूलकुमार जी जांगडा,
(सोनीपत)
1,11,111/-

श्री प्रहलाद सहाय शर्मा,
बुल्ड़ाणा (महा.)
1,11,100/-

श्री रघुवीर सिंह आर्य जी
शामली, (उत्तर प्रदेश)
1,11,000/-

श्री नाथूलाल जांगिड जी एवं श्री हरीशंकर जांगिड जी,(जयपुर) 1,11,000/-

श्री सुरेंद्र जांगिड़ जी,
(दिल्ली)
1,11,000/-

श्री प्रवीण जांगडा जी,
(द्वारका, दिल्ली)
1,11,000/-

श्री श्रीचन्द शर्मा जी,
मुल्तान नगर (दिल्ली)
1,11,000/-

श्री अमर सिंह जांगिड़ जी,
(मुम्बई)
1,11,000/-

श्री बनवारी लाल जांगिड,
(त्रिनगर, दिल्ली)
1,11,000/-

श्री कृष्ण कुमार बिजेनिया जी
(ग्राम ककरौला, दिल्ली)
1,11,000/-

श्री ओम नारायण शर्मा जी, साहिबाबाद,(पूर्व संपादक जांगिड ब्राह्मण) 1,02,251

श्री ईश्वर दत्त जांगिड जी
(रोहतक)
1,02,000/-

श्री राजेन्द्र शर्मा जी,
समालखा(पानीपत)
1,01,111/-

श्री बृजमोहन जांगिड जी
(नागपुर)
1,01,101/-

श्री गिरधारी लाल जांगिड जी (नागपुर)
1,01,101/-

श्री सुनील कुमार जांगिड जी
(खोडा कालोनी-सुप्रसिद्ध समाजसेवी)
1,01,101/-

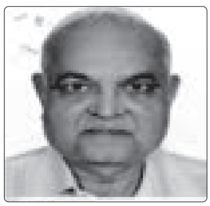

श्री अतरसिंह काला जी
(नांगलोई, दिल्ली)
1,01,101/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

सीए अनिल कुमार शर्मा जी, आई.पी.एक्सटेंशन, दिल्ली)
1,01,101/-

श्री किशन लाल जांगिड जी जयपुर,
1,01,000/-

श्री आर.पी.सिंह जांगिड जी श्याम विहार-प्रभारी प्रादेशिक सभा दिल्ली 1,01,000/-

श्री राजबीर सिंह जी आर्य कोंडली-उपाध्यक्ष पूर्वी दिल्ली जिलासभा
1,01,000/-

श्री हरिपाल शर्मा जी फालना
1,01,000/-

श्री चन्द्रपाल भारद्वाज जी ज्योति कॉलोनी-पूर्व महामंत्री अ.भा.जां.ब्रा.महासभा 1,01,000/-

श्रीमती स्नेहलता जांगिड जी सोनीपत
1,01,000/-

श्री रमेश शर्मा जी, (मै.कमल प्रिंटर्स) दिल्ली 1,01,000/-

श्री दीपक कुमार शर्मा जी ज्योति कालोनी-सह सचिव पूर्वी दिल्ली जिलासभा 1,01,000/-

श्री अशोक कमार शर्मा जी, (औरंगाबाद)
1,01,000/-

श्री बंशीधर जांगिड जी, गोरेगांव, (मुम्बई)
1,01,000/-

श्री इन्दरराम तेजाराम जांगिड जी, (मुम्बई)
1,01,000/-

श्री गंगादीन जांगिड (दिल्ली)
1,01000/-

श्री रमेश चन्द शर्मा जी (प्रदेशाध्यक्ष-उत्तराखण्ड)
1,01,000/-

श्री जगदीश चन्दर जांगिड जी (सोनीपत)
1,01,000/-

श्री सत्यनारायण शर्मा जी (नांगलोई, दिल्ली)
1,01,000/-

श्री प्रमोद कुमार जांगिड जी (बड़ौत, उ.प्र.)
1,01,000/-

श्री पुरूषोत्तम लाल शर्मा जी (जयपुर,)
1,01,000/-

श्री सत्य नारायण जांगिड, मन्दसौर (म.प्र.)
1,01,000/-

श्रीमती विमला देवी किंजा, श्रीमती रामेश्वरी देवी कालोया, श्री विश्वकर्मा महिला संकीर्तन मंडल, रामगंज, अजमेर एवं कार्यकारिणी 1,00,121/-

मुण्डका में महासभा भवन हेतु दानदाताओं की सूची

श्रीमती सुमित्रा देवी जी ओमप्रकाश शर्मा जी(पूर्व उपप्रधान) महासभा 1,00,111/-

श्री ब्रह्मानन्द शर्मा जी सागरपुर दिल्ली, 1,00,001/-

श्री ललित जड़वाल जी (अजमेर) 1,00,000/-

श्री चंपा लाल शर्मा जी (बुलढाणा) 1,01,100/-

श्री विजय शर्मा जी (ताबड़ू) 1,00,000/-

डॉ. ओ.पी. शर्मा जी (दिल्ली) 1,00,000/-

श्री ओम प्रकाश जांगिड जी (हिसार) 1,00,000/-

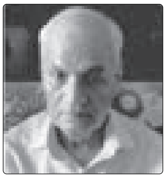

श्री मंगलसैन जी शर्मा (बड़ौत, उत्तर प्रदेश) 1,00,000/-

श्री सूरजमल जांगिड जी, (हिंगोली) 1,00,000/-

श्री नानूराम जांगिड जी (हिंगोली) 1,00,000/-

प. गंगा राम जांगिड जी (जयपुर) 1,00,000/-

श्री रमेश चंद शर्मा जी, (इंदौर) 1,00,000/-

श्री पुखराज जांगिड जी (सिकन्दराबाद) 1,00,000/-

श्री राजतिलक जांगिड जी (गुड़गांव) 1,00,000/-

श्री बाबूलाल शर्मा जी (अहमदाबाद) 1,00,000/-

श्री नेमीचन्द जांगिड जी (सिकन्दराबाद) 1,00,000/-

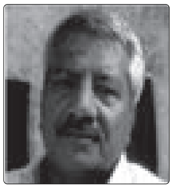

श्री सोमदत्त जांगिड जी (नांगलोई, दिल्ली) 1,00,000/-

श्री प्यारे लाल शर्मा जी, (छतीसगढ़) 1,00,000/-

श्री विद्यासागर जांगिड जी (गुड़गांव) 1,00,000/-

श्री बजरंग शर्मा, दुर्ग (छत्ती.) 1,00,000/-

कैप्टन श्री हेमराज जी कोटपूतली 76000/-

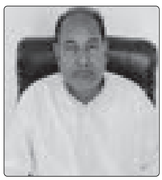

श्री लीलाराम शर्मा आर.आर.एन्टरप्राइजेज, बहारोड़, 71,000/-

श्री सत्यनारायण जांगिड़ इंदौर रुपये 51000/-

श्री सांवर मल जांगिड (महामंत्री, महासभा, दिल्ली) 51,000/-

BHARAT WHEEL

Manufacturer of Rims for Tractor,
Motor Vehicle, Earthmoving Machine.

Our valued customers

VECTRA MANITOU GROUP JCB ESCORTS

Bharat Wheel Private Limited
Muzaffarnagar Road, Shamli - 247776, UP, India
Email : info@bharatwheel.com
www.bharatwheel.com

SHARMA
Group of companies
FULFILLING
DREAMS.
LATE SHREE
KANHAIYALAL
SHARMA
(CHOYAL)
FOUNDER
HYUNDAI
AUTHORIZED HYUNDAI DEALER
SHARMA
HYUNDAI
Since 1998
Ashram Road
Call : 9099978327
Satellite
Call : 9099978334
Parimal Garden
Call : 9099978328
Naroda
Call : 9099938777
Sharma Hyundai
TOYOTA
Narmada Toyota
Service
Authorised Toyota Dealer : NARMADA TOYOTA
VADODARA : 9099916601 I ANAND : 9099916631/32
MORRIS GARAGES
Since 1924
Authorised MG Dealer :
Kayakalp Cars Pvt. Ltd.
Zorba Complex, Akshar chowk, OP Road, Vadodara.
Ph : 6358800230/31
MG VADODARA
Kayakalp Cars Pvt. Ltd.

ओम प्रकाश जांगिड (गोठड़ा तगेलान, सीकर वाले)
प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश सभा, दिल्ली

OMKARA

TRANSPORT PVT. LTD.

The Professional Carriers with Personal Care

Website : www.omkaratransport.com Email- accounts@omkaratransport.com

Head Office: 660, Sanjay Enclave, Opp. G.T.K. Depot., G.T. Karnal Road, Delhi-110033
Ph. (91-11) 27639241,27639341,27630041,27634841,27633841,Fax.27632841,27634841

ANKLESHWAR : Plot No. 432, Asian Paint Chowkdi, Near New Deep Chemical, GIDC–Ankleshwer
Mr. Kailash Jangid 02646-220276, 220797,9376011451, 9426740247

BHIWANDI : BGTA Compound, Opp.Maratha Punjab Hotel, Anjur Phata, Bhiwandi
Mr. Naresh 9320253841

CHANDIGARH : Plot No.-5 Sec-26 Transport Area, Chandigarh
Mr. Santosh 0172-3079441, 5006099, 9356606683, 9357899555

DELHI : AG-468, Sanjay Gandhi Transport Nagar, Delhi – 110042
Mr.Rajender Prasad 9311610041

FARIDABAD : 17/6 Mathura Road, Sarpanch Colony, Faridabad
Mr. Mahaveer Singh 0129-2227534, 9313058799, 9312582741

GANDHIDHAM : 105,Varindavan Complex, Nr. BMCB, Sector-9A, Plot No-20, Gandhidham-Kutch-370201, Mr.Rudramani Sharma 02836-239531,9099674577,9375674577

GURGAON : Naharpur Road, Nr. Anaj Mandi Chowk, Gurgaon
Mr. Gauri Shankar 0124-4031626, 9312403872, 9350584403

VAPI : 15-163A, Near Saiyad paper Mill, Jay shree Chamber 2nd Phase,
GIDC Vapi-396195 Mr. Sonu Singh 0260-3264022, 9377926191

PANT NAGAR : MIG-495 Awas Vikas, Opp:Himshikhar property, Rudrapur-Udhamsingh Nagar
Mr.Trilok Singh 9358865110

PUNE : Supreme House,149B, Transport Nagar, Sec-23, Pradhi Karan, Nigdi PUNE-410044, Mr. Subhash 020-27655987, 9371014573, 932665378

BHIWADI : G-464, Phase-1,Rico Industrial Area, Bhiwadi-301019
Mr. Ratan Singh 01493-223567, 224667, 9214021567, 9549821567

MUMBAI : 105,Sterling Chamber, Pune Street, Mumbai-400009
Mr.Ashok 022-32968650, 022-32968651, 022-23748845, 9321697083

OMKARA CAR ACCESORIES

SIKAR (RAJASTHAN)

Posted at: DELHI R.M.S., Delhi-06

Registered With The Registrar of News Papers For INDIA, Under Regd. No. 25512/72

D.L.(DG-11)/8009/2021-23
Posted Under Licence No. U(DN)39/2021 of Post without prepayment of postage

Posting Date: 22-27 Each Month
Publication Date: 15 October 2022
Weight: 100 gms. Cost: Rs. 240 Yearly

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा
440, हवेली हैदर कुली,
चाँदनी चौक, दिल्ली–110 006

Printed, Published by Sh. J.P. Sharma, K-29, Ward-1, Desu Road, Mehrauli, New Delhi-30, on behalf of (Owner) Akhil Bhartiya Jangid Brahman Mahasabha, 440, Haveli Haider Quli, Chandni Chowk, Delhi-06, Printed at M/s. Kamal Printers, Anand Parbat, N.D.-05, Ph.:9810622239, Published at Delhi, Editor Sh. Ram Bhagat Sharma, 1741 Sector - 23 B Chandigarh (UT)